नई दिल्ली। बुधवार, 16 सितम्बर, 2026
भाद्रपद कृष्ण पक्ष षष्ठमी सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 12, अंक : 251/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12

दैनिक
# विश्व केसरी
नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ खेल च्वह ऐसे ही कामयाबी हासिल करते रहें'...
@ विचार आखिर कृत्रिम बुद्धिमत्ता को लेकर जारी ...
@ व्यापार शेयर बाजार भारी गिरावट, निवेशक बेहाल...

## विश्व केसरी खबर झरोखा

### बांग्लादेशः अवामी लीग के सात और नेताओं को मौत की सजा

**ढाका।** बांग्लादेश के इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल (आईसीटी)-2 ने मंगलवार को अवामी लीग के महासचिव ओबैदुल कादर समेत पार्टी के सात नेताओं को जुलाई 2024 में हुए बड़े जन-आंदोलन से जुड़े 'मानवता के खिलाफ अपराधों' के लिए मौत की सजा सुनाई।

बांग्लादेश के प्रमुख दैनिक 'ढाका ट्रिब्यून' की रिपोर्ट के अनुसार, जिन नेताओं को मौत की सजा सुनाई गई है, उनमें बांग्लादेश के सूचना और प्रसारण राज्य मंत्री मोहम्मद अली अराफात, अवामी लीग के संयुक्त महासचिव एएफएम बहाउद्दीन नसीम, छात्र लीग के अध्यक्ष सद्दाम हुसैन; छात्र लीग के महासचिव शेख वली आसिफ इनान, जुबो लीग के अध्यक्ष शेख फजले शम्स पराश और जुबो लीग के महासचिव मैनुल हुसैन खान निखिल शामिल हैं। छात्र लीग, अवामी लीग का छात्र संगठन है और जुबो लीग उसका युवा संगठन है।

### पटना में विरोध-प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने बैरिकेड तोड़े, विधानसभा ओवरब्रिज तक पहुंचे

**पटना।** पटना में छात्रों का प्रदर्शन लगातार जारी है। मंगलवार को पटना की सड़कों पर हजारों छात्र और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले उम्मीदवार उतरे। उन्होंने विभिन्न भर्ती परीक्षाओं से जुड़ी अपनी मांगें रखीं और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के आवास की ओर मार्च करने की कोशिश की। प्रदर्शनकारियों में 70वीं बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) परीक्षा और सब-इंस्पेक्टर (एसआई) भर्ती के उम्मीदवार शामिल थे। इसके साथ ही बिहार कर्मचारी चयन आयोग (बीएसएससी) जैसी अन्य भर्ती प्रक्रियाओं से जुड़े छात्र भी थे। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस बैरिकेड्स तोड़ दिए और सुरक्षा कर्मियों से बचते हुए। विधानसभा ओवरब्रिज तक पहुंचने में कामयाब रहे। पुलिस ने शुरू में उन्हें जेपी गोलंबर के पास रोकने की कोशिश की, लेकिन छात्र एग्जीबिशन रोड से आगे बढ़ गए।

### भारत अब वैश्विक चुनौतियों पर आत्मविश्वास से रख रहा विचार : जयशंकर

**नई दिल्ली।** नई दिल्ली के मंडी हाउस स्थित विवेक ऑडिटोरियम में मंगलवार को राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के तौर पर 'इंडियन काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स' की सिल्वर जुबली (25वीं वर्षगांठ) का जश्न मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर और विदेश सचिव विक्रम मिस्री मौजूद रहे। इंडियन काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स की सिल्वर जुबली कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि आज यहां उपस्थित होकर मुझे बहुत खुशी हो रही है क्योंकि हम इंडियन काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स (आईसीडब्ल्यूए) को राष्ट्रीय महत्व की संस्था का दर्जा मिलने के 25 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। इस दौरान जयशंकर ने आईसीडब्ल्यूए के अध्यक्ष के रूप में समारोह में उपस्थित होने के लिए उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन का आभार व्यक्त किया।

# आपसी हित और सम्मान से आगे बढ़ें भारत-चीनः विदेश मंत्रालय

एजेंसी ■ नई दिल्ली

विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि हाल ही में नई दिल्ली में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा हुई।

नई दिल्ली में मंगलवार को साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि पीएम मोदी ने बैठक के दौरान इस बात पर जोर दिया कि भारत और चीन को एक-दूसरे की मूल चिंताओं के प्रति संवेदनशीलता दिखानी चाहिए और आपसी सम्मान, आपसी हित और आपसी संवेदनशीलता से निर्देशित होना चाहिए।

जब बैठक को लेकर चीनी पक्ष के बयान के बारे में पूछा गया, जिसमें कहा गया था कि ताइवान और तिब्बत से जुड़े मुद्दों पर भारत की नीति और स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है और वह अपनी धरती पर किसी भी ताकत को चीन विरोधी गतिविधियों में शामिल होने की अनुमति नहीं देगा, तो जायसवाल ने जवाब दिया, 'चर्चा के दौरान कई मुद्दे सामने आए, और हमने आपको उनसे अवगत कराया है, जिनमें आपके सवाल में उल्लिखित मुद्दे भी शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने भारतीय चिंताओं का भी जिक्र किया और इस बात पर जोर दिया कि दोनों पक्षों को एक-दूसरे की मूल चिंताओं के प्रति संवेदनशीलता दिखानी चाहिए और तीन आपसी सिद्धांतों- आपसी सम्मान, आपसी हित और आपसी संवेदनशीलता से निर्देशित होना चाहिए।'

पीएम मोदी और शी जिनपिंग ने 12 सितंबर को नई दिल्ली में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर द्विपक्षीय बैठक की, जहां दोनों नेताओं ने इस बात पर जोर दिया कि 'मतभेदों को विवाद नहीं बनना चाहिए' और इस बात की पुष्टि की कि दोनों देशों को अपने संबंधों को रणनीतिक और दीर्घकालिक दृष्टिकोण से देखना चाहिए।

बैठक के बाद विदेश मंत्रालय द्वारा जारी बयान में कहा गया, 'दोनों नेताओं ने अगस्त 2025 में तियानजिन में अपनी पिछली बैठक के बाद से भारत-चीन द्विपक्षीय संबंधों में स्थिर प्रगति का स्वागत किया। उन्होंने पुष्टि की कि दोनों देशों को अपने संबंधों को रणनीतिक और दीर्घकालिक दृष्टिकोण से देखना चाहिए। मतभेदों को विवाद नहीं बनना चाहिए। प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि दोनों पक्षों को तीन आपसी सिद्धांतों- आपसी सम्मान, आपसी संवेदनशीलता और आपसी हित से निर्देशित होना चाहिए।' बैठक के दौरान पीएम मोदी ने जोर देकर कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और स्थिरता द्विपक्षीय संबंधों के निरंतर विकास के लिए एक आवश्यक आधार बनी हुई है।

# भारत ने जीती टी-20 सीरीज

## दूसरे मैच में अफगानिस्तान को 7 विकेट से रौंदा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

मंगलवार को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए दूसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में भारत ने अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली है। भारत ने पहला मुकाबला भी 7 विकेट से जीता था। आखिरी मैच 17 सितंबर को खेला जाएगा।

कोटला की पाटा विकेट पर शाम साढ़े सात बजे से शुरू हुए मैच में भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान ने भारत के सामने 160 रनों का लक्ष्य रखा है। नीतीश रेड्डी ने दमदार गेंदबाजी की है। भारत की प्लेइंग XI में वैभव सूर्यवंशी को एक बार फिर जगह नहीं मिली। अफगानिस्तान की ओर से इब्राहिम जादरान ने 37 (33) बनाए। अंत में मोहम्मद नबी और राशिद खान ने मोर्चा संभाला। नबी ने 20 (14) रन बनाए। राशिद खान ने 16 गेंदों में 28 रनों की पारी खेली। बीच के ओवरों में रसूली ने 15 गेंदों में 26 रन बनाए। जैसे तैसे उनकी टीम निर्धारित 20 ओवरों में 159 रनों तक पहुंच सकी। भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह ने चार ओवर की गेंदबाजी करते हुए 25 रन देकर एक विकेट हासिल किया। अर्शदीप सिंह ने 4 ओवर में 35 रन दिए और दो विकेट लिया। नीतीश कुमार रेड्डी आज के मैच के सबसे बेहतर गेंदबाज रहे। उन्होंने 3 ओवर में 24 रन देकर तीन विकेट चटकाए।

# भूपेश का दमदार वार, विजय शर्मा के दावे ध्वस्त

## मुद्दा- 'पीएम आवास योजना, प्रेस क्लब की खुली चर्चा में छिड़ी तीखी बहस'

संवाददाता ■ रायपुर

पीएम आवास योजना को लेकर छत्तीसगढ़ की सियासत एक बार फिर गरमा चुकी है। रायपुर में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और गृहमंत्री विजय शर्मा आमने-सामने नजर आए। रायपुर प्रेस क्लब में पीएम आवास के मुद्दे पर दोनों नेताओं के बीच तीखी बहस हुई। दोनों नेताओं ने अपने-अपने कार्यकाल में स्वीकृत और पूर्ण हुए आवासों के आंकड़े पेश किए।

दरअसल, पीएम आवास के मुद्दे को लेकर डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को खुली बहस की चुनौती दी थी। भूपेश बघेल ने इस चुनौती को स्वीकार किया। इसी के तहत दोनों नेता रायपुर प्रेस क्लब में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे, जहां पीएम आवास को लेकर दोनों पक्षों ने अपना-अपना पक्ष रखा। मामला केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं रहा, दोनों नेताओं के बीच कई मौकों पर तीखी नोकझोंक भी हुई।

**विजय शर्मा का दावा, 'छत्तीसगढ़ ने देश में सबसे ज्यादा पीएम आवास बनाए'**

गृहमंत्री विजय शर्मा ने आंकड़े पेश करते हुए कहा, 'केंद्र सरकार ने छत्तीसगढ़ में 17 लाख 75 हजार पीएम आवास पूर्ण किए। उन्होंने दावा किया कि भारत सरकार की वेबसाइट पर इसके पूरे आंकड़े उपलब्ध हैं। गृहमंत्री ने कहा कि 2025-26 में छत्तीसगढ़ ने देश में सर्वाधिक पीएम आवास बनाए हैं। गृहमंत्री शर्मा ने पिछली कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उसके कार्यकाल में वित्तीय स्वीकृति तो हुई, लेकिन आवास पूर्ण नहीं हुए। विजय शर्मा के मुताबिक, कांग्रेस सरकार के पांच साल के कार्यकाल में आवास के लिए करीब 3,900 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति थी और करीब 3 लाख आवास पूर्ण हुए। वहीं भाजपा सरकार ने करीब ढाई साल में 16 हजार करोड़ रुपये खर्च किए।

**भूपेश बघेल का पलटवार, 'हमने करीब 7 लाख आवास स्वीकृत किए'**

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी अपने कार्यकाल के आंकड़े सामने रखे। बघेल ने कहा, ''2018 में 3 लाख 48 हजार 960 घर स्वीकृत हुए थे, जिनमें से 1 लाख 39 हजार मकान पूर्ण हुए। 2020-21 वित्तीय वर्ष में 1 लाख 97 हजार 811 आवास का लक्ष्य था, जिसमें से 1 लाख 22 हजार आवास पूरे किए गए।'' भूपेश बघेल ने कहा कि कोरोना काल में किसी भी सरकार के पास पर्याप्त पैसा नहीं था। उन्होंने दावा किया कि 2022-23 में पीएम आवास का पोर्टल बंद कर दिया गया था और उनकी सरकार ने केंद्र सरकार से अपना पैसा मांगा था। इसके लिए केंद्र को लगातार पत्राचार भी किया गया। भूपेश बघेल के मुताबिक, 2011 की जनगणना के आधार पर करीब 18 लाख आवास बाकी थे, जिनमें से उनकी सरकार ने 6 लाख 97 हजार आवास स्वीकृत किए गए।

**पोर्टल बंद था या नहीं, सबसे बड़ा सियासी विवाद**

सियासी बहस के बीच पीएम आवास पोर्टल को लेकर दोनों नेताओं के बीच सबसे ज्यादा तीखी बहस देखने को मिली। भूपेश बघेल ने दावा किया कि 2022-23 में केंद्र सरकार ने पीएम आवास का पोर्टल बंद कर दिया था, जिसकी वजह से आवास योजना प्रभावित हुई। इसके जवाब में विजय शर्मा ने कहा कि पोर्टल बंद नहीं था और कोरोना के समय भी केंद्र से राशि आ रही थी।

विजय शर्मा ने आरोप लगाया कि मुद्दा पोर्टल का नहीं था, बल्कि तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने यह कहा था कि अगर यह प्रधानमंत्री आवास है तो प्रधानमंत्री ही जानें। उन्होंने कहा कि उस समय राज्य सरकार ने पूरी राशि अपनी तरफ से देने की बात कही थी। भूपेश बघेल ने अपने दावे पर कायम रहते हुए कहा कि पोर्टल बंद था। उन्होंने कहा कि सही क्या है, यह पत्रकार खुद जांच कर तय कर सकते हैं कि कौन सच बोल रहा है।

### वित्त मंत्री सीतारमण ने जेन जी और जेन अल्फा को दी सलाह

एजेंसी ■ चेन्नई

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि छात्रों को विनम्रता और जिम्मेदारी की मजबूत भावना विकसित करनी चाहिए। उन्होंने प्रसिद्ध विद्वान सर आइजैक न्यूटन का उदाहरण देते हुए कहा कि न्यूटन ने अपनी सफलता में अन्य विद्वानों के योगदान को स्वीकार किया था। तमिलनाडु के चेन्नई में एमजीआर विश्वविद्यालय में छात्रों को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि न्यूटन जैसे महान विद्वान ने भी स्वीकार किया था कि अपनी सफलता हासिल करने और खोजें करने के लिए उन्हें कई अन्य विद्वानों की सहायता की आवश्यकता थी। केंद्रीय मंत्री ने कहा, न्यूटन जैसे महान विद्वान ने स्वीकार किया था कि अपनी सफलता हासिल करने के लिए उन्हें विभिन्न विद्वानों की सहायता की आवश्यकता थी। उन्होंने कहा था कि इसी सहयोग के माध्यम से वह अपनी विभिन्न खोजें कर पाए। उन्होंने इसे बेहद विनम्रता के साथ व्यक्त किया। वित्त मंत्री ने कहा, इसलिए छात्रों के लिए विनम्रता और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना बेहद महत्वपूर्ण है।

### भारत डिफेंस एक्सपोर्टर बनने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा आगे : राजनाथ सिंह

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत आज आयातक से रक्षा निर्यातक बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मंगलवार को यह बात रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कही। उन्होंने बताया कि बीते कुछ वर्षों में स्टार्टअप और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम भारत में नवाचार के नए ध्वजवाहक बनकर उभरे हैं।

यही छोटे उद्यम नए विचारों और नई प्रौद्योगिकियों को जन्म देते हैं। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने इनके लिए ऐसा ढांचा तैयार किया है, जिसके माध्यम से स्टार्टअप और एमएसएमई सीधे डीआरडीओ की प्रयोगशालाओं के साथ संवाद कर सकते हैं। डीप टेक व विशिष्ट प्रौद्योगिकियों में काम करने का अवसर प्राप्त कर सकते हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह नई दिल्ली में आयोजित डीआरडीओ-उद्योग समन्वय बैठक 'विमर्श 2026' में बोल रहे थे।

यहां उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में एमएसएमई और स्टार्टअप की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

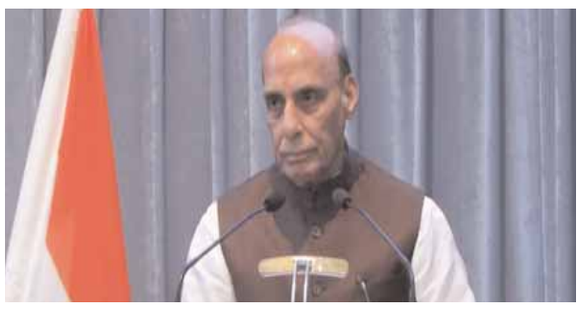

### तीर तेवर — सागर कुमार

# 2,000 रुपए से अधिक के यूपीआई भुगतान पर लगेगा एमडीआर

## छोटे व्यापारियों को मिलेगी छूट

एजेंसी ■ नई दिल्ली

नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने मंगलवार को ऐलान किया कि उसने चुनिंदा यूपीआई लेनदेन के लिए मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) फ्रेमवर्क में बदलाव किया है। इसके तहत, 2,000 रुपए से ज्यादा के कुछ मर्चेंट पेमेंट पर चार्ज लगेगा, जबकि छोटे व्यापारियों और कम वैल्यू वाले ट्रांजैक्शन के लिए जीरो एमडीआर जारी रहेगा।

यह एमडीआर फ्रेमवर्क 15 अक्टूबर, 2026 से लागू होगा, जबकि ग्राहकों के लिए यूपीआई लेनदेन मुफ्त बने रहेंगे। इसमें 2,000 रुपए तक के पेमेंट वाले कम-वैल्यू वाले यूपीआई पर्सन-टू-मर्चेंट (पी2एम) लेनदेन को एमडीआर के दायरे से बाहर रखा गया है। नए नियम के तहत, 2,000 रुपए से ज्यादा के खास पी2एम यूपीआई लेनदेन पर 0.4 प्रतिशत का एमडीआर लगेगा। एमडीआर की अधिकतम सीमा 300 रुपए प्रति लेनदेन होगी। रेलवे, टेलीकॉम सर्विस, इंश्योरेंस और फ्यूल जैसी चुनिंदा मर्चेंट कैटेगरी में 2,000 रुपए से ज्यादा के यूपीआई पेमेंट पर 5 रुपए प्रति लेनदेन का फ्लैट एमडीआर लगेगा।

पर्सन-टू-पर्सन (पी2पी) यूपीआई लेनदेन पहले की तरह मुफ्त रहेंगे और 2,000 रुपए तक के पी2एम लेनदेन भी एमडीआर फ्रेमवर्क के दायरे से बाहर रहेंगे। इसका मतलब है कि ग्राहक बिना कोई लेनदेन चार्ज दिए यूपीआई का इस्तेमाल करते रहेंगे।

पर्सन-टू-पर्सन मर्चेंट (पी2पीएम) फ्रेमवर्क के तहत काम करने वाले छोटे व्यापारियों को जीरो एमडीआर का फायदा मिलता रहेगा। इस कैटेगरी में वे छोटे वेंडर शामिल हैं जो यूपीआई क्यूआर पेमेंट के जरिए सीधे अपने बैंक अकाउंट में हर महीने 1 लाख रुपए तक की रकम हासिल करते हैं। इससे असंगठित रिटेल सेक्टर में डिजिटल पेमेंट को ज्यादा से ज्यादा अपनाने में मदद मिलती है।

संशोधित फ्रेमवर्क में छोटे व्यापारियों के बीच यूपीआई के इस्तेमाल को बढ़ाने के लिए एक खास फंड बनाने का भी प्रस्ताव है, खासकर मौजूदा मर्चेंट नेटवर्क और टियर-3 व उससे छोटे बाजारों में। इस पहल का मकसद डिजिटल पेमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करना और ज्यादा छोटे व्यवसायों को यूपीआई अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है।

### फ्रिज में विस्फोट, एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत, दो बुरी तरह झुलसे

एजेंसी ■ कर्नाटक

कर्नाटक के बेलगावी में एक घर में फ्रिज में विस्फोट होने के बाद एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई और दो गंभीर रूप से झुलस गए। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि यह हादसा सोमवार देर रात मार्केट थाना क्षेत्र के चावट गल्ली में हुआ।

पुलिस के अनुसार, भारती धमोने (50), शारदा धमोने (45), गंगा धमोने (25) और प्रिया धमोने (24) की मौके पर ही मौत हो गई। गजानन धमोने (65) और रोशन धमोने (21) गंभीर रूप से झुलस गए। घायलों को अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। शारदा, गजानन की पत्नी थीं और भारती धमोने उनकी बहन थीं। प्रिया और गंगा, गजानन और शारदा की बेटियां थीं और रोशन उनका बेटा है।

**घर के अंदर फंस गए लोग**

पुलिस के मुताबिक, शुरुआती जानकारी में पता चला है कि घर के अंदर फ्रिज में धमाका होने के बाद आग लग गई। देखते ही देखते आग की लपटें पूरे घर में फैल गईं, जिससे घर में मौजूद लोग अंदर ही फंस गए। बेलगावी पुलिस के मुताबिक, धमोने परिवार गणेश चतुर्थी मनाने की तैयारी कर रहा था और उन्होंने अपने घर में पूजा के लिए गणेश जी की मूर्ति रखी थी। रात के खाने के बाद परिवार के सभी लोग सो गए और फ्रिज उनके पास में रखा था।

**रात को आई तेज धमाके की आवाज**

घर के आसपास रहने वाले लोगों ने रात करीब 2:15 बजे तेज धमाके की आवाज सुनी और जब वे परिवार की मदद के लिए दौड़े तो वहां आग लगी हुई थी।

# पंजाब से सीखकर अपने राज्यों में भी नशा खत्म करे भाजपा: अरविंद केजरीवाल

विश्व केसरी■

**नई दिल्ली।** आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने देश में नशे के बढ़ते कारोबार को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा है। उन्होंने भाजपा से पंजाब सरकार से सीख लेकर अपने शासित राज्यों में भी नशे के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने की अपील की।

अरविंद केजरीवाल ने दावा किया कि पंजाब में अब पाकिस्तान की बजाय भाजपा शासित राज्यों से बड़ी मात्रा में नशे की सप्लाई पहुंच रही है। केजरीवाल के मुताबिक, वर्ष 2022 में जब पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार बनी थी, उस समय करीब 80 फीसदी ड्रग्स पाकिस्तान से आने का दावा किया जाता था। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार ने एंटी-ड्रोन सिस्टम समेत कई कदम उठाकर सीमा पार से आने वाली ड्रग्स की सप्लाई पर काफी हद तक नियंत्रण किया है।

उनके अनुसार, अब पाकिस्तान से आने वाली ड्रग्स का हिस्सा घटकर करीब 20 फीसदी रह गया है, जबकि लगभग 80 फीसदी नशा गुजरात, राजस्थान, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और दिल्ली जैसे भाजपा शासित या भाजपा के प्रभाव वाले राज्यों से पंजाब

पहुंच रहा है। केजरीवाल ने विशेष रूप से गुजरात के मुंद्रा पोर्ट का जिक्र करते हुए केंद्र सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि भारत में आने वाले नशे को रोकने की जिम्मेदारी केंद्र सरकार की है।

उनका आरोप है कि गुजरात के मुंद्रा पोर्ट के रास्ते देश में नशे की खेप पहुंच रही है और इसे रोकने में केंद्र सरकार नाकाम रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि केंद्र सरकार नशे की तस्करी रोकने में सक्षम है तो इस दिशा में प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं हो रही है। आप संयोजक ने कहा कि गुजरात में भाजपा करीब 30 वर्षों से सत्ता में है, इसके बावजूद वहां नशे के कारोबार पर पूरी तरह रोक नहीं लग पाई है। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि या तो सरकार नशे के कारोबार को रोकने में नाकाम है या फिर उसे रोकना नहीं चाहती। उन्होंने भाजपा से पंजाब में नशे के खिलाफ यात्रा निकालने के बजाय अपने राज्यों में कार्रवाई करने की नसीहत दी।

केजरीवाल ने कहा कि पंजाब सरकार ने नशे के खिलाफ जो कदम उठाए हैं, उनसे भाजपा को सीख लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हर मुद्दे को राजनीतिक रंग देने के बजाय देश में नशे की समस्या को खत्म करने के लिए सभी सरकारों को मिलकर काम करना चाहिए। उनका कहना था कि यदि पंजाब में नशे की सप्लाई को नियंत्रित किया जा सकता है तो भाजपा शासित राज्यों में भी इस दिशा में ठोस कदम उठाए जाने चाहिए।

वहीं, आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भाजपा पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पंजाब में 80 फीसदी ड्रग्स भाजपा शासित राज्यों से आने का दावा किया जा रहा है। उन्होंने सवाल किया कि यदि इन राज्यों से नशे की सप्लाई पंजाब पहुंच रही है तो इसे रोका क्यों नहीं जा रहा है। ढांडा ने आगे सवाल उठाया कि क्या भाजपा ड्रग्स तस्करों के साथ मिलकर देशभर में नशे को बढ़ावा देना चाहती है।

# केरलम में बिजली कटौती पर घमासान सतीशन सरकार विपक्ष के निशाने पर

विश्व केसरी■

**तिरुवनंतपुरम।** केरल में बिजली का संकट वीडी सतीशन सरकार के लिए पहली बड़ी राजनीतिक और प्रशासनिक चुनौती बन गया है। लगातार हो रही बिजली कटौती को लेकर वामपंथी विपक्ष ने सरकार पर हमला तेज कर दिया है और मौजूदा स्थिति की तुलना पिछले एक दशक से कर रहा है, जब केरल में निर्धारित बिजली कटौती से आमतौर पर लोगों को जूझना नहीं पड़ता था।

बिजली मंत्री सनी जोसेफ ने मंगलवार को माना कि एनटीपीसी से करीब 30 रुपए प्रति यूनिट की दर से बिजली खरीदने पर अभी तक कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। इससे हालात को लेकर अनिश्चितता और बढ़ गई है।

मंत्री ने कहा कि इतनी महंगी बिजली खरीदने से राज्य पर भारी आर्थिक बोझ पड़ेगा और इसके लिए कैबिनेट की मंजूरी लेनी होगी। उन्होंने यह भी नहीं बताया कि मौजूदा बिजली कटौती कब तक चलेगी। उन्होंने सिर्फ इतना कहा कि सरकार संकट को जल्द से जल्द सुलझाने के लिए हरसंभव कोशिश कर रही है। सीपीआई(एम) के नेतृत्व वाला वाम मोर्चा इस कमी को नई सरकार की नाकामी के तौर पर पेश कर रहा है। उनका कहना है कि पिनाराई विजयन सरकार के 10 साल के कार्यकाल में रोजाना होने वाली बिजली कटौती लगभग गायब हो गई थी। मौजूदा सरकार के लिए सबसे बड़ी राजनीतिक चुनौती यह है कि अब बिजली की उपलब्धता के आंकड़ों से ज्यादा आम लोग सीधे तौर पर इस कमी का असर झेल रहे हैं। बिजली क्षेत्र के जानकारों का मानना है कि इस संकट को सिर्फ कम समय में बिजली खरीदने में नाकामी के तौर पर नहीं देखना चाहिए। इंजीनियरिंग फिजिसिस्ट और बिजली क्षेत्र के विशेषज्ञ केएस मनोज ने कहा कि इस कमी ने केरल की बिजली व्यवस्था की गहरी कमजोरी को सामने ला दिया है। इसमें बाहरी बिजली पर निर्भरता, खरीद की लागत में उतार-चढ़ाव और मजबूत लंबी अवधि की योजना का न होना शामिल है।

केएस मनोज ने कहा, 'फिलहाल सवाल सिस्टम को चालू रखने की लागत का है। अगर 300 मेगावाट बिजली लगातार 30 रुपए प्रति यूनिट की दर से खरीदी जाती है तो सिर्फ बिजली का बिल ही एक दिन में करीब 2.16 करोड़ रुपए और 30 दिनों में लगभग 65 करोड़ रुपए बैठेगा।

## संक्षिप्त खबरें

### तेलंगाना: केसीआर फार्महाउस के पास सड़कों के 'शुद्धिकरण' मामले में 7 गिरफ्तार

विश्व केसरी■

**हैदराबाद।** तेलंगाना पुलिस ने सिद्धिपेट जिले के एर्रावल्ली में बीआरएस प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के फार्महाउस के पास सड़कों के 'शुद्धिकरण' मामले में सात लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि कथित शुद्धिकरण कार्यक्रम के आयोजन के पीछे क्या उद्देश्य था और इसमें किन-किन लोगों की भूमिका रही। पूर्व सरपंच और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के छह नेताओं को सोमवार को पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा स्थित एक लॉज से पकड़ा गया। आरोपियों को गजवेल लाकर मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया, जहां से उन्हें 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इसके बाद उन्हें सिद्धिपेट जेल स्थानांतरित कर दिया गया। आरोप है कि इन लोगों ने 9 सितंबर को हल्दी मिले पानी का उपयोग कर सड़कों का 'शुद्धिकरण' किया था। यह 'शुद्धिकरण' उस घटना के एक दिन बाद किया गया, जब कांग्रेस कार्यकर्ताओं और दलित संगठनों ने इलाके में 'चावु-डप्पु' (अंत्येष्टि के दौरान बजाए जाने वाले ढोल) के साथ विरोध प्रदर्शन किया था।

### दिल्ली सरकार के 10 हजार विद्यार्थियों के लिए हॉस्टल निर्माण का फैसला स्वागतयोग्य: अभाविप

विश्व केसरी■

**नई दिल्ली।** अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) दिल्ली सरकार द्वारा 10 हजार विद्यार्थियों की क्षमता वाले हॉस्टल के निर्माण के निर्णय का स्वागत करती है। दिल्ली देशभर के विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा का प्रमुख केंद्र है, ऐसे में विद्यार्थियों को सुरक्षित, सुलभ और किफायती आवास उपलब्ध कराना लंबे समय से एक महत्वपूर्ण आवश्यकता रही है। अभाविप लगातार दिल्ली में पीजी एवं छात्रावासों की संख्या बढ़ाने तथा विद्यार्थियों को बेहतर आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग उठाती रही है। सत्य निकेतन की घटना के बाद दिल्ली में विद्यार्थियों के आवास की सुरक्षा व्यवस्था और निर्धारित सुरक्षा मानकों के प्रभावी अनुपालन को लेकर गंभीर चिंताएं सामने आई थीं। ऐसे में नए हॉस्टल के निर्माण के साथ अग्नि सुरक्षा, आपातकालीन निकासी, पर्याप्त वेंटिलेशन, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था और विद्यार्थियों की सुरक्षा से जुड़े सभी आवश्यक मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है।

# काकोपाथर में उल्फा (आई) के संदिग्ध ओवर ग्राउंड वर्कर और हथियार तस्कर गिरफ्तार

विश्व केसरी■

**तिनसुकिया।** 20 असम राइफल्स, 7 फील्ड रेजिमेंट और असम पुलिस की संयुक्त टीम ने 15 सितंबर की सुबह तिनसुकिया के काकोपाथर में उल्फा(आई) के एक संदिग्ध ओवर ग्राउंड वर्कर और कथित हथियार तस्कर को गिरफ्तार किया।

खुफिया सूचना के आधार पर, सुरक्षा बलों ने कथा बस्ती में तलाशी अभियान चलाया और नागालैंड के मोन जिले के निवासी 52 वर्षीय मोहम्मद सलाउद्दीन को गिरफ्तार किया।

उसके पास से 7.65 मिमी की पिस्तौल, एक मैगजीन, चार जिंदा कारतूस, एक खंजर, दो मोबाइल फोन और नकदी बरामद की गई। प्रारंभिक पूछताछ के अनुसार, वह जबरन वसूली और अवैध हथियार तस्करी में शामिल था। आरोपी और बरामद सामान को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए काकोपाथर पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया है। जांच जारी है। इससे पहले 8 अगस्त को प्रतिबंधित यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (इंडिपेंडेंट) के चार कट्टर कैडरों ने अरुणाचल प्रदेश के लोंगडिंग जिले में असम राइफल्स के सामने सरेंडर कर दिया और अपने हथियार व गोला-बारूद जमा कर दिए। रक्षा विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया कि लोंगडिंग जिले में चुपखाओ ट्रैक पर खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए एक सुनियोजित ऑपरेशन के दौरान उल्फा-इ के चार कैडरों ने सरेंडर किया।

यह ऑपरेशन सुरक्षा बलों द्वारा लगातार खुफिया जानकारी जुटाने, निरंतर निगरानी रखने, सटीक ऑपरेशनल प्लानिंग और लगातार सक्रिय रहने के बाद चलाया गया।

# सपा सांसदों ने महंगाई पर कसा तंज कहा- 'जनता परेशान, नहीं मिल रहे रोजमर्रा के सामान'

विश्व केसरी■

**अयोध्या।** समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद अवधेश प्रसाद ने देश की अर्थव्यवस्था और बढ़ती महंगाई को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि देश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से तहस-नहस हो गई है और महंगाई पर सरकार का नियंत्रण नहीं रह गया है।

सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि महंगाई लगातार बढ़ रही है, जिसके कारण आम लोगों को रोजमर्रा की जरूरतों का सामान जुटाने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। सपा सांसद ने कहा कि आम आदमी के लिए खाने-पीने की बुनियादी चीजें खरीदना भी चुनौती बनता जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार महंगाई को नियंत्रित करने में पूरी तरह विफल रही है। उनके मुताबिक, बढ़ती कीमतों का सीधा असर आम लोगों के सामान्य जीवन पर पड़ रहा है और परिवारों के लिए रोजमर्रा के खर्चों को संभालना मुश्किल होता जा रहा है।

वहीं, पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के लोहिया ट्रस्ट का चेयरमैन बनने को लेकर पूछे गए सवाल पर अवधेश प्रसाद ने इसे पार्टी अध्यक्ष का निर्णय बताया। उन्होंने कहा कि पार्टी अध्यक्ष का फैसला सर्वोपरि है और इस मामले में किसी तरह का विवाद नहीं है। उनके इस बयान को पार्टी नेतृत्व के फैसले के समर्थन के तौर पर देखा जा रहा है। इस बीच, उत्तर प्रदेश में मदरसों को गिराए जाने के मुद्दे पर समाजवादी पार्टी के सांसद सनातन पांडे ने भी सरकार पर सवाल उठाए हैं।

# मनोज झा ने यूसीसी को बताया 'डॉग व्हिसल पॉलिटिक्स', सरकार पर साधा निशाना

विश्व केसरी■

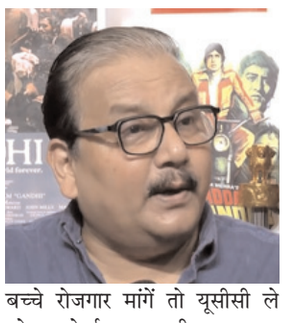

**नई दिल्ली।** राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सांसद मनोज झा ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि यूसीसी उनके लिए संविधान के अनुच्छेद 44 के तहत कोई संवैधानिक प्रावधान नहीं, बल्कि राजनीति का हिस्सा बन गया है।

मनोज झा ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, 'मैं लगातार इस पर लिख और बोल रहा हूं, लेकिन मुझे पता है कि यूसीसी इनके लिए कॉन्स्टिट्यूशनल प्रोविजन अंडर आर्टिकल 44 नहीं हुई है, बल्कि डॉग व्हिसल पॉलिटिक्स का हिस्सा है। बच्चे रोजगार मांगें तो यूसीसी ले लो, बच्चे ईमानदार परीक्षा व्यवस्था मांगें तो गृहमंत्री कहें कि यूसीसी ले लो। दरअसल डॉग व्हिसल पॉलिटिक्स वह राजनीतिक भाषा है, जिसमें छिपे हुए संकेतों के जरिए किसी खास समूह तक संदेश पहुंचाया जाता है, जबकि सतही तौर पर वह संदेश सामान्य और स्वीकार्य दिखाई देता है। राजद के सांसद ने गृह मंत्री को आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के एक बयान की याद दिलाई। मनोज झा ने कहा, 'मैं याद कराना चाहूंगा गृहमंत्री को, शायद आर्काइव में चला गया होगा। अभी मोहन भागवत ने विदेश में कहा था कि यूनिटी के लिए यूनिफॉर्मिटी आवश्यक नहीं है। यह किसके लिए कहा था? विदेश की धरती पर बड़ा हृदय दिखाने के लिए या अपने लोगों को कंट्रोल नहीं कर पा रहे हैं। मेरी चिंता वहां है और कहीं नहीं।'

एलएसी पर चीन द्वारा सैनिकों की संख्या कम करने की खबरों पर पूछे गए सवाल पर मनोज झा ने कहा कि उन्होंने ऐसी कोई रिपोर्ट नहीं देखी है।

# सिक्किम के ग्यालशिंग में भारी बारिश के कारण भूस्खलन, 128 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाना पड़ा

विश्व केसरी■

**गंगटोक।** सिक्किम के ग्यालशिंग जिले के सिंगलिटम और रिम्बी में भारी बारिश के कारण जमीन खिसकने (लैंडस्लाइड) की घटनाएं बढ़ गई हैं। एहतियात के तौर पर, अधिकारियों को रिम्बी में जोखिम वाली जगहों से 28 घरों में रह रहे 128 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाना पड़ा है।

सिक्किम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने बताया कि 12 सितंबर से भूस्खलन की घटनाएं हो रही हैं, जिनसे रिहायशी इलाकों और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे पर असर पड़ा है। ज़िला प्रशासन और संबंधित विभाग चौबीसों घंटे निगरानी कर रहे हैं और साथ ही राहत, बहाली और सुरक्षा के काम भी कर रहे हैं।

सिंगलिटम में भूस्खलन से सीधे तौर पर प्रभावित सात परिवारों को सिंगलिटम वार्ड के राहत केंद्र में भेजा गया है। इस शेल्टर में अभी 33 से ज़्यादा लोग रह रहे हैं, जिनमें बच्चे और बुज़ुर्ग भी शामिल हैं। प्रशासन उन्हें खाना और दूसरी जरूरी चीजें मुहैया करा रहा है।

रिम्बी के चार घरों में रहने वाले 18 लोगों को पहले ही जोखिम वाली जगहों से हटाकर रिश्तेदारों के घरों में भेज दिया गया था। 14 सितंबर को भारी बारिश और बाढ़ के बाद, अधिकारियों ने लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाने का काम बढ़ाया और 28 घरों के 128 निवासियों को रिम्बी ग्राम पंचायत केंद्र में भेज दिया।

# कांग्रेस के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है तेलंगाना पुलिस : केटीआर

विश्व केसरी■

**हैदराबाद।** भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव (केटीआर) ने मंगलवार को आरोप लगाया कि तेलंगाना में पुलिस विभाग कांग्रेस पार्टी के लिए पार्टी के कार्यकर्ताओं से भी ज्यादा सक्रियता से काम कर रहा है।

उन्होंने सोमवार को हैदराबाद में पुलिस स्टेशन के अंदर बीआरएस के जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) महेश मुदिराज और निजी सहायक (पीए) महेंद्र रेड्डी पर हुए हमले की निंदा की।

दिल्ली में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी हताशा में आकर ऐसे हमले करवा रही है। उन्होंने कहा, 'सरकार हताशा और निराशा की स्थिति में है। इसलिए वह हर दिन लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है। पिछले 1,000 दिनों से हम जो सवाल उठा रहे हैं, उनका जवाब देने में नाकाम रहने के कारण सरकार ऐसे हमलों का सहारा ले रही है।

बीआरएस नेता ने कहा कि इससे पहले केसीआर के घर पर हमला किया गया था। वह एक वरिष्ठ नेता हैं, जिन्हें तेलंगाना की जनता ने दो बार मुख्यमंत्री चुना और जिन्होंने तेलंगाना राज्य के गठन के लिए लगातार संघर्ष किया।

उन्होंने कहा, 'एक ऐसे नेता के घर पर हमला किया गया जिन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना तेलंगाना के लिए लड़ाई लड़ी। जब हम हमले को रोकने के लिए वहां गए, तो हमें पुलिस स्टेशन के अंदर ही हिरासत में ले लिया गया और हम पर भी हमला करने की कोशिश की गई।

उन्होंने दावा किया कि सोमवार को सरकार ने फिर से पुलिस स्टेशन के अंदर ही लगभग 15 लोगों का इस्तेमाल करके उनके पीआरओ और पीए पर हमला करने की कोशिश की। उन्होंने कहा, 'पुलिस स्टेशन के अंदर हमला करने की कोशिश करने वाले लोग कौन थे- गुंडे या पुलिस? यह पता लगाया जाना चाहिए कि सादे कपड़ों में आकर उन पर हमला करने वाले लोग कौन थे।

# वायुसेना अधिकारियों का सेमिनार जवानों व परिवारों के कल्याण पर फोकस

विश्व केसरी■

**नई दिल्ली।** पश्चिमी वायु कमान ने अपने वायुसेना स्टेशनों पर कामकाज के माहौल को और बेहतर बनाने की दिशा में एक अहम पहल की है। इसके तहत 14 सितंबर को मुख्यालय पश्चिमी वायु कमान में स्टेशन मास्टर वारंट अधिकारियों यानी एमडब्ल्यूओ का सेमिनार आयोजित किया गया। सेमिनार में अलग-अलग स्टेशनों के अनुभवों को साझा करने और बेहतर कार्यप्रणालियों से सीखने के लिए साझा मंच उपलब्ध कराया गया।

अधिकारियों ने अपने अनुभव और विचार सामने रखे। साथ ही, मौजूदा कामकाज में सुधार की संभावनाओं पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। चर्चा का खास जोर वायु योद्धाओं और उनके परिवारों के कल्याण से जुड़े मुद्दों पर रहा। बेहतर कार्य वातावरण तैयार करने, सामने आने वाली सामान्य चुनौतियों का समाधान तलाशने और कल्याणकारी पहलों को मजबूत करने के उपायों पर मंथन किया गया। इसके पीछे उद्देश्य ऐसा सकारात्मक माहौल तैयार करना है, जिससे वायुसेना स्टेशनों पर काम करने वाले कर्मियों को बेहतर वातावरण मिल सके। इसकी कार्यक्रम की अध्यक्षता पश्चिमी वायु कमान के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ एयर मार्शल जॉर्ज थॉमस ने की। पश्चिमी वायु कमान के अलग-अलग क्षेत्रों में तैनात स्टेशन एमडब्ल्यूओ ने इसमें हिस्सा लिया। सेमिनार में वायुसेना स्टेशनों से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई।

इस दौरान उन क्षेत्रों पर भी चर्चा की गई, जहां आगे सुधार की जरूरत है। कामकाज के माहौल को बेहतर बनाने, रोजमर्रा की चुनौतियों को दूर करने और कर्मचारियों के लिए कल्याणकारी पहलों को मजबूत करने पर विचार किया गया।

रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार प्रभावी संवाद, बेहतर पेशेवर रवैये और कल्याण-केंद्रित कार्य संस्कृति को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने वायुसेना स्टेशनों पर सकारात्मक और अनुकूल वातावरण बनाने की जरूरत एक महत्वपूर्ण पहल बताया। वहीं, सेमिनार के माध्यम से वायु कमान ने कर्मियों के कल्याण, लगातार सुधार और पेशेवर उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई गई।

बता दें कि भारतीय वायुसेना ने एक अन्य पहल के तहत ड्रोन व मानवरहित हवाई प्रणालियों की नई क्षमताओं को परखने के लिए ड्रोनाथॉन-2026 की शुरुआत की है।

# राष्ट्रपति ली ने की तुर्कमेनिस्तान की सराहना, ईरान संकट के समय नागरिकों की सुरक्षित निकासी के लिए जताया आभार

विश्व केसरी■

**सोल।** दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्युंग ने मंगलवार को तुर्कमेनिस्तान के राष्ट्रपति सरदार बर्दिमुहामेदोव का आभार व्यक्त किया। उन्होंने ईरान से दक्षिण कोरियाई नागरिकों को सुरक्षित निकालने में तुर्कमेनिस्तान की मदद की सराहना की। यह निकासी इस साल अमेरिका-ईरान युद्ध शुरू होने के बाद की गई थी।

ली जे-म्युंग ने यह धन्यवाद सोल स्थित चेओंग वा डे (राष्ट्रपति भवन) में हुई एक शिखर बैठक के दौरान दिया। यह बैठक बुधवार को होने वाले पहले दक्षिण कोरिया-मध्य एशिया शिखर सम्मेलन के अवसर पर आयोजित की गई थी।

योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति ली ने कहा, 'मैं आपका दिल से धन्यवाद करता हूं कि आपने पिछले साल और इस साल मध्य पूर्व में पैदा हुई आपात स्थितियों के दौरान ईरान में रह रहे हमारे नागरिकों और उनके परिवारों को तुर्कमेनिस्तान के रास्ते सुरक्षित निकलने की अनुमति दी। रिपोर्ट के अनुसार, फरवरी के अंत में अमेरिका और इजरायल की ओर से तेहरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई शुरू किए जाने के बाद मार्च में ईरान में रह रहे 30 से अधिक दक्षिण कोरियाई नागरिकों को जमीनी रास्ते से तुर्कमेनिस्तान पहुंचाकर सुरक्षित निकाला गया था।

ली ने कहा, 'मुश्किल समय में आपने जो मदद का हाथ बढ़ाया, उसने दोनों देशों के बीच गहरे भरोसे और दोस्ती को साफ तौर पर दिखाया। राष्ट्रपति ली ने कहा कि 2008 में दोनों देशों के बीच पारस्परिक लाभ वाली साझेदारी शुरू होने के बाद से कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग की मजबूत नींव तैयार हुई है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में दोनों देशों के बीच और ठोस नतीजे देखने को मिलेंगे। उन्होंने तुर्कमेनिस्तान के विशाल प्राकृतिक संसाधनों और कैस्पियन सागर तथा मध्य एशिया से जुड़े उसके महत्वपूर्ण भौगोलिक स्थान का भी उल्लेख किया। जवाब में राष्ट्रपति बर्दिमुहामेदोव ने कहा कि तुर्कमेनिस्तान अंतरराष्ट्रीय मंचों पर दक्षिण कोरिया की ओर से उसकी विभिन्न पहलों को दिए जा रहे समर्थन को बहुत महत्व देता है। उन्होंने कहा कि तुर्कमेनिस्तान प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर दक्षिण कोरिया के रुख का समर्थन करता है। इसमें राष्ट्रपति ली की उत्तर कोरिया संबंधी पहल ईएनडी (एक्सचेंज, नॉर्मलाइजेशन और डीन्यूक्लियराइजेशन) भी शामिल है।

बर्दिमुहामेदोव ने कहा, 'हम हमेशा इस बात का समर्थन करते रहे हैं कि कोरियाई प्रायद्वीप से जुड़े सभी मुद्दों का समाधान शांतिपूर्ण बातचीत और कूटनीतिक तरीकों से होना चाहिए, और हम आगे भी इसी रुख पर कायम रहेंगे। बैठक के बाद दोनों देशों ने 13 द्विपक्षीय समझौतों और समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए।

# केस में कमी के बावजूद डीआरसी में इबोला के 7,200 से ज्यादा मामले सामने आए

विश्व केसरी■

**किंशासा।** डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) में मंगलवार को इबोला को लेकर सरकारी आंकड़े जारी किए गए। इसके अनुसार इबोला के 7,200 से ज्यादा कन्फर्म मामले दर्ज किए गए हैं। हालांकि महामारी के मामलों में कुल मिलाकर कमी आ रही है, फिर भी कई प्रांतों में इसका संक्रमण लगातार फैल रहा है।

रविवार तक की सरकारी रिपोर्ट में कहा गया है कि सात प्रांतों में 7,258 कन्फर्म मामले दर्ज किए गए, जिनमें 3,510 मौतें और 1,726 लोग ठीक हुए। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, कुल 905 मरीज आइसोलेशन में थे या अस्पताल में भर्ती थे, जबकि कुल मृत्यु दर 48.4 प्रतिशत थी।

सोमवार को किंशासा में एक रणनीतिक समन्वय बैठक के बाद नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ के प्रमुख डियूडोन म्वाम्बा कजादी ने कहा कि महामारी का ग्राफ नीचे की ओर जा रहा है। अगस्त के मध्य में यह अपने चरम (पीक) पर पहुंच गया था। उन्होंने चेतावनी दी कि देशभर में यह गिरावट एक जैसी नहीं है। कुछ प्रांतों, खासकर नॉर्थ किवु मेंअभी भी मामलों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। सरकार ने शुक्रवार को कहा कि इबोला प्रकोप अब 'नियंत्रण में' है और इसका सबसे गंभीर चरण (पीक) गुजर चुका है। स्थानीय स्तर पर संक्रमण के नए मामले, बीमारी का लगातार फैलना और सातवें प्रांत तक इसका विस्तार होना अब भी चिंता का विषय बना हुआ है। सरकार के प्रवक्ता पैट्रिक मुयाया ने शुक्रवार को मंत्रिमंडल की बैठक की रिपोर्ट पढ़ते हुए कहा, '17वां इबोला प्रकोप अब नियंत्रण में है और इसका चरम अगस्त 2026 के तीसरे सप्ताह की शुरुआत में पहुंच गया था।

# चीन में विकास की गति तेज

विश्व केसरी■

**बीजिंग।** इस साल से चीन ग्रामीण निर्माण को मजबूती से आगे बढ़ा रहा है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में उत्पादन और रहने की स्थिति बेहतर होती रही है। ताजा आंकड़ों के अनुसार अगस्त महीने तक 3.3 लाख से ज्यादा नई परियोजनाएं ग्रामाण निर्माण परियोजना डेटाबेस में जोड़ी गई हैं।

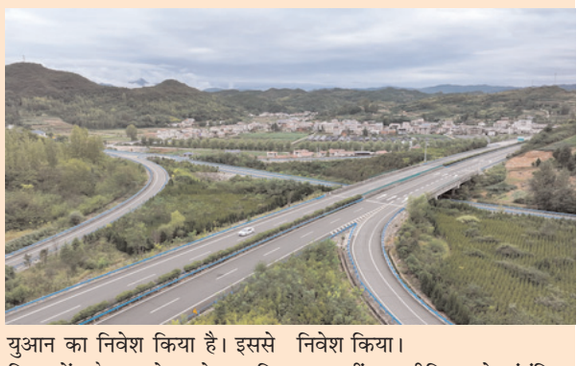

ग्रामीण सड़क ग्रामीण निर्माण का मुख्य भाग है। अब तक ग्रामीण सड़कों की कुल लंबाई 47 लाख किमी. तक पहुंच चुकी है। हपेई प्रांत की चानह्वांग काउंटी के सोंगह्वी गांव में नई सड़क का निर्माण तेजी से हो रहा है। नई सड़क पर यातायात शुरू होने के बाद यातायात में रुकावट पूरी तरह खत्म की जाएगी।

इस साल स्थानीय सरकार ने 2.87 लाख वर्ग मीटर सड़कों को सख्त बनाने और स्ट्रीट लाइट लगाने के लिए 4 करोड़ से ज्यादा युआन का निवेश किया है। इससे किसानों के आने-जाने, कृषि उत्पादों के परिवहन और पर्यटन उद्योग के विकास में सुधार आएगा।

इस साल विभिन्न क्षेत्रों की स्थानीय सरकारों ने विशेष ग्रामीण उद्योगों पर ध्यान देते हुए उत्पादन से जुड़े बुनियादी संस्थापनों की कमियों को ठीक से दूर किया। पशुपालन आनह्वी प्रांत की थाईहू काउंटी में खास उद्योग है। इस साल स्थानीय सरकार ने ग्रामीण निर्माण के लिए करीब 3 करोड़ युआन का निवेश किया।

वहीं, आजीविका से संबंधित बुनियादी ढांचा इस साल ग्रामाण निर्माण बढ़ाने की प्राथमिकता भी है। शानतोंग प्रांत की यीश्वी काउंटी ने ग्रामीण इलाकों में बुजुर्गों की देखभाल की सेवा में मौजूद कमियों को दूर करने में प्रयास किया। श्यारूलिन गांव में एक कैफेटेरिया दो महीने में पूरी तरह बनकर तैयार हो जाएगा। इसका प्रयोग होने के बाद 60 से ज्यादा लोग एक साथ खाना खा सकते हैं। इससे बुजुर्गों को सुविधा मिलेगी।

# आईएमईसी में अहम भूमिका चाहता है साइप्रस भारत से बढ़ेगा सीधा जुड़ाव : इवागोरस व्रियोनाइड्स

विश्व केसरी■

**नई दिल्ली।** भारत में साइप्रस के उच्चायुक्त इवागोरस व्रियोनाइड्स ने एक विशेष बातचीत में साइप्रस मुद्दे पर 52 साल से जारी कब्जे के अपने निजी अनुभव, तुर्किए के साथ संवाद की संभावना, भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) में साइप्रस की अहम भूमिका, ब्रिक्स की प्रासंगिकता और गाजा के लिए मानवीय सहायता में साइप्रस की भूमिका समेत कई अहम मुद्दों पर अपनी बात रखी।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन पर भारत में साइप्रस के उच्चायुक्त इवागोरस व्रियोनाइड्स ने कहा, 'एक अवधारणा के रूप में ब्रिक्स किसी भी एकाधिकार, चाहे वह वित्तीय हो या राजनीतिक, को संतुलित करने के लिए एक बहुत ही अभिनव और दिलचस्प विचार है। यह एक सफल शिखर सम्मेलन था। जब भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) में साइप्रस की भूमिका को लेकर उच्चायुक्त इवागोरस व्रियोनाइड्स ने कहा, 'प्रसिद्ध आईएमईसी, जैसा कि तीन साल पहले जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान घोषित किया गया था, अगर आप नक्शे को देखें, तो आपको एहसास होगा कि साइप्रस पश्चिम की ओर जाने वाला पहला यूरोपीय देश है। इसलिए, हम आईएमईसी से साइप्रस को बाहर नहीं कर सकते। हम पहले से ही यूरोपीय संघ के सदस्य के रूप में अपनी क्षमता के तहत आईएमईसी में शामिल हैं, लेकिन हम इससे अधिक सीधा जुड़ाव चाहते हैं, और हमने यह बात विदेश मंत्रालय में अपने समकक्षों के सामने रखी है।'

जब साइप्रस के मुद्दे पर यूएन की अगुवाई में समझौते की संभावनाओं के बारे में साइप्रस के मौजूदा आकलन के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यह 52वां साल है जब से हम साइप्रस में कब्जे में हैं।

जब यह सब हुआ तब मैं छोटा लड़का था। एक सुबह, मैं मशीन गन की आवाज से उठा। यह ग्रीस का सैन्य जुंटा था जो हमारी सरकार को गिराने की कोशिश कर रहा था। इसके कुछ दिनों बाद, मैं बमबारी की आवाजों से उठा। यह जुलाई 1974 में तुर्किए का कुख्यात हमला था।

ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे संघर्ष पर भारत में साइप्रस के उच्चायुक्त ने कहा कि यह एक और ऐसा युद्ध है जिसकी किसी को जरूरत नहीं थी और कोई नहीं चाहता था। दुनिया पहले ही हाल में कई युद्ध देख चुकी है। मैं यूक्रेन और गाजा में युद्ध की बात कर रहा हूं। मेरा विचार और मेरी इच्छा है कि युद्ध कम हों और एक दिन हम एक ऐसे ग्रह पर हों जो युद्धों से मुक्त हो।

भारत के साथ संबंधों में साइप्रस की प्रमुख प्राथमिकताओं पर व्रियोनाइड्स ने कहा, 'मुख्य प्राथमिकताएं दशकों से हमारे बीच रहे बहुत मजबूत राजनीतिक संबंधों के अलावा, पर्यटन और शिक्षा के क्षेत्र हैं।

# मराठा आरक्षण पर सियासत तेज, डिप्टी सीएम शिंदे ने जरांगे से मुंबई मार्च टालने की अपील की

विश्व केसरी■

**मुंबई।** महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मंगलवार को मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे पाटिल से राज्य की राजधानी मुंबई में प्रस्तावित मार्च पर पुनर्विचार करने का कड़ा सार्वजनिक आग्रह किया।

यह अपील मुंबई पुलिस द्वारा गणेशोत्सव के दौरान कानून-व्यवस्था संबंधी चिंताओं का हवाला देते हुए आजाद मैदान में प्रदर्शन की अनुमति न देने के बाद आई है।

मराठा समुदाय की मांगों के प्रति राज्य प्रशासन के 'सकारात्मक रुख' को दोहराते हुए शिंदे ने जोर दिया कि सरकार शांतिपूर्ण विरोध के अधिकार का सम्मान करती है, लेकिन सार्वजनिक व्यवस्था सुनिश्चित करना और लाखों गणेश भक्तों को असुविधा से बचाना सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुंबई के सबसे बड़े त्योहार के महत्व को रेखांकित करते हुए शिंदे ने प्रदर्शन आयोजकों से सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाने की सीधी अपील की। उन्होंने कहा कि गणेशोत्सव एक प्रमुख त्योहार है, जो भारत और विदेश से लाखों भक्तों को मुंबई आकर्षित करता है। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि गणेश भक्तों को कोई असुविधा न हो और कानून व्यवस्था बनी रहे। जिस प्रकार सरकार ने चार कदम आगे बढ़ाए हैं, उसी प्रकार मनोज जरांगे पाटिल को भी सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए और मुंबई में प्रवेश करने के अपने निर्णय पर पुनर्विचार करना चाहिए।

उपमुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि मराठा समुदाय ने पहले भी 58 विशाल, शांतिपूर्ण रैलियां आयोजित की हैं, जिन्होंने सार्वजनिक जीवन को बाधित किए बिना अनुकरणीय अनुशासन बनाए रखने के लिए विश्व स्तर पर सम्मान प्राप्त किया।

रचनात्मक प्रतिक्रिया और लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति का स्वागत करते हुए शिंदे ने राजनीतिक शोषण के प्रति आगाह किया।

# 'राज्यों में नहीं, संसद में आए कानून, एनडीए में भी मतभेद', यूसीसी पर उमर अब्दुल्ला ने उठाए सवाल

विश्व केसरी■

**श्रीनगर।** जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को भाजपा शासित राज्यों के 'यूनिफॉर्म सिविल कोड' (यूसीसी) लागू करने के फैसले पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि इस पर सबसे पहले राष्ट्रीय स्तर पर विचार किया जाना चाहिए।

पत्रकारों से बात करते हुए, अब्दुल्ला ने भाजपा शासित राज्यों द्वारा यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) को लागू करने की कोशिश की आलोचना की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय महत्व के मुद्दे पर कानून संसद में लाया जाना चाहिए, न कि अलग-अलग राज्यों द्वारा इसे अलग-अलग पेश किया जाना चाहिए। उन्होंने पूछा, 'अगर आपके पास बहुमत है, तो इसे संसद में लाएं। आप अलग-अलग राज्यों में ऐसा क्यों कर रहे हैं?'

उन्होंने तर्क दिया कि यूसीसी को 'यूनिवर्सल' नहीं कहा जा सकता, अगर यह केवल भाजपा शासित राज्यों में लागू होता है। पूरे देश में भाजपा का शासन नहीं है। कई ऐसे राज्य और केंद्र शासित प्रदेश हैं, जहां भाजपा की सरकार नहीं है। अब्दुल्ला ने भाजपा के नेतृत्व वाले नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) के भीतर मतभेदों की ओर भी इशारा किया और कहा कि इसके कुछ सहयोगी दल अपने राज्यों में यूसीसी लागू करने के पक्ष में नहीं हैं।

उन्होंने कहा, 'रिपोर्टों के अनुसार, जनता दल-यूनाइटेड ने साफ तौर पर कहा है कि इसे बिहार में लागू नहीं किया जाएगा। अगर उनके अपने सहयोगी ही इसके लिए तैयार नहीं हैं, तो वे कैसे कह सकते हैं कि इसे पूरे देश में लागू किया जाना चाहिए?' उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय महत्व के ऐसे कदम पर संसद को फैसला लेना चाहिए, जो पूरे देश का प्रतिनिधित्व करती है। इस तरह की चीज का फैसला अलग-अलग राज्यों द्वारा नहीं किया जाना चाहिए। इसका फैसला पूरे देश को करना होगा। पूरे देश का प्रतिनिधित्व राज्यों में नहीं, बल्कि संसद में होता है। कानून को संसद में आने दें।

उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि सरकार राज्यों के माध्यम से यूसीसी को आगे क्यों बढ़ा रही है, जबकि अन्य प्रमुख विधायी प्रस्तावों पर संसद के संदर्भ में चर्चा की गई है। अब तक, जब भी उन्होंने संसद में कानून की बात की है, चाहे वह 'एक देश, एक चुनाव' हो या आरक्षण, तो वे इसे संसद में नहीं लाए हैं।

# बिहार: शिवराज सिंह चौहान बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का करेंगे हवाई और जमीनी सर्वे

विश्व केसरी■

**पटना।** बिहार में बाढ़ से बने हालात के बीच केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान 16 सितंबर को बिहार के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई और जमीनी दोनों स्तर पर जायजा लेंगे।

सरकार की ओर से जारी कार्यक्रम के मुताबिक, शिवराज सिंह चौहान के साथ केंद्रीय कृषि और ग्रामीण विकास मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों की टीम भी मौजूद रहेगी। संकट की इस घड़ी में केंद्र सरकार ने साफ किया है कि वह बिहार के किसानों और आम लोगों के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है। तय कार्यक्रम के अनुसार, शिवराज सिंह चौहान भोपाल से पटना पहुंचेंगे। सुबह 10:30 बजे वे पटना स्टेट हैंगर से हेलीकॉप्टर द्वारा दिघवारा और मनेर के बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण करेंगे। इसके बाद सुबह 11 बजे हाजीपुर पुलिस लाइन हेलीपैड पहुंचेंगे, जहां से सड़क मार्ग द्वारा तेरसिया और सरायपुर गांवों का दौरा करेंगे। यहां वे खुद खेतों में उतरकर फसलों को हुए नुकसान का निरीक्षण करेंगे और किसानों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनेंगे।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लेने के बाद शिवराज सिंह गांधी सेतु होते हुए दोपहर 12:15 बजे 'संवाद', मुख्यमंत्री सचिवालय पटना पहुंचेंगे। यहां वे मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आपदा प्रबंधन, राहत और बचाव कार्यों को लेकर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक करेंगे। इसमें किसानों को दी जाने वाली सहायता पर भी चर्चा होगी। दोपहर डेढ़ बजे पटना से प्रस्थान कर शिवराज सिंह करीब सवा दो बजे मुंगेर के नवाबगढ़ी पहुंचेंगे, जहां वे राहत शिविर में बाढ़ पीड़ितों से व्यक्तिगत रूप से मिलेंगे और राहत कार्यों की गुणवत्ता परखेंगे।

इसके बाद वे सड़क मार्ग से भागलपुर होते हुए नवगछिया के कोजीकरैया बांध का निरीक्षण करेंगे। शाम को भागलपुर पॉलिटेक्निक कॉलेज स्थित राहत शिविर में जाकर प्रभावित परिवारों से मुलाकात करेंगे। रात्रि विश्राम वे भागलपुर राजकीय अतिथिशाला में करेंगे और 17 सितंबर की सुबह फिर से प्रभावित लोगों से मिलने के बाद पटना के लिए रवाना होंगे।

# अमृतसर में ड्रग्स और हथियार तस्करी के तीन बड़े नेटवर्क का भांडाफोड़, 8 गिरफ्तार

विश्व केसरी■

**अमृतसर।** पंजाब में ड्रग्स और हथियार तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने ड्रग्स और अवैध हथियारों की सप्लाई करने वाले 3 बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

इस कार्रवाई की जानकारी पंजाब के डीजीपी ने अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर पोस्ट कर दी है। डीजीपी ने पोस्ट में लिखा, 'एक बड़ी कामयाबी में, अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने ड्रग्स और अवैध हथियारों की सप्लाई करने वाले 3 बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से 9.549 किलोग्राम हेरोइन, 5.459 किलोग्राम अफीम और एक अवैध .30-बोर पिस्तौल बरामद की है।'

पुलिस के मुताबिक, बरामद की गई हेरोइन और अफीम की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करोड़ों रुपए आंकी जा रही है।

शुरुआती जांच में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। आरोपियों के तार सीमा पार बैठे तस्करों से जुड़े हुए थे। वे ड्रोन के जरिए पाकिस्तान से हेरोइन, अफीम और अवैध हथियारों की खेप मंगवाते थे और फिर पंजाब के अलग-अलग जिलों में सप्लाई करते थे।

डीजीपी ने पोस्ट में आगे लिखा, 'शुरुआती जांच से पता चला है कि आरोपी विदेशों में बैठे तस्करों से जुड़े थे और आगे बांटने के लिए ड्रोन के जरिए हेरोइन, अफीम और अवैध हथियारों की खेप मंगा रहे थे। पुलिस ने आरोपियों और सप्लाई नेटवर्क में शामिल उनके साथियों के बीच भी संबंध का पता लगाया है।

पुलिस ने इस मामले में अमृतसर के कैंटोनमेंट, ए-डिवीजन और छेरटा पुलिस थानों में अलग-अलग एफआईआर दर्ज की हैं। अधिकारियों का कहना है कि यह सिर्फ एक कड़ी है, पूरी सप्लाई चेन को ध्वस्त करने के लिए जांच जारी है। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपियों के बैंक अकाउंट, कॉल डिटेल और अन्य साथियों की पहचान कर रही है।

## संपादकीय

# किसान का बेटा

**अमर सिंह शौल**

बाल साहित्य का इतिहास मौखिक परम्परा से श्रीगणेश करके नैतिक शिक्षा, लोककथाओं, आधुनिक मनोरंजन के अनेक पड़ावों से गुजरा है ।

कथा सरित्सागर, पंचतंत्र, मध्यकालीन पहेलियाँ, ईसप की लघुकथाएं, अमीर खुसरो की पहेलियाँ, अंग्रेजी में जॉन न्यूबेरी का साहित्य, जर्मनी में ब्रदर ग्रिम, डेनमार्क में हैंस क्रिश्चियन एंडरसन की परी कहानियाँ आदि प्रमुख पड़ाव रहे हैं ।

समीक्षित बाल कहानी संग्रह' किसान का बेटा 'हिमाचल प्रदेश के मण्डी जनपद की बलद्वाड़ा तहसील मुख्यालय के समीपवर्ती समैला गाँव निवासी प्रसिद्ध पत्रकार - रचनाकार अमर सिंह शौल की दूसरी बाल मन को समर्पित नवीनतम पुस्तक है।

इनकी बाल कहानियाँ बच्चों कादेश, हंसती दुनिया,बाल भास्कर, , गिरिराज, किलकारी,बाल प्रहरी सहित पंजाब केसरी, नवोदय टाइम्स में भी प्रकाशित हो चुकी है । इससेपहले उनकी2007 में प्रकाशित बाल कहानी संग्रह' समय की कीमत' पाठकों द्वारा काफी सराही गयी है ।

संकलन की सारी कहानियाँ हमारे परिवेश से मेल खाती हैं ।बाल मन के रुचिकर विषयों पर

अति सहज कथोपथन के साथ सरल भाषा में उद्देश्यपरक रचना करना लेखक की विशेषता कही जा सकती है । सुधा बुक मार्ट, दिल्ली से प्रकाशित कुल48 पृष्ठों के संकलन में प्रकाशित सभी चौदह कहानियाँ शुरू से अंत तक पाठक की रोचकता बनाये रखती है ।

संकलन का शीर्षक नामकरण 'किसान का बेटा 'सर्वथा उचित प्रतीत होता है ।

इस कहानी में किसान हरिया का आलसी बेटा पालू, बढ़ई के कर्मठ बेटे राज के व्यंग्य बाणों से आहत होकर खेत के कार्य में रूचि लेता है । यही कुसंगति के चुंगल में फंस रहे बालमन को समुचित सीख है ।

दाने की कीमत कहानी स्वंय करके सीखना सिद्धांत पर ठीक उतरती है । कहानी में एक मक्की के दानेके बीजने से पांच सौ दाने वाले भुट्टे के बनने का रोचक उद्धाहरण दिया है ।

'बेल सूर गई 'कहानी में अम्मी की सीख को दरकिनार करने पर करेले की बेल को उखाड़कर दूसरी जगह लगाने पर सूख जाने का प्रत्यक्ष गहरी सीख रोचकता को बढ़ाती है ।

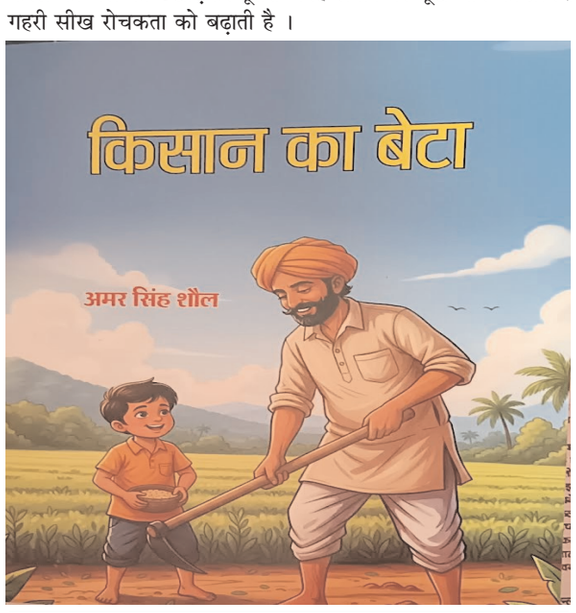


| | |
|---|---|
| पुस्तक: किसान का बेटा | मूल्य 195 रुपये |
| प्रकाशक: सुधा बुक मार्ट - दिल्ली | समीक्षक रविकुमार बिलासपुर हिमाचल प्रदेश |
| प्रकाशन वर्ष2026 | |
| पृष्ठ 48 | |

'कोयल और कौवा 'कहानी में मीठी वाणी का ही महत्व बताया गया है जिसके कारण एक जैसे रंग वाले दो पक्षियों में से कोयल को ही मान - सम्मान मिलता है ।

'आत्म विश्वास' कहानी में परीक्षा में दो बार असफल होते राजू को माँ द्वारा ऊँची दीवार पर चढ़ने को प्रयासरत नन्हीं चींटीं की सफलता से प्रेरणा लेने को कहा गया हैं।

'भगवान झूठे नहीं हैं' कहानी में परिश्रम को सफलता का एकमात्र माध्यम बताया गया हैं।

'ऐसे बांधी बिल्ली के गले में घंटी '

कहानी में चूहों द्वारा जासूसी द्वारा बिल्ली की दिनचर्या का लेखा - जोखा रखकर बूढ़े चूहे की मदद से योजनाबद्ध रणनीति बनाना बताया गया है । बिल्ली घर में रखें वर्तन से दूध पीती थी । चूहे द्वारा उस वर्तन में डाली नींद की गोली मिश्रित दूध पीकर बेहोश हुई बिल्ली के गले में घंटी बांधने का प्रयास सफल होना उन के समुदाप के लिए जीत से कम नही माना गया ।

इसके अलावा सोनू की सीख, मेहनत का फल, आज़ादी आदि कहानियाँ भी अच्छी बन पायी है ।

मुखपृष्ठ अंतिम पृष्ठ व सभी कहानियों के बीच चित्रांकन और अच्छेकागज पर प्रिंटिंग को देखते हुये इसका मूल्य मात्र एक सौ पचानवे रुपये सर्वथा उचित प्रतीत होता हैं ।

# आखिर कृत्रिम बुद्धिमत्ता को लेकर जारी अमेरिकी-चीनी रस्साकसी के बीच क्या करे भारत?

**कमलेश पांडे**

वैश्विक पटल पर अमेरिका और चीन की प्रतिस्पर्धा देखते ही बनती है। इस बार मुद्दा कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई बनी है, वो भी ब्रिक्स 2026 बैठक के तुरंत बाद जिसका अपना महत्व है। चूंकि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने ब्रिक्स देशों को एआई ओपन सोर्स उपलब्ध कराने की घोषणा की थी, इसलिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रतिक्रिया स्वरूप कहा कि एआई की दौड़ में अमेरिका चीन से आगे है? तो सवाल उठना लाज़मी है कि कितना आगे? और क्या चीन अगले कुछ वर्षों में इस दूरी को पाट सकता है?

सबसे बड़ा सवाल यह कि इस वैश्विक प्रतिद्वंद्विता में भारत को क्या करना चाहिए? इस सभी बिंदुओं को हम आगे एक एक करके स्पष्ट करेंगे। देखा जाए तो एआई सेक्टर में न केवल अमेरिका और चीन के बीच, बल्कि यूरोप और अन्य देशों के बीच प्रतिस्पर्धा तेज हो रही है। ऐसे में भारत के सामने चुनौती केवल एआई मॉडल बनाने की नहीं, बल्कि चिप, कंप्यूटिंग, डेटा, प्रतिभा, पूंजी और बाजार—पूरी एआई वैल्यू चैन में मजबूत होने की है।

जहां तक भारत की एआई आत्मनिर्भरता का सवाल है तो उसे विदेशी एआई यानी अमेरिका, चीन, यूरोप के एआई पटल को बंद करना नहीं चाहिए, बल्कि इन्हें इतना सक्षम बनना चाहिए कि भारत अपनी जरूरतों के लिए एआई बना सके और दुनिया को भी बेच सके। आपको पता होगा कि अमेरिका के नेतृत्व वाले एआई 'पैक्स सिलिका संगठन' में 34 देश शामिल हैं, जिसमें भारत भी एक है।

वहीं, चीनी नेतृत्व वाले 'वर्ल्ड एआई कोआपरेशन ऑर्गेनाइजेशन' में 29 देश शामिल हैं। फिर भी ब्रिक्स देशों को चीन ने जो आकर्षक ऑफर दिया है उससे निकट भविष्य में पूरा खेल बदल सकता है। ऐसा इसलिए कि अमेरिकी एआई कंपनियों ने एआई की प्रगति को 'स्लोडाउन' करने का आह्वान किया है। चूंकि अब अमेरिका के भीतर ही एआई की प्रगति को लेकर विरोधाभास सामने आ रहा है और ट्रंप प्रशासन की तरफ से अमेरिकी कंपनियों को एआई प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल में अमेरिकी हितों को प्राथमिकता की बात हो रही है, इसलिए पैक्स सिलिका संगठन के अन्य 33 देशों का दिग्भ्रमित होना स्वाभाविक है।

ऐसे में यदि चीन, भारत और यूरोप आपसी समझदारी विकसित करके अमेरिका को मात दे दें तो किसी के लिए भी हैरत की बात नहीं होगी। क्योंकि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने ब्रिक्स के मंच से कहा है कि चीन ब्रिक्स के लिए ओपन सोर्स एआई समुदाय बनाने में अग्रणी भूमिका निभाएगा, बड़े भाषा मॉडल के विकास व उपयोग में सहयोग देगा, विशेष प्रशिक्षण आयोजित करेगा, और खुला एआई पारिस्थितिकी तंत्र खड़ा करेगा।

खास बात यह कि यह प्रस्ताव उस पृष्ठभूमि में आया है जब चीनी कंपनियां ओपन सोर्स मॉडल पर जोर दे रही हैं, जबकि अमेरिकी दिग्गज कंपनियां अधिक बंद, फ्रंटियर मॉडल पर काम कर रहे हैं। चूंकि भारत इस प्रतिद्वंद्विता को पहचान रहा है, इसलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिक्स बैठक में चेतावनी देते हुए साफ कहा था कि तकनीक और क्रिटिकल मिनरल्स का हथियार बनाना साझा प्रगति में बाधा बन सकता है। इससे भारत की नीति स्पष्ट है।

देखा जाए तो दुनिया में एआई आधारित प्रौद्योगिकी को लेकर जो तगड़ी लामबंदी चल रही है, उसमें

अमेरिका ने बेहद उच्च गुणवत्ता वाले चिप्स, सेमीकंडक्टर उपकरण, क्लाउड एक्सेस और कुछ फ्रंटियर मॉडल पर निर्यात नियंत्रण लागू करते हुए इन्हें सिर्फ 'भरोसेमंद साझेदारों' के साथ साझा करने की व्यवस्था करने का ऐलान किया है। कहने का तात्पर्य यह कि शेष देशों में एआई के मामले में अमेरिका या चीन में से किसी एक को ही चुनने का दबाव बनाया है और दोनों को चुनने का रास्ता अमेरिका ने लगभग बंद कर दिया है।

चूंकि भारत भी पैक्स सिलिका का सदस्य है और ट्रंप ने खाड़ी देशों को भी चिप्स व निवेश के सौदे से जोड़ा है। उन्होंने अपने एआई स्टैक को निर्यात कूटनीति का हिस्सा बनाया है। इसलिए अमेरिका को रणनीतिक जवाब देते हुए चीन ने रेअर अर्थ मिनरल्स के निर्यात को नियंत्रित कर दुनिया को समझा दिया कि वह प्रौद्योगिकी की दुनिया में कितनी अफरातफरी मचा सकता है। आज चीनी गुट में रूस, दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील और पाकिस्तान समेत 29 देश शामिल हैं।

सरकारीएजेंसियां

आपको याद दिला दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि 'जो एआई जीतेगा, वही जीतेगा' इस क्षेत्र में जारी वैश्विक प्रतिद्वंद्विता को दर्शाता है। हालांकि, एआई अब एकतरफा अमेरिकी वर्चस्व की कहानी नहीं रही, बल्कि चीन जैसे दूसरे ध्रुव से मिल रही कड़ी तकनीकी प्रतिस्पर्धा की मिशाल बन चुकी है। यदि सितंबर 2026 की स्थिति को देखें, तो तकनीकी रूप से अमेरिका का पलड़ा अभी भी चीन से भारी है, लेकिन यह अंतर पहले की तुलना में काफी कम हुआ है और अगले कुछ वर्षों में चीन इस दूरी को पाटकर आगे भी निकल सकता है, बशर्ते कि भारत जैसे मजबूत पड़ोसी का साथ उसे मिल जाए।

तकनीकी अध्ययन भी जाहिर करते हैं कि एआई अब एकतरफा अमेरिकी वर्चस्व की कहानी नहीं, बल्कि दो ध्रुवों की कड़ी तकनीकी प्रतिस्पर्धा बन चुकी है। इसलिए आइए जानते हैं कि किस क्षेत्र में कौन (अमेरिका या चीन) आगे?

खासकर क्षेत्र, उसमें मिली बढ़त और अद्यतन स्थिति के नजरिए से:-

एक, फ्रंटियर एआई मॉडल में अमेरिका बढ़त में है। उसका मॉडल अभी समग्र प्रदर्शन में आगे है।

दो, एआई चिप्स/जीपीयू में अमेरिका को बढ़त है। Nvidia का बड़ा लाभ उसे मिला है।

तीन, एआई कंप्यूट/आंकड़ा केंद्र में अमेरिका को बढ़त है। विशाल पूंजी, जीपीयू और हाइपरस्केल इंफ्रास्ट्रक्चर में वह आगे है।

चार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता शोध पारिस्थितिकी तंत्र में अमेरिका को बढ़त है। वह विश्वविद्यालय, बड़ी तकनीक और उद्यम पूंजी का संयोजन करने में आगे बढ़ा है।

भौगोलिकसंदर्भ

पांच, वैश्विक कृत्रिम बुद्धिमत्ता पारिस्थितिकी तंत्र में अमेरिका को बढ़त प्राप्त है। उसे सहयोगी देशों, कंपनियों और क्लाउड पारिस्थितिकी तंत्र का लाभ मिला है।

छह, सेमीकंडक्टर विनिर्माण या अर्धचालक निर्माण में चीन को कुछ क्षेत्रों में बढ़त प्राप्त है। उसने बड़े पैमाने का विनिर्माण और आपूर्ति श्रृंखला मजबूत किया है।

सातवां, ओपन सोर्स/कम लागत वाले मॉडल में चीन मजबूत चुनौती बनकर उभरा है। उसके डीपसीक जैसे मॉडल ने लागत-प्रतिस्पर्धा बदली है।

आठवां, एआई मॉडल की स्थापना/औद्योगिक उपयोग में चीन की बड़ी ताकत है। उसके पास विशाल विनिर्माण क्षमता और घरेलू बाजार है।

यानी कि आठ क्षेत्रों में पांच में अमेरिका और तीन में चीन को बढ़त प्राप्त है। यदि आप ब्रुकिंग्स के अप्रैल 2026 के आकलन पर गौर करेंगे तो उसके अनुसार चीन के शीर्ष कृत्रिम बुद्धिमत्ता मॉडल अभी अमेरिकी फ्रंटियर मॉडल से कुछ महीने या अधिक पीछे हैं और अमेरिकी मॉडल तार्किक क्षमता, गणित, कुटलेखन तथा लंबे समय वाले स्वायत्त कार्य या दीर्घकालिक एजेंट-आधारित कार्य में समग्र बढ़त रखते हैं।

लेकिन चीन को भी कम आंकना बड़ी गलती होगी। चीन की सबसे बड़ी ताकत यह है कि वह एआई को पूरे औद्योगिक तंत्र से जोड़ रहा है—मोबाइल, ईवी, रोबोटिक्स, विनिर्माण, निगरानी या चौकसी, समान का प्रबंधन और सरकारी सेवाओं तक काफी मजबूत है। और चीन ने अमेरिकी प्रतिबंधों के बावजूद अपने एआई चिप पारिस्थितिकी तंत्र को तेजी से विकसित किया है।

# ब्रिक्स सम्मेलन संघर्षों के बीच संवाद की डिप्लोमेसी

**संजीव ठाकुर**

नई दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स के 18वें सम्मेलन में भारत की कूटनीति की एक बड़ी उपलब्धि यह रही कि उसने संघर्षों के बीच संवाद की संभावना को जीवित रखा। भारत ने ब्रिक्स को किसी देश के विरुद्ध मोर्चा बनाने के बजाय विकास, आर्थिक सहयोग, तकनीक, ऊर्जा, स्वास्थ्य, पर्यावरण और वैश्विक संस्थाओं में सुधार का मंच बनाए रखने पर जोर दिया। भारत के लिए यह भूमिका इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि वह एक ओर अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ क्वाड जैसे मंचों पर सहयोग करता है, दूसरी ओर रूस और चीन के साथ ब्रिक्स तथा अन्य बहुपक्षीय संस्थाओं में संवाद बनाए रखता है। यह संतुलन भारतीय विदेश नीति की परिपक्वता को दर्शाता है।

ब्रिक्स का आर्थिक पक्ष भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। यदि सदस्य देश आपसी व्यापार को अपनी-अपनी राष्ट्रीय मुद्राओं में बढ़ाते हैं, सीमा-पार डिजिटल भुगतान प्रणालियों को जोड़ते हैं और वित्तीय सहयोग के नए रास्ते विकसित करते हैं, तो भविष्य में डॉलर पर कुछ क्षेत्रों की निर्भरता कम हो सकती है। लेकिन यहां भी अतिशयोक्ति से बचना चाहिए। निकट भविष्य में डॉलर को समाप्त कर देना या उसकी जगह किसी एक ब्रिक्स मुद्रा को स्थापित कर देना व्यावहारिक लक्ष्य नहीं है। ब्रिक्स देशों की अर्थव्यवस्थाओं, वित्तीय नीतियों और राजनीतिक प्राथमिकताओं में बहुत अंतर है। इसलिए वास्तविक संभावना किसी एक नई वैश्विक मुद्रा से अधिक भुगतान प्रणालियों के विविधीकरण और राष्ट्रीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने की है।

ऊर्जा के क्षेत्र में भी ब्रिक्स का महत्व तेजी से बढ़ा है। रूस, सऊदी अरब, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों की उपस्थिति ऊर्जा सुरक्षा के प्रश्न को संगठन के केंद्र में ला देती है। पश्चिम एशिया में संघर्ष और होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों पर तनाव का सीधा प्रभाव दुनिया की तेल कीमतों, महंगाई और आपूर्ति श्रृंखलाओं पर पड़ता है। 2026 के सम्मेलन के समय भी पश्चिम एशिया का संघर्ष वैश्विक ऊर्जा बाजार के लिए गंभीर चिंता का विषय बना रहा।

तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता भी आने वाले वर्षों में ब्रिक्स की शक्ति का नया आधार बन सकती है। भारत की डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, चीन की विनिर्माण और तकनीकी क्षमता, रूस की वैज्ञानिक-तकनीकी विशेषज्ञता, खाड़ी देशों की पूंजी और ऊर्जा संसाधन तथा ब्राजील और अफ्रीकी देशों के विशाल बाजार मिलकर सहयोग का नया मॉडल बना सकते हैं।

यदि ब्रिक्स अपने भीतर तकनीक, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, हरित ऊर्जा और डिजिटल भुगतान में ठोस सहयोग विकसित करता है तो उसका प्रभाव केवल कूटनीति तक सीमित नहीं रहेगा।

इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक में विश्व व्यवस्था जिस तेजी से बदल रही है, उसमें ब्रिक्स का विस्तार और उसकी बढ़ती भूमिका केवल एक आर्थिक संगठन के विस्तार की कहानी नहीं है, बल्कि यह वैश्विक शक्ति-संतुलन में हो रहे मौलिक परिवर्तन का संकेत भी है। भारत की अध्यक्षता में नई दिल्ली में आयोजित 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन ने इस बदलती विश्व व्यवस्था को एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में ला दिया है। आज ब्रिक्स केवल ब्राजील, रूस, भारत और चीन से बना पुराना समूह नहीं रहा। इसमें दक्षिण अफ्रीका के बाद मिस्र, इथियोपिया, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब और इंडोनेशिया जैसे महत्वपूर्ण देश जुड़ चुके हैं। वर्तमान 11 सदस्यीय समूह विश्व की लगभग 49.5 प्रतिशत आबादी, लगभग 40 प्रतिशत वैश्विक जीडीपी और करीब 26 प्रतिशत वैश्विक व्यापार का प्रतिनिधित्व करता है।

## बोध कथा

# एक सेवा का मूल्य

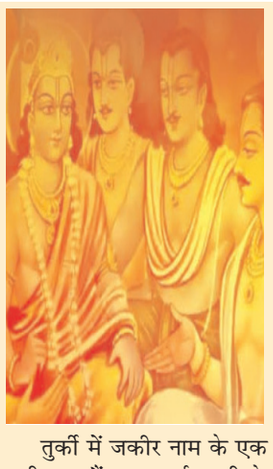

तुर्की में जकीर नाम के एक फकीर हुए हैं। वह आईन नदी के किनारे कुटी बनाकर रहते थे। एक दिन नदी में एक सेवा बहता आ रहा था। जकीन ने उसे पकड़ लिया।अभी उसे खाने की तैयारी कर ही रहे थे कि अंत:करण से आवाज आई ''फकीर! क्या यह तेरी संपत्ति है,क्या तूने इसे परिश्रम से पैदा किया है? यदि नहीं तो इसे खाने का तुझे क्या अधिकार है?''सेव झोले में डालकर अब फकीर अब उसके स्वामी की खोज में नदी के चढ़ाव की ओर चल पड़े।

थोड़ी दूर पर एक सेव का बाग मिला। कुछ सेव के वृक्षों की डालें पानी को छू रही थीं,फकीर ने विश्वास किया सेव यहीं से टूटा हुआ होगा। उन्होंने बाग के स्वामी से कहा-यह लीजिए आपका सेव नदी में बहा जा रहा था।'' उसने कहा-भाई मैं तो बाग का रखवाला मात्र हूँ,इसकी स्वामिनी तो बुखारा की राजकुमारी है।''फकीर वहाँ से बुखारा के लिए रवाना हुआ।

कई दिन की पैदल यात्रा के बाद वहाँ पहुँचा और वह सेव लेकर राजकुमारी जी के पास उपस्थित हुआ।

फकीर को एक सेव लेकर इस तरह आने का हाल सुनकर राजकुमारी हँसकर बोली-अरे बाबा! इसको वहीं खा लेते,एक सेव यहाँ लाने की क्या आवश्यकता थी?''फकीर ने कहा-राजकुमारी जी आपकी दृष्टि में एक सेव का कुछ भी मूल्य नहीं पर इस सेव ने तो मेरा साधा धर्म,संयम और सारे जीवन की साधना नष्ट कर दी होती।''

## कविता

# गणपति राखो मेरी लाज

मोनिका डागा 'आनंद'

सुदी चौथ भादव को प्रगटे,
श्री गजानन जी महाराज,
वरद विनायक मंगलकारी,
गणपति राखो मेरी लाज ।

चरण कमल में शीश नवाऊं, प्रथम देव तुमको मनाऊँ,
नित्य प्रेम से कीर्तन गाऊं, भाव सुमन तुम्हें नित चढ़ाऊं,
रिद्धि-सिद्धि के हो तुम स्वामी, सफल करो सब मेरे काज,
वरद विनायक मंगलकारी, गणपति राखो मेरी लाज ।

रक्त पुष्प सिंदूर चढाऊँ, चंदन केशरिया लगाऊँ,
कानों में कुण्डल पहनाऊँ, बूँदियाँ का भोग बनाऊँ,
भक्तों की सेवा स्वीकारों, कृपा करो अब हे गणराज !
वरद विनायक मंगलकारी, गणपति राखो मेरी लाज ।

भक्त मंडली सदन बुलाऊँ, उत्सव शुचिता से मनाऊँ,
स्तुति जप मंत्रोच्चार कराऊँ, सुबह-शाम आरती गाऊँ,
हर कर जीवन से विघ्नों को, 'आनंद' भरो हे शिवराज !
वरद विनायक मंगलकारी, गणपति राखो मेरी लाज ।

भक्त प्रेम से अर्जी लाएं, मंगलमूर्ति तुम्हें बुलाएं,
शुद्ध भाव से तुमको रिझाएं, विपदाओं से मुक्ति पाएं,
प्रेम प्रार्थना भक्तजनों की, अब तो सुन लो हे गजराज !

## व्यंग्य केसरी

# पुरस्कार खोर

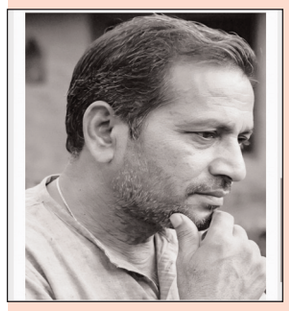

बेबाक बनारसी

सुमन कुमार को इस बात की जानकारी तो थी कि साहित्य जगत के 'पुरस्कार उद्योग' और 'ऊपर की सेटिंग' बिना साहित्य कम आजकल पूरा नहीं होता. यहाँ एक से एक निर्णायक और 'पुरस्कारखोर' का भरे पड़े हैं. ?साहित्यिक गलियारों में यह बात आम थी कि प्रतिभा कलम में नहीं, बल्कि 'सही जगह' पर गोटी बैठाने में होती है. लेकिन उस दिन सुमन कुमार चौंक गए, जब पुरस्कार देने वाली संस्था में निर्णायक मंडल के एक सदस्य मनसुख जी ने दबे पाँव वरिष्ठ लेखक के घर पहुँचकर कान में अमृत घोला, 'बधाई हो भाई सुमन कुमार जी! इस बार का 'महासर्जक सम्मान' आपकी जेब में आने वाला है। बस... बात अभी गोपनीय रखिएगा। जूरी में आपके नाम पर मुहर लग चुकी है। मैं भी एक मेंबर हूं इसलिए कह रहा लेकिन ध्यान रहे, यह सूचना फिलहाल बाहर न जाए. अति उत्साह में आकर सोशल मीडिया में कुछ मत लिखिएगा. बाद में तो सब जान ही जाएंगे. '

?लेखक सुमन कुमार का सीना गर्व से फूलकर छप्पन इंच का हो गया. उन्होंने मन-ही-मन सोचा, चलो किसी ने तो इस लायक समझा. वर्षों से लोग कह रहे थे कि आपको यह सम्मान मिलना चाहिए क्योंकि आप सचमुच महान सर्जक हैं. अनेक लोग तो नाम के होते हैं, आप काम के सर्जक हैं.

क्या-क्या सुमन कुमार जी अपना भाषण तैयार करने लगे और लिखकर भी रख लिया. दो-तीन बार आईने के सामने खड़े होकर उसका पाठ भी किया.

?हफ्ते भर बाद जब अखबारों में परिणाम घोषित हुआ, तो उनकी जगह किसी विशेष आत्मा का नाम लिखा हुआ था, सुमन कुमार के पैरों के नीचे से ज़मीन खिसक गई। सूची में उनका नामोनिशान तक न था। चकित और आहत होकर उन्होंने तुरंत मनसुख जी को फोन घुमाया, 'मनसुख जी, यह क्या उलटफेर हो गया? आपने तो कहा था... '

?मनसुख जी ने फोन पर ही एक लंबी, बेबसी से भरी सांस छोड़ी और रुआंसे स्वर में बोले, 'क्या बताऊं भाई साहब! हम तो नियम-कायदे से आपकी प्रतिभा तौल रहे थे, लेकिन ऐन वक्त पर 'ऊपर' से एक ऐसा वजनी, सुंदर नाम टपक गया कि हमारी तराजू ही टूट गई। लोकतंत्र में ऊपर वाले की मर्जी के आगे जूरी की क्या बिसात!

?कुछ दिनों बाद पुरस्कार समारोह का भव्य आयोजन हुआ। लेखक महोदय भी दिल पर पत्थर रखकर, दर्शक दीर्घा की आखिरी कतार में 'सौजन्यवश' उपस्थित थे।

?मंच से जैसे ही उस तथाकथित विजेता का नाम पुकारा गया, वह आत्मा मंच पर चढ़ने लगी । लेखक के ठीक बगल में बैठे मनसुख जी ने उनके कान के पास अपना मुंह ले जाकर गहरी दार्शनिक मुद्रा में फुसफुसाया: ? 'ध्यान से देखिए भाई साहब... यही है वह महान 'आत्मा', जो बिना लिखे ही आपका पूरा पुरस्कार डकार गई। इसे ही हमारे शास्त्रों में 'पुरस्कारखोर' प्रेतात्मा कहा गया है! अब आपको भी इसी आत्मा की तरह आचरण करना होगा तब हो सकता है अगले वर्ष आपका नंबर आ जाए. वर्ना तो आपका नाम प्रतीक्षा सूची में बना रहेगा. '

सुमन कुमार ने मुस्कुराते हुए मुंडी हिलाई और नजारा देखते रहे. कर भी क्या सकते थे? कुछ सुंदर आत्मा बनाम प्रेतात्मा से टकराना भी तो संभव नहीं था।

## इतिहास

16 सितंबर का दिन इतिहास में पर्यावरण संरक्षण, ऐतिहासिक यात्राओं और महान हस्तियों के जन्म से जुड़ा है।

महत्वपूर्ण घटनाएँ और दिवसविश्व ओजोन दिवस: हर साल 16 सितंबर को विश्व ओजोन दिवस मनाया जाता है। साल 1987 में इसी दिन ओजोन परत को बचाने के लिए मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर किए गए थे।

मेफ्लावर जहाज की यात्रा: 1620 में आज ही के दिन प्रसिद्ध जहाज मेफ्लावर ने इंग्लैंड से उत्तरी अमेरिका के लिए अपनी ऐतिहासिक यात्रा शुरू की थी।

मेक्सिको की स्वतंत्रता: 1810 में 16 सितंबर को ही मेक्सिको में स्पेन के शासन के खिलाफ स्वतंत्रता संग्राम की शुरुआत हुई थी।

जनरल मोटर्स की स्थापना: 1908 में 16 सितंबर को जनरल मोटर्स निगम की स्थापना की गई थी।

# पशु बढ़े, व्यवस्था घटती गई 80 फीसदी मवेशी सड़कों पर

विश्व केसरी■

**बिलासपुर (सुरेश सिंह बैस)।** पशुपालन विभाग की पशु गणना में जिले में पालतू पशुओं की संख्या 4 लाख 14 हजार के पार पहुंचने का आंकड़ा सामने आया है। सरकारी रिकॉर्ड में ये पशु पालतू दर्ज हैं और इनकी गणना घर-घर सर्वे के आधार पर की गई है, लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल अलग तस्वीर पेश करती है। बड़ी संख्या में मवेशी खुले में और सड़कों पर घूम रहे हैं। विभागीय आंकड़ों के मुताबिक करीब 80 प्रतिशत मवेशियों के सड़क पर आवारा घूमने से न केवल यातायात प्रभावित हो रहा है, बल्कि किसानों की फसल, बाजार और स्वयं पशुओं की सुरक्षा भी खतरे में है।

**रिकॉर्ड में पालतू, सड़कों पर आवारा - पशु गणना के आंकड़ों ने खोली व्यवस्था की पोल**

हर पांच साल में होने वाली पशु गणना के तहत जिले में इस वर्ष पालतू पशुओं का आंकड़ा 4 लाख 14 हजार से अधिक दर्ज किया गया है। गणना के दौरान पशुपालकों और घरों से पशुओं की जानकारी एकत्र की गई। हालांकि, गणना के आंकड़े और जमीनी स्थिति के बीच बड़ा अंतर दिखाई दे रहा है। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक बड़ी संख्या

में मवेशी सड़कों, चौक-चौराहों, बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर विचरण करते नजर आते हैं।

**सड़क पर मवेशी, हर दिन दुर्घटना का खतरा**

सड़कों पर बैठे या अचानक बीच सड़क पर आ जाने वाले मवेशी वाहन चालकों के लिए गंभीर खतरा बन चुके हैं। रात के समय स्थिति और अधिक जोखिमपूर्ण हो जाती है। कई बार वाहन चालक मवेशियों को बचाने के प्रयास में दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं। वहीं दुर्घटनाओं में पशु भी घायल होते हैं या उनकी मौत तक हो जाती है।

**किसानों की फसल के साथ पशुओं को भी नुकसान**

आवारा मवेशियों का सबसे अधिक असर ग्रामीण क्षेत्रों में दिखाई देता है। खेतों में घुसकर ये फसलों को नुकसान पहुंचाते हैं। किसान दिन-रात अपनी फसल की रखवाली करने को मजबूर हैं। दूसरी ओर खुले में घूमने वाले पशुओं को पर्याप्त चारा-पानी और सुरक्षित आश्रय नहीं मिलने से उनके स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

**गोठान और गौशालाओं की व्यवस्था पर भी सवाल**

जिले में पशुओं के संरक्षण के लिए गोठान और गौशालाओं की व्यवस्था की गई है। बावजूद इसके सड़कों पर मवेशियों की बढ़ती संख्या यह सवाल खड़ा करती है कि इन व्यवस्थाओं का लाभ वास्तव में कितने पशुओं तक पहुंच रहा है। पशुओं के पंजीयन, उनके संरक्षण और उन्हें सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने की व्यवस्था को प्रभावी बनाने की जरूरत है।

**पिछली गणना से बढ़ी पशुओं की संख्या**

पिछली पशु गणना में जिले में पशुओं की संख्या करीब 96 हजार बताई गई थी। वर्तमान गणना में यह संख्या बढ़कर 4 लाख 14 हजार से अधिक हो गई है। आंकड़ों में हुई इस बड़ी वृद्धि के साथ पशुओं के संरक्षण, प्रबंधन और सड़क से हटाने की चुनौती भी बढ़ गई है।

**सिर्फ गणना नहीं, जमीनी प्रबंधन भी जरूरी**

पशुओं की गणना के आंकड़े तभी सार्थक होंगे, जब उनके आधार पर ठोस प्रबंधन की व्यवस्था भी सुनिश्चित हो। पशुपालकों को अपने मवेशियों को खुले में छोड़ने से रोकना, सड़कों पर घूम रहे पशुओं को सुरक्षित आश्रय उपलब्ध कराना, गौशालाओं की क्षमता और व्यवस्था बढ़ाना तथा स्थानीय निकायों और पशुपालन विभाग के बीच समन्वय स्थापित करना समय की जरूरत है। आंकड़ों में पशु बढ़ रहे हैं, लेकिन यदि उनका बड़ा हिस्सा सड़कों पर ही दिखाई देता है तो यह केवल पशुओं की संख्या बढ़ने का नहीं, बल्कि उनके प्रबंधन की व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल है।

# ऋषभ विद्योदय महाविद्यालय बनाहिल में हर्षोल्लास से मना हिंदी दिवस

विश्व केसरी■

**अकलतरा (नीरज शर्मा)।** श्री ऋषभ विद्योदय महाविद्यालय बनाहिल में हिंदी दिवस बड़े ही उत्साह के साथ मनाया गया।

कार्यक्रम में सहायक प्राध्यापक राहुल राठौर ने विद्यार्थियों को हिंदी दिवस के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि हिंदी हमारे मन की भाषा है, यह हमें अपनों से जोड़ती है और हमारी संस्कृति को सहेजे हुए है। हमें अपनी मातृभाषा से प्रेम करना चाहिए।

इस अवसर पर सहायक प्राध्यापक अनुज जैन ने भी अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि हिंदी सिर्फ बोलने की भाषा नहीं, बल्कि महसूस करने की भाषा है। हिंदी हमें विनम्रता और अपनापन सिखाती है। जब हम हिंदी में बात करते हैं तो दिल से दिल जुड़ जाता है। हमें गर्व है कि हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा है।कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने कविता पाठ और भाषण प्रस्तुत किए। अंत में सभी ने हिंदी का सम्मान करने का संकल्प लिया।

इस कार्यक्रम में दुर्गा टण्डन, अनुज जैन, संध्या सिंह, सरिता पटेल, चंद्ररुपा कश्यप, संदीप कुर्रे, अशोक पाण्डेय, अनामिका सिंह, सुनीता पाण्डेय, पायल दास,रश्मि मरकाम, समरीन मिर्जा, राजेश, भास्कर कश्यप, विद्या जायसवाल, अविनाश चौहान,नरेंद्र पाटले,मनीष गंधर्व, आकाश दास, नीरज निर्मलकर, बृजनंदन पटेल, द्वाशराम कश्यप एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक, एनसीसी के कैडेट एवं समस्त महाविद्यालयीन छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

# रायगढ़ स्टेशन व ब्रजराजनगर-रायगढ़-चांपा-बिलासपुर-भाटापारा सेक्शन में चला 48 घंटे का 'महा टिकट चेकिंग'

विश्व केसरी■

**बिलासपुर (मुरली राव)।** दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल द्वारा यात्रियों को सुगम व सुविधाजनक रेल यात्रा उपलब्ध कराने, रेलवे नियमों के पालन सुनिश्चित करने तथा बिना टिकट एवं अनियमित यात्रा पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से निरंतर टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।

इसी क्रम में दिनांक 12 एवं 13 सितम्बर 2026 को वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अनुराग कुमार सिंह के मार्गदर्शन में मंडल के रायगढ़ स्टेशन व ब्रजराजनगर-रायगढ़-चांपा-बिलासपुर-भाटापारा सेक्शन में 48 घंटे का महा टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। जिसमें वाणिज्य निरीक्षक, मुख्य टिकट निरीक्षक एवं टीटीई स्टाफ शामिल थे। इस अभियान के दौरान रायगढ़ स्टेशन व

ब्रजराजनगर-रायगढ़-चांपा-बिलासपुर-भाटापारा सेक्शन से गुजरने वाली 47 ट्रेनों की सघन जांच कर कुल 733 मामलों से 6,70,155 रुपये का जुर्माना वसूला गया। जिसमें बिना टिकट यात्रा के 601 मामलों से 06 लाख 10 हजार 880 रुपये, अनियमित टिकट के 73 मामले से 52 हजार 925 रुपये तथा बिना बुक लगेज के 59 मामलों 06 हजार 350 रूपये का जुर्माना शामिल है 7

रेल प्रशासन यात्रियों से अपील करता है कि वे यात्रा प्रारंभ करने से पूर्व उचित यात्रा टिकट अवश्य लें तथा स्टेशन परिसर में प्रवेश हेतु प्लेटफॉर्म टिकट खरीदें। साथ ही गंदगी फैलाने एवं धूम्रपान न करते हुये रेलगाड़ी एवं रेलवे परिसर को स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग करें।

# गेमन पुल में बही महिला रेस्क्यू कर बचाया गया

विश्व केसरी■

**शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)।** चांपा पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि गेमन पुल (हसदेव नदी) के बीच एक अज्ञात महिला बहकर फंसी हुई है। सूचना मिलते ही चांपा पुलिस टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुँची और स्थिति को देखते हुए स्थानीय ग्रामीणों, नाविकों तथा गोताखोरों की मदद से तुरंत राहत एवं बचाव कार्य प्रारंभ किया। कड़ी मशक्कत के बाद महिला को नदी के बीच से सुरक्षित बाहर निकाला गया। महिला जीवित अवस्था में थी, परंतु उसकी स्थिति नाजुक बनी हुई थी। पुलिस टीम ने बिना समय गंवाए उसे तत्काल उपचार हेतु बी.डी.एम. अस्पताल चांपा में भर्ती कराया। डॉक्टरों की त्वरित देखरेख और इलाज से महिला की हालत में सुधार हुआ और वह बातचीत करने की स्थिति में आई।

# 17 सितंबर को एक लाख दीपों से जगमगाएगा शिवरीनारायण

विश्व केसरी■

**शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)।** देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर 17 सितंबर को शिवरीनारायण में भव्य दीपोत्सव एवं महानदी महाआरती का आयोजन किया जाएगा। जिला प्रशासन जांजगीर-चांपा एवं नगर पंचायत शिवरीनारायण के मार्गदर्शन में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम को लेकर नगर में तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

कार्यक्रम के तहत 17 सितंबर को शाम 6 बजे से महानदी महाआरती चौपाटी घाट पर 'दीप सजाओ, दीप जलाओ' प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इसमें विद्यालयों, समितियों, महिला समूहों, सामाजिक संगठनों सहित नगरवासी भाग ले सकेंगे। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र एवं पुरस्कार

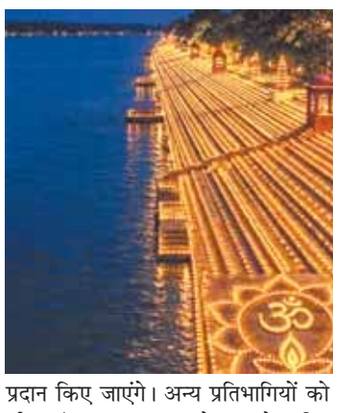

प्रदान किए जाएंगे। अन्य प्रतिभागियों को भी सांत्वना पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया जाएगा।

इस अवसर पर महानदी तट पर एक लाख दीप प्रज्वलित एवं दीपदान का भव्य आयोजन होगा। श्रद्धालु अपने हाथों में दीप लेकर महानदी महाआरती में शामिल होंगे तथा महाआरती के पश्चात मां महानदी में सामूहिक दीपदान किया जाएगा। एक लाख दीपों से महानदी का तट जगमगाने के साथ ही शिवरीनारायण का वातावरण भक्तिमय और आकर्षक नजर आएगा। नगरवासियों से अपील की गई है कि वे अपने-अपने घरों, दुकानों एवं प्रतिष्ठानों में अधिक से अधिक दीप प्रज्ज्वलित कर इस दिन को उत्सव के रूप में मनाएं। साथ ही शाम 6 बजे महानदी महाआरती चौपाटी घाट पहुंचकर दीप सजाओ-दीप जलाओ प्रतियोगिता, महानदी महाआरती एवं दीपदान में सहभागी बनें। कार्यक्रम में जिले के जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों, सामाजिक संगठनों, कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रवासियों सहित बड़ी संख्या में नगरवासियों के शामिल होने की उम्मीद है। आयोजकों ने सभी से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस भव्य आयोजन को ऐतिहासिक एवं यादगार बनाने की अपील की है।

# दीदी ई-रिक्शा सहायता योजना से गंगा साहू बनीं आत्मनिर्भर

विश्व केसरी■

**बिलासपुर (मुरली राव)।** बिलासपुर की रहने वाली गंगा साहू के जीवन में छत्तीसगढ़ शासन के श्रम विभाग द्वारा संचालित ''दीदी ई-रिक्शा सहायता योजना'' ने सकारात्मक बदलाव लाया है। योजना का लाभ मिलने से अब वे न केवल आत्मनिर्भर बनी हैं, बल्कि अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

योजना का लाभ मिलने से पहले गंगा साहू गृहणी थीं। उनका अधिकांश समय बच्चों की देखरेख और घर-गृहस्थी के कार्यों में व्यतीत होता था। परिवार की जिम्मेदारियों के बीच स्वयं की आय का कोई साधन नहीं था। ऐसे में श्रम विभाग की दीदी

ई-रिक्शा सहायता योजना उनके लिए नई उम्मीद लेकर आई। शासन से प्राप्त सहायता के माध्यम से उन्हें ई-रिक्शा उपलब्ध हुआ। ई-रिक्शा संचालन से अब वे नियमित रूप से रोजगार प्राप्त कर अपनी आमदनी अर्जित कर रही हैं। इससे उनमें आत्मविश्वास बढ़ा है और वे आर्थिक रूप से सशक्त होकर परिवार की जरूरतों को पूरा करने में सहयोग दे रही हैं।

# बीरगांव में 17 सितंबर को होगा विशाल किसान-मजदूर कार्यकर्ता सम्मेलन

**मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय होंगे मुख्य अतिथि**

विश्व केसरी■

**रायपुर/बीरगांव (संवाददाता)।** भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा मां बंजारी मंडल बीरगांव के तत्वावधान में आगामी 17 सितंबर को बुधवारी बाजार, बीरगांव के प्रांगण में भगवान विश्वकर्मा पूजा एवं विशाल किसान-मजदूर कार्यकर्ता सम्मेलन तथा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया जा रहा है। औद्योगिक बाहुल्य क्षेत्र बीरगांव में होने वाले इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में हजारों की संख्या में किसानों, मजदूरों और भाजपा कार्यकर्ताओं के जुटने की उम्मीद है। आयोजन के संदर्भ में विस्तृत जानकारी देते हुए भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री डॉ. ओमप्रकाश देवांगन एवं मंडल अध्यक्ष वेदराम साहू ने संयुक्त रूप से बताया कि इस विशाल सम्मेलन में प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। वहीं, विशिष्ट

अतिथि के रूप में भारत सरकार के केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू उपस्थित रहेंगे। इस गौरवमयी मंच को छत्तीसगढ़ शासन के उद्योग मंत्री लखन देवांगन, कैबिनेट मंत्री गुरू खुशवंत साहेब, रायपुर के लोकप्रिय सांसद बृजमोहन अग्रवाल तथा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष आलोक ठाकुर , क्षेत्रीय विधायक मोतीलाल साहू, धरसीवा के विधायक अनुज शर्मा सहित प्रदेश के कई सम्मानीय मंत्रीगण एवं विधायकगण सुशोभित करेंगे। सुबह 11 बजे से आरू साहू, कविता वासनिक, चम्पा निषाद, डा लीलाधर साहू, हिमानी वासनिक, सुनील सिहोरे जैसे सुपर स्टार कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का कार्यक्रम शुरू होगा, डॉ. ओमप्रकाश देवांगन ने बताया कि भगवान विश्वकर्मा पूजा एवं किसान-मजदूर कार्यकर्ता सम्मेलन 17 सितंबर को सुबह 10:00 बजे से प्रारंभ होगा। मुख्य अतिथियों के आगमन से पूर्व छत्तीसगढ़ की माटी की खुशबू बिखेरते हुए शानदार भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन रखा गया है, जो दर्शकों और कार्यकर्ताओं में नया जोश भरेंगे। इस आयोजन की सबसे प्रमुख कड़ी क्षेत्र के मेहनतकशों , अन्नदाताओं और श्रमिकों का सम्मान होगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय स्वयं अपने कर-कमलों से क्षेत्र के प्रगतिशील किसान भाइयों का जो आज भी बीरगांव उद्योग क्षेत्र में अपने कृषि कार्य को संजोए रखे हैं और जैविक खेती कर रहे हैं और दिन-रात कारखानों व निर्माण कार्यों में पसीना बहाने वाले मजदूर भाई-बहनों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए मंच पर सम्मानित करेंगे।

'दाई ' जो प्रसव (जचकी) के बाद जच्चा और नवजात बच्चे की सेवा-देखभाल करती है , क्षेत्र के प्रसिद्ध मुर्तिकार, मंड़ाई मेला के आयोजकगण, कुम्हार जो आज भी नंदिया, बैला, जाता, पोरा, दिया , मटका बनाकर छत्तीसगढ़ के कल्चर को जिवित रखे है , क्रिकेट और कबड्डी जैसे खेल के माध्यम से जो युवाओं के प्रतिभा को अवसर प्रदान करने वाले आयोजनकर्ताओं का भी सम्मान मुख्यमंत्री करेंगे, साथ ही श्रीगणेश एवम् मां दूर्गा स्थापना समिति को भी सम्मानित किया जाएगा जिनके स्थल सजावट या झांकी छत्तीसगढ के संस्कृति का मान बढाता हो, बीरगांव निगम क्षेत्र के डाक्टर, नर्स , शिक्षक एवं शिक्षिकायें भी सम्मानित होंगे, गौ - सेवक, गाय चरवाहा, नाई जो सुख-दूख के संस्कार कार्य संपन्न कराते है, सफाई कर्मचारी , छेरछेरा, मंडई समिती, खो खो, फूगडी, सुआ नाच टीम के बच्चों को उत्साहवर्धन करने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय अपने हाथों 'सम्मान पत्र' सौंपकर सम्मानित करेंगे।

# भूपेश बघेल ने तारा कोल ब्लॉक पर साय सरकार को घेरा

विश्व केसरी■

**रायपुर (संवाददाता)।** कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। रायपुर में एक पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार द्वारा हसदेव अरण्य क्षेत्र में तारा कोल ब्लॉक की नीलामी की गई है, जो सीधे तौर पर आदिवासियों के जीवन और पर्यावरण के साथ खिलवाड़ है। इसके साथ ही उन्होंने वर्ष 2024 और 2025 की पीएससी परीक्षाओं में गंभीर गड़बड़ियों का आरोप लगाते हुए सरकार से जवाब तलब किया है।

**तारा कोल ब्लॉक की नीलामी और आदिवासियों के जीवन पर संकट**

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि हसदेव और बांगो बांध इस इलाके की जीवनदायिनी हैं। यदि इस क्षेत्र में उत्खनन होता है, तो लाखों पेड़ काटे जाएंगे और यहाँ का पर्यावरण भारी रूप से प्रभावित होगा। उन्होंने याद दिलाया कि कांग्रेस सरकार ने लेमरू एलीफेंट अभ्यारण्य के लिए 1950

वर्ग किमी क्षेत्र को संरक्षित किया था। बघेल ने आरोप लगाया कि एक आदिवासी मुख्यमंत्री होने के बावजूद साय सरकार ने आदिवासियों और जंगलों के हित का ध्यान न रखकर अडानी समूह के हितों का ख्याल रखा है और खुद केंद्र को पत्र लिखकर तारा कोल ब्लॉक की नीलामी की अनुशंसा की है।

**कांग्रेस सरकार के फैसलों और विधानसभा प्रस्ताव का दिया हवाला**

बघेल ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के दौरान 26 जुलाई 2022 को छत्तीसगढ़ विधानसभा ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पास किया था कि हसदेव-अरण्य में किसी भी कोल ब्लॉक का आवंटन या नीलामी न हो। इसके अलावा, 23 जून 2023 को तारा सहित 9 कोल ब्लॉकों को नीलामी से अलग रखने का पत्र भेजा गया था और 19 अक्टूबर 2023 को केंद्रीय कोयला मंत्रालय ने तारा सहित 40 कोल ब्लॉकों को डी-नोटिफाई कर दिया था। इसके बावजूद भाजपा सरकार ने दिसंबर 2025 में इसके लिए फिर से पत्र लिखा।

**पर्यावरण और हाथियों के कॉरिडोर पर मंडराता खतरा**

कांग्रेस नेता ने बताया कि तारा कोल ब्लॉक लगभग 5000 एकड़ क्षेत्र में फैला है, जिसमें 4000 एकड़ से अधिक घना जंगल है। इसके कारण 10 लाख से अधिक पेड़ों को काटा जाएगा, जिससे लेमरू एलीफेंट रिजर्व के चारों ओर खनन होने से राष्ट्रीय धरोहर पशु हाथियों की आवाजाही पर गंभीर असर पड़ेगा। साथ ही, कई अन्य दुर्लभ वन्यजीव प्रजातियां भी खतरे में पड़ जाएंगी। यह ब्लॉक अडानी एंटरप्राइजेज की सहयोगी कंपनी की सब्सिडियरी को मिला है।

**2024 और 2025 की पीएससी परीक्षाओं में धांधली के आरोप**

प्रेसवार्ता के दौरान भूपेश बघेल ने पीएससी परीक्षाओं पर भी बड़ा सवाल उठाया। उन्होंने पूछा कि 2024 और 2025 के पीएससी घोटालों की जांच कौन करेगा? उन्होंने आरोप लगाया कि 2024 की मुख्य परीक्षा में सही उत्तर लिखने वालों को कम और गलत उत्तर लिखने वालों को ज्यादा अंक दिए गए।

# एचपीवी टीकाकरण के लिए सभी को करे जागरूक-सीएमएचओ पूजा अग्रवाल

विश्व केसरी■

**सक्ती (ईश्वर लोधी)।** सीएमएचओ श्रीमती पूजा अग्रवाल ने जिलेवासियों एवं सभी अभिभावकों से एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण को लेकर जागरूकता रखने तथा अपने बच्चों को निर्धारित आयु एवं स्वास्थ्य विभाग के दिशा-निर्देशों के अनुसार एचपीवी का टीका लगवाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि एचपीवी एक ऐसा वायरस है, जिसके संक्रमण से भविष्य में सर्वाइकल कैंसर (गर्भाशय ग्रीवा का कैंसर) जैसी गंभीर बीमारी होने का खतरा बढ़ सकता है। इस बीमारी से बचाव की दिशा में एचपीवी वैक्सीन एक सुरक्षित एवं प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि समय पर टीकाकरण कराकर बच्चों को भविष्य में होने वाले एचपीवी संक्रमण से बचाव की दिशा में

महत्वपूर्ण कदम उठाया जा सकता है। उन्होंने सभी माता-पिता एवं अभिभावकों से आग्रह करते हुए कहा कि जब विद्यालय अथवा नजदीकी स्वास्थ्य केंद्रो में एचपीवी टीकाकरण अभियान आयोजित किया जाए, तो वे बिना किसी डर, भ्रम या संकोच के अपने बच्चों को टीका अवश्य लगवाएं। टीकाकरण को लेकर किसी भी प्रकार की अफवाह या भ्रामक जानकारी पर विश्वास न करें तथा किसी भी शंका की स्थिति में नजदीकी स्वास्थ्य कार्यकर्ता, एएनएम, आशा कार्यकर्ता अथवा चिकित्सा अधिकारी से संपर्क कर सही एवं प्रमाणित जानकारी प्राप्त करें।

सीएमएचओ ने कहा कि बच्चों का स्वस्थ भविष्य हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। एचपीवी टीकाकरण के प्रति जागरूकता बढ़ाकर हम सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। उन्होंने जिले के सभी अभिभावकों, विद्यालयों, शिक्षकों, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं एवं आम नागरिकों से एचपीवी टीकाकरण अभियान में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की है।

# शेयर बाजार में भारी गिरावट, निवेशक बेहाल

विश्व केसरी

**मुंबई।** भारतीय शेयर बाजार मंगलवार के कारोबारी सत्र में लाल निशान में बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 777.94 अंक या 1.04 प्रतिशत गिरकर 74,003.82 और निफ्टी 279.50 अंक या 1.19 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,118.60 पर था।

बाजार में सबसे अधिक गिरावट डिफेंस और रियल्टी स्टॉक्स में देखी गई। सूचकांकों में निफ्टी इंडिया डिफेंस 5.96 प्रतिशत और निफ्टी रियल्टी 4.04 प्रतिशत की गिरावट के साथ टॉप लूजर था। इसके बाद निफ्टी मेटल 2.54 प्रतिशत, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 2.41 प्रतिशत, निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग 2.40 प्रतिशत, निफ्टी पीएसई 2.29 प्रतिशत, निफ्टी पीएसयू बैंक 2.29 प्रतिशत और निफ्टी मीडिया 2.17 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ।

**सूचकांकों में केवल निफ्टी आईटी ही 2.19 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ** – लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी बिकवाली देखने को मिली। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 1,318.95 अंक या 2.12 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 60,878.25 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 483.85 अंक या 2.43 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 19,422.45 पर था। सेंसेक्स पैक में एचसीएल टेक, इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, एचयूएल और टाटा स्टील गेनर्स थे। बीईएल, इंडिगो, टाइटन, बजाज फिनसर्व, एमएंडएम, एसबीआई, ट्रेंट, एशियन पेंट्स, बजाज फाइनेंस, इटरनल, अल्ट्राटेक सीमेंट, एक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, पावर ग्रिड, आईसीआईसीआई बैंक, एलएंडटी, मारुति सुजुकी,एनटीपीसी और आईटीसी लूजर्स थे। बाजार के जानकारों ने कहा कि सत्र के दौरान घरेलू बाजार दबाव में रहे, इसकी वजह कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और ग्लोबल बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी होना था।

उन्होंने आगे निवेशकों को चेतावनी देते हुए कहा कि इस हफ्ते होने वाली अहम सेंट्रल बैंक की बैठकों से पहले निवेशक सतर्क रहे, क्योंकि बड़ी अर्थव्यवस्थाओं द्वारा पॉलिसी को और सख्त किए जाने की उम्मीदें बढ़ रही हैं। लंबे समय तक ऊंची ब्याज दरों के माहौल (खासकर अमेरिका में) को लेकर चिंताओं ने ट्रेजरी यील्ड को कई सालों के उच्चतम स्तर के करीब बनाए रखा और लगातार विदेशी निवेश की निकासी के बीच उभरते बाजारों के सेंटीमेंट को कमजोर किया।

# आरबीआई को वीआरआरआर नीलामी में 3.93 लाख करोड़ रुपए की बोलियां मिलीं

विश्व केसरी

**मुंबई।** बैंकिंग प्रणाली में अतिरिक्त नकदी के बीच भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा शुरू किए गए वैरिएबल रेट रिवर्स रेपो (वीआरआरआर) को नीलामी में 3,93,352 करोड़ रुपए की बोलियां मिली हैं।

आरबीआई की ओर से जारी बयान के अनुसार, केंद्रीय बैंक को 5 लाख करोड़ रुपए की अधिसूचित राशि के मुकाबले 3,93,352 करोड़ रुपए की बोलियां मिलीं और उसने 5.24 प्रतिशत की कट-ऑफ और भारित औसत दर पर सभी बोलियों को स्वीकार कर लिया।

आरबीआई पिछले एक महीने से बैंकिंग प्रणाली से अतिरिक्त नकदी को अवशोषित करने और ओवरनाइट मनी मार्केट दरों को रेपो दर के अनुरूप बनाए रखने के लिए वीआरआरआर नीलामियां आयोजित कर रहा है।

11 सितंबर तक बैंकिंग प्रणाली में अतिरिक्त नकदी का अनुमान लगभग 10.73 लाख करोड़ रुपए था। बैंकों द्वारा विदेशी मुद्रा अनिवासी (एफसीएनआर-बी) जमा की भारी मात्रा में जुटाई गई राशि के बाद बैंकिंग प्रणाली में नकदी सरप्लस में चली गई है।

इसके अलावा, आरबीआई ने पिछले सप्ताह नकदी को अवशोषित करने के लिए तीन चरणों में 1 लाख करोड़ रुपए मूल्य की सरकारी प्रतिभूतियों की ओपन मार्केट ऑपरेशन (ओएमओ) बिक्री की घोषणा की थी। पहली ओएमओ नीलामी 50,000 करोड़ रुपए की होगी, जो 17 सितंबर को निर्धारित है। इसके बाद 21 सितंबर और 28 सितंबर को 25,000-25,000 करोड़ रुपए की दो नीलामियां होंगी। केंद्रीय बैंक के ये नकदी प्रबंधन उपाय ऐसे समय में किए जा रहे हैं जब वह बैंकिंग प्रणाली में अतिरिक्त धनराशि का प्रबंधन करते हुए अल्पकालिक मनी मार्केट दरों को अपनी नीतिगत दर के अनुरूप बनाए रखना चाहता है। इससे पहले सितंबर में केंद्रीय बैंक ने बैंकिंग प्रणाली से अतिरिक्त नकदी को अवशोषित करने के लिए एक दिन की अवधि वाली ओवरनाइट वैरिएबल रेट रिवर्स रेपो (वीआरआरआर) नीलामी के जरिए 3.53 लाख करोड़ रुपये से अधिक जुटाए थे।

# बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा पर कानून प्रवर्तन एजेंसियों को देना होगा रिपोर्ट

विश्व केसरी

**नई दिल्ली।** भारत सरकार सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर हानिकारक जानकारी पर रोक लगाने के लिए लगातार काम कर रही है। बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के भारत में काम करने के लिए एक मौलिक सिद्धांत है और यह गैर-समझौता योग्य है।

इसी दिशा में मेटा ने बाल सुरक्षा से संबंधित मामलों को संबंधित कानून प्रवर्तन एजेंसियों को रिपोर्ट करने पर सहमति जताई है। यह प्लेटफॉर्म को बच्चों के लिए सुरक्षित बनाने की दिशा में पहला कदम है और अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है।

सरकार अन्य प्लेटफॉर्म के साथ भी लगातार संपर्क में है ताकि ऐसी सामग्री की सक्रिय रूप से पहचान की जा सके और उसे हटाया जा सके। सरकार ने साफ कहा है कि जो प्लेटफॉर्म बच्चों की सुरक्षा के लिए सक्रिय कदम नहीं उठाएंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

इससे पहले 18 अगस्त को एक रिपोर्ट में कहा गया था कि इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और मेटा के बीच हुई चर्चाओं का मुख्य फोकस उन अवैध सामग्रियों के प्रबंधन पर रहा है जिन्हें एक बार हटाए जाने के बाद फिर से प्लेटफॉर्म पर साझा किया जाता है। सरकार का मानना है कि केवल सामग्री हटाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसके दोबारा प्रसार को भी रोकना आवश्यक है। मेटा ने इस दिशा में कई कदम उठाने शुरू किए हैं और कंपनी विशेष रूप से सतर्क है, क्योंकि बाल यौन शोषण सामग्री भारतीय कानून के तहत गंभीर अपराध की श्रेणी में आती है।

कंपनी ऐसे मामलों की पहचान, हटाने और पुन: अपलोड को रोकने के लिए अपनी प्रणालियों को और मजबूत कर रही है। रिपोर्ट में कहा गया था कि कंपनी उन मामलों पर भी काम कर रही है, जिनमें पहले चिह्नित और हटाई जा चुकी सामग्री किसी नए रूप या अलग माध्यम से दोबारा प्लेटफॉर्म पर दिखाई देती है। इसके लिए उन्नत तकनीकी प्रणालियों और पहचान तंत्र का उपयोग किया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, केंद्र सरकार ने मेटा सहित डिजिटल मंचों को स्पष्ट किया है कि यदि वे लागू भारतीय कानूनों का पालन नहीं करते हैं, तो उन्हें 'सेफ हार्बर' सुरक्षा का लाभ नहीं मिल सकता। यह सुरक्षा सामान्यत: डिजिटल मंचों को उपयोगकर्ताओं द्वारा साझा की गई सामग्री के लिए सीमित कानूनी संरक्षण प्रदान करती है।

अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया था कि सरकार का उद्देश्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सेंसरशिप लागू करना नहीं है। सरकार का मुख्य ध्यान इस बात पर है कि डिजिटल मंच भारतीय कानूनों और नियमों का पालन सुनिश्चित करें। सरकार का मानना है कि डिजिटल मंचों को सामाजिक हित और संभावित नुकसान के बीच संतुलन स्थापित करना चाहिए।

# भारत की थोक ऑटोमोबाइल बिक्री ने अगस्त 2026 में बनाया रिकॉर्ड, सेल्स 36.5 प्रतिशत बढ़ी

विश्व केसरी

**नई दिल्ली।** भारत की थोक ऑटोमोबाइल बिक्री अगस्त 2026 में रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई है। इसकी वजह जीएसटी 2.0 के आने के चलते अगस्त 2025 का छोटा आधार और अच्छी मांग थी। यह जानकारी सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरिंग (सियाम) की ओर से मंगलवार को दी गई।

ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री बॉडी के डेटा में बताया गया कि अगस्त 2026 में यात्री वाहनों, तिपहिया और दोपहिया वाहनों की बिक्री रिकॉर्ड उच्च स्तर पर रही है।

समीक्षा अवधि में यात्री वाहनों की कुल बिक्री 4,39,309 यूनिट्स रही है, जो कि सालाना आधार पर 36.5 प्रतिशत की वृद्धि को दिखाता है। तिपहिया वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 22.8 प्रतिशत बढ़कर 93,764 यूनिट्स हो गई है। दोपहिया वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 10.5 प्रतिशत बढ़कर 20,34,698 यूनिट्स हो गई है।

सियाम के डायरेक्टर जनरल राजेश मेनन ने कहा, 'भारत का ऑटोमोबाइल उद्योग जबरदस्त ग्रोथ के दौर से गुजर रहा है। अगस्त 2026 में हुई ग्रोथ को पिछले साल के कम बेस का भी सहारा मिला है।'

मेनन ने कहा कि मांग का माहौल बुनियादी तौर पर मजबूत बना हुआ है। ग्राहकों का मजबूत भरोसा, ग्रामीण बाजारों की मजबूती और बेहतर होती फाइनेंसिंग की स्थितियां सभी कैटेगरी में ऑटोमोबाइल की मांग को बढ़ावा दे रही हैं।

मेनन ने कहा, 'त्योहारी सीजन की मांग से भी अतिरिक्त बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, जिससे दूसरी तिमाही के नतीजे अच्छे रहेंगे।'

सियाम के आंकड़ों के अनुसार, अगस्त 2026 में पैसेंजर गाड़ियों, तिपहिया वाहनों, दोपहिया वाहनों और क्वाड्रीसाइकिल का कुल प्रोडक्शन 31,57,822 यूनिट्स रहा। इस बीच, पिछले महीने भारत की ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री ने जुलाई में अब तक का सबसे अच्छा बिक्री प्रदर्शन दर्ज किया, जिसमें पैसेंजर गाड़ियों, दोपहिया और तिपहिया वाहनों की सप्लाई में जबरदस्त दो-अंकों की बढ़ोतरी हुई।

सियाम के आंकड़ों के अनुसार, मैन्युफैक्चरर्स से डीलरों को घरेलू पैसेंजर गाड़ियों की आपूर्ति पिछले साल के इसी महीने में 3,40,772 यूनिट्स के मुकाबले 34.3 प्रतिशत बढ़कर जुलाई में 4,57,810 यूनिट्स हो गई।

वहीं, पिछले महीने दोपहिया वाहनों की बिक्री एक साल पहले के 15,69,120 यूनिट्स से 22.6 प्रतिशत बढ़कर 19,23,483 यूनिट्स हो गई, जबकि तिपहिया वाहनों की आपूर्ति में भी अच्छी बढ़ोतरी हुई और यह जुलाई 2025 में 69,403 यूनिट्स के मुकाबले 33.4 प्रतिशत बढ़कर 92,560 यूनिट्स हो गई।

# किसानों के लिए वरदान हैं 3 सरकारी योजनाएं मिलता है सालाना 5 लाख तक लोन का लाभ

विश्व केसरी

**नई दिल्ली।** किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए केंद्र सरकार कई योजनाएं संचालित कर रही है। इनमें कुछ ऐसी योजनाएं भी हैं जो किसानों को सीधे वित्तीय सहायता, वृद्धावस्था में पेंशन और खेती के लिए आसान ऋण जैसी सुविधाएं प्रदान करती हैं। हालांकि, जानकारी के अभाव में आज भी कई पात्र किसान इन योजनाओं का पूरा लाभ नहीं उठा पाते। ऐसे में अगर आप खेती करते हैं, तो आज हम आपको सरकार की तीन ऐसी योजनाओं के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपके बहुत काम आ सकती हैं।

दरअसल, हम किसानों से संबंधित जिन योजनाओं की बात कर रहे हैं वो हैं-प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना और किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), जो आपके लिए बड़े काम की साबित हो सकती हैं।

सबसे पहले बात करते हैं पीएम किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना की। पीएम-किसान देश की सबसे लोकप्रिय किसान योजनाओं में शामिल है। इस योजना के तहत पात्र भूमिधारक किसानों को हर वर्ष 6,000 रुपए की आर्थिक सहायता दी जाती है। यह राशि किसानों के बैंक खातों में 2,000 रुपए की तीन समान किस्तों में सीधे हस्तांतरित की जाती है।

योजना का उद्देश्य किसानों को खेती और घरेलू जरूरतों के लिए अतिरिक्त आर्थिक मदद उपलब्ध कराना है। इसका लाभ उन किसानों को मिलता है जिनके नाम पर खेती योग्य जमीन दर्ज है। योजना का पैसा प्राप्त करने के लिए ई-केवाईसी, आधार से बैंक खाते की लिंकिंग और भूमि रिकॉर्ड का सत्यापन अनिवार्य है।

पीएम-किसान योजना का लाभ केवल पात्र भूमिधारक किसान परिवारों को दिया जाता है। संस्थागत भूमिधारक इसके पात्र नहीं होते। इसके अलावा, जिन परिवारों में कोई सदस्य आयकरदाता है, उन्हें भी इस योजना का लाभ नहीं मिलता।

डॉक्टर, इंजीनियर, वकील, चार्टर्ड अकाउंटेंट और आर्किटेक्ट जैसे पंजीकृत पेशेवर भी योजना की अपात्र श्रेणी में आते हैं। इसलिए आवेदन से पहले पात्रता की शर्तों को समझना जरूरी है।

दूसरी योजना है-प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना। छोटे और सीमांत किसानों को बुढ़ापे में आर्थिक सुरक्षा उपलब्ध कराने के लिए केंद्र सरकार यह योजना संचालित करती है। इस योजना के तहत 60 वर्ष की आयु पूरी होने के बाद पात्र किसानों को प्रति माह 3,000 रुपए पेंशन दी जाती है।

योजना से जुड़ने के समय किसान की उम्र 18 से 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए और उसके पास अधिकतम 2 हेक्टेयर तक खेती योग्य भूमि होनी चाहिए। किसान को अपनी उम्र के अनुसार हर महीने 55 रुपए से 200 रुपए तक का योगदान करना होता है। खास बात यह है कि किसान जितनी राशि जमा करता है, उतनी ही राशि केंद्र सरकार भी उसके पेंशन खाते में योगदान के रूप में जमा करती है। इस योजना में पारिवारिक पेंशन का भी प्रावधान है। यदि पेंशन प्राप्त कर रहे किसान का निधन हो जाता है, तो उसके जीवनसाथी को नियमों के अनुसार पेंशन राशि का 50 प्रतिशत हिस्सा पारिवारिक पेंशन के रूप में दिया जाता है। इससे परिवार को भी आर्थिक सुरक्षा मिलती है।

# भारत का वस्तु निर्यात अगस्त में 26 प्रतिशत बढ़ा, व्यापार घाटे में आई कमी

विश्व केसरी

**नई दिल्ली।** भारत का वस्तु निर्यात अगस्त में सालाना आधार पर 26.1 प्रतिशत बढ़कर 43.81 अरब डॉलर हो गया है। यह निर्यात में देश का अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन है। यह इस बात की भी पुष्टि करता है कि देश का निर्यात क्षेत्र लगातार मजबूत प्रदर्शन कर रहा है। यह जानकारी सरकार की ओर से मंगलवार को दी गई।

इस दौरान देश के व्यापार घाटे में भी कमी देखने को मिली है, जो कि अगस्त में 26.86 अरब डॉलर पर रहा है, जो कि एक साल पहले समान अवधि में 27.22 अरब डॉलर पर था। इस साल जुलाई में व्यापार घाटा 32 अरब डॉलर था। अगस्त में वस्तु आयात सालाना आधार पर 26 प्रतिशत बढ़कर 72.67 अरब डॉलर पर रहा है, जो कि इस साल जुलाई में 76.22 अरब डॉलर था। मासिक आधार पर अगस्त में निर्यात में भी कमी दर्ज की गई है, जो कि जुलाई में 44.24 अरब डॉलर पर था। वाणिज्य मंत्रालय में सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा, 'निर्यात में बढ़ोतरी इंजीनियरिंग के सामान, पेट्रोलियम उत्पादों, केमिकल और टेक्सटाइल की वजह से हुई और इनकी सबसे ज्यादा मांग अमेरिका, ईयू और ब्रिक्स देशों से थी।'

आंकड़ों के मुताबिक, इस साल अगस्त में सोने का आयात गिरकर 2.3 अरब डॉलर रह गया, जो अगस्त 2025 के 5.4 अरब डॉलर के आंकड़े से आधे से भी कम था।

आरबीआई के इस महीने की शुरुआत में जारी आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में भारत का चालू खाता घाटा (सीएडी) 4.2 अरब डॉलर रहा। पश्चिमी एशिया संकट के कारण ग्लोबल मार्केट में तेल, एलपीजी और फर्टिलाइजर की कीमतें बढ़ने के बावजूद यह जीडीपी का 0.5 प्रतिशत बना रहा।

# दुबई जा रही स्पाइसजेट की उड़ानों में विलंब यात्रियों ने एयरपोर्ट पर किया हंगामा

विश्व केसरी

**नई दिल्ली।** दिल्ली से दुबई जा रही स्पाइसजेट की दो उड़ानों में लंबी देरी होने के कारण (एक उड़ान में 24 घंटे से अधिक की देरी) यात्रियों ने एयरपोर्ट पर हंगामा किया। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई।

एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, सोमवार सुबह 7:45 बजे उड़ान भरने वाली फ्लाइट एसजी 5111 के लिए कई बार देरी से उड़ने का ऐलान किया गया और खबर लिखे जाने तक यह उड़ान नहीं भर पाई थी, जो दिखाता है कि उड़ान में 24 घंटे से ज्यादा की देरी हो गई है।

हालांकि, अब फ्लाइट ट्रैकिंग प्लेटफॉर्म फ्लाइटरडार 24 पर यह उड़ान रद्द दिखाई दे रही है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि एक और फ्लाइट (एसजी 5105), जिसे सोमवार शाम 6:45 बजे दिल्ली से दुबई के लिए उड़ान भरनी थी, उसे मंगलवार दोपहर तक के लिए टाल दिया गया।

इसके अलावा, यात्रियों ने कहा कि उन्हें एयरलाइन से कोई ताजा जानकारी नहीं मिली। साथ ही, सोशल मीडिया पर एयरपोर्ट के वायरल वीडियो में फंसे हुए यात्रियों को टर्मिनल के फर्श पर बैठे और अपनी उड़ान के बारे में जानकारी मांगते हुए देखा गया।

रिपोर्ट के मुताबिक, सूत्रों ने बताया कि दिल्ली एयरपोर्ट के अधिकारियों ने प्रभावित यात्रियों को खाने-पीने की चीजें दीं और परेशानी के दौरान उनकी मदद की।

इसके अलावा, एक एक्स यूजर ने पोस्ट किया, 'ऑपरेशनल दिक्कतों की वजह से दुबई जाने वाली स्पाइसजेट की दो फ्लाइट्स में 24 घंटे से ज्यादा की देरी हुई, जिसके बाद दिल्ली एयरपोर्ट पर यात्रियों ने विरोध किया। फंसे हुए यात्री टर्मिनल के फर्श पर इंतजार करते रहे, जबकि अधिकारियों ने उन्हें खाना और ड्रिंक्स उपलब्ध कराए।'

स्पाइसजेट ने कहा कि देरी ऑपरेशनल दिक्कतों की वजह से हुई, क्योंकि उसका एक विमान ग्राउंड कर दिया गया था।

एयरलाइन ने एक बयान में कहा, 'एक विमान के ग्राउंड होने के बाद ऑपरेशनल कारणों से दिल्ली से दुबई जाने वाली स्पाइसजेट की फ्लाइट्स एसजी 5111 और एसजी 5105 में देरी हुई है।'

# हजारों साल तक हिन्दू और बौद्धों का देश था मालदीव, आज 100 % मुसलमान, बीच वैकेशन पर जाएं तो जरूर देखें सनातन संस्कृति के चिन्ह

जब भी कोई भारतीय मालदीव का प्लान बनाता है तो उसकी जेहन में लग्जरी रिसॉर्ट्स और खूबसूरत बीच ही होते हैं. लेकिन आपको जानकार हैरानी होगी कि मालदीव के द्वीपों में हजार साल पुराना सनातन इतिहास छुपा हुआ है. यह देश पहले हिन्दू और बौद्धों का देश था लेकिन करीब साढ़े 800 साल पहले यहां से बौद्धों का रक्तपात किया गया और पूरा देश में इस्लामिक संस्कृति के आगोश में समा गया. जब भी आप मालदीव जाएं तो इन ऐतिहासिक चिन्हों को जरूर देखें.

मालद्वीप 1200 टापूओं का देश है. इनमें कुछ पर ही मानव का बसेरा है. अगर समंदर का जलस्तर थोड़ा सा भी ऊंचा उठा तो यह देश समंदर में ही समा जाएगा. यहां की आबादी महज 4 लाख है. 12 वीं सदी में यहां इस्लाम का फैलना शुरू हुआ था. 1965 में यह देश अंग्रेजों से आजाद हुआ. पिछले कुछ सालों को छोड़ दें तो मालदीव हमेशा से भारत की छत्रछाया में ही रहा है. वर्तमान में मालदीव इस्लामी संस्कृति का 900वां सालगिरह मना रहा है. ऐसा लग रहा है कि यहां सदियों से यहां इस्लाम की ही जड़ें थीं. पर वास्तव में ऐसा है नहीं. आप जिस देश में बीच वेकेशन और खूबसूरत रिजॉर्ट का आनंद लेने जाते हैं दरअसल, वहां सनातन और बौद्ध धर्म की गहरी जड़ें मौजूद हैं. मालदीव का इतिहास कभी भी भारतीय संस्कृति से अलहदा नहीं हो सकता है. सनानत संस्कृति अपने प्रारंभ से ही वहां मौजूद थी. यहां तक कि सिंधु घाटी सभ्यता से भी मालदीव का तार जुड़ा हुआ है. इस स्टोरी का उद्येश्य यह है कि जब भी आप मालदीव जाते हैं तो वहां के समंदर किनारे की खूबसूरती और रिजॉर्ट की लग्जरी में हो खोए रहते हैं, कभी ध्यान नहीं आता कि यह देश भी हिन्दू और बौद्धों का ही था. इसलिए आज आपको हम इसके बारे में सारी तथ्यात्मक जानकारी दे रहे हैं ताकि जब आप वहां जाए तो अपनी संस्कृति के चिन्हों का दीदार करें.

माला की तरह पिरोए द्वीप

पहले जानते हैं कि मालदीव का नाम कैसे पड़ा. मालदीव का नाम पूरी तरह से संस्कृत शब्द से आया है. हालांकि मालदीव का प्राचीन नाम महिलाद्वीप था. ऐसा कहा जाता है कि महिला शासिकाओं द्वारा संचालित देश के कारण इसे महिलाद्वीप कहा जाता था. कुछ ग्रंथों में इसका नाम मालाशिखर भी है. अरब यात्री बाद में इसे दिवि या दीबात नाम दिया लेकिन जब यहां पर तमिल और चोल शासकों का प्रभाव हुआ तो इसे माले द्वीप कहा जाने लगा. यह शब्द संस्कृत और तमिल में लगभग समान है जिसका अर्थ है माला की तरह पिरोया एक द्वीपों का समूह. आज भी जब आप इसका नक्शा देखेंगे तो ऐसा लगेगा कि 1200 द्वीपों का यह समूह एक माला की तरह आकृति बनाता है. माला द्वीप अंतत: मालदीव बन गया.

सिंधुघाटी सभ्यता का हिस्सा

यह एक निर्विवाद और ऐतिहासिक तथ्य है कि 12वीं शताब्दी में इस्लाम के आने से पहले मालदीव मुख्य रूप से बौद्ध धर्म और उससे पूर्व प्राचीन हिंदू धर्म और उससे पहले सिंधु घाटी सभ्यता का हिस्सा था. 17वीं सदी में अल्लामा अहमद शहाबुद्दीन ने अरबी में लिखी अपनी किताब 'फी आथार मीधू अल-कादिमा' में लिखा था ।

# ऑस्ट्रेलिया के वैज्ञानिकों की बड़ी उपलब्धि, स्टेम सेल से तैयार किया हृदय वाल्व टिशू

**मेलबर्न।** ऑस्ट्रेलिया के वैज्ञानिकों ने चिकित्सा जगत में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। टीम ने स्टेम सेल से इंसानी हृदय के वाल्व जैसा ऊतक (टिशू) तैयार किया है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह तकनीक भविष्य में खासकर बच्चों में हृदय वाल्व से जुड़ी गंभीर बीमारियों के इलाज का नया रास्ता खोल सकती है।

सिन्हुआ न्यूज एजेंसी के अनुसार, मर्डोक चिल्ड्रन्स रिसर्च इंस्टीट्यूट (एमसीआरआई) के नेतृत्व में किए गए इस अध्ययन में प्रयोगशाला में तैयार किए गए हृदय वाल्व के ऊतक, मानव शरीर में मौजूद वाल्व की तरह बढ़ते और व्यवहार करते नजर आए। यह शोध 'सेल स्टेम सेल' पत्रिका में प्रकाशित हुआ है।

वैज्ञानिकों के मुताबिक, इस तकनीक से अब यह समझना आसान होगा कि इंसानी हृदय के वाल्व जन्म से लेकर वयस्क होने तक कैसे विकसित होते हैं और बीमारी या संक्रमण की वजह से उनमें किस तरह का बदलाव आता है।

एमसीआरआई की हार्ट रीजेनरेशन ग्रुप की टीम लीडर हॉली वोगेस ने कहा कि यह सफलता क्षतिग्रस्त हृदय वाल्व की मरम्मत के लिए ऐसे उपचार विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, जिनमें शरीर की अपनी कोशिकाओं का इस्तेमाल किया जा सके।

दुनिया भर में करीब 2.8 करोड़ लोग हृदय वाल्व की बीमारी से पीड़ित हैं। इसके पीछे जन्मजात समस्याएं, संक्रमण और उम्र के साथ वाल्व का कमजोर होना जैसे कई कारण हो सकते हैं। मौजूदा समय में क्षतिग्रस्त वाल्व को दोबारा स्वस्थ करने का कोई ऐसा उपचार नहीं है, जो बीमार को एकदम तंदुरुस्त कर दे। ऐसे में कई मरीजों को वाल्व बदलने की सर्जरी का सहारा लेना पड़ता है।

इस शोध की खास बात यह है कि वैज्ञानिकों ने तैयार किए गए ऊतक का इस्तेमाल रूमेटिक हार्ट डिजीज (आरएचडी) को समझने के लिए भी किया। जब शोधकर्ताओं ने आरएचडी से जुड़े सूजनकारी प्रोटीन इन ऊतकों के संपर्क में लाए, तो ऊतक कठोर हो गए और उनमें ऐसे जैविक संकेतक दिखाई दिए, जो रोगग्रस्त मानव हृदय वाल्व में पाए जाते हैं।

ऑस्ट्रेलिया में आरएचडी का असर वहां की स्वदेशी आबादी पर अपेक्षाकृत अधिक है। वैज्ञानिकों का कहना है कि नया प्रयोगशाला मॉडल इस बीमारी को समझने और भविष्य में इसके बेहतर उपचार विकसित करने में मदद कर सकता है।

एमसीआरआई के प्रोफेसर एंजो पोरेल्लो ने कहा कि भविष्य में इसी तकनीक से ऐसे हृदय वाल्व बनाए जा सकते हैं, जो मरीज के शरीर के साथ बढ़ें और बदलती जरूरतों के अनुसार खुद को ढाल सकें।

अगर यह तकनीक आगे के परीक्षणों में सफल रहती है, तो बच्चों के लिए इसका महत्व और भी बढ़ सकता है। वर्तमान वाल्व प्रत्यारोपण की एक बड़ी चुनौती यह है कि बच्चे के बढ़ने के साथ वाल्व को भी बदलने की जरूरत पड़ सकती है। वैज्ञानिकों की उम्मीद है कि स्टेम सेल से तैयार होने वाले वाल्व इस समस्या का समाधान देने में मदद कर सकते हैं।

# केला खाने का सही समय कौन सा? सुबह, खाली पेट या रात, जानिए क्या कहता है विज्ञान

बहुत से लोग केले को नाश्ते, वर्कआउट से पहले या बाद में और कभी-कभी रात की हल्की भूख के समय भी खा लेते हैं। इसको लेकर सोशल मीडिया में कई तरह की धारणाएं मौजूद हैं। कोई इसे सुबह खाली पेट खाने की सलाह देता है तो कोई रात में केला खाने को नुकसानदायक बताता है, लेकिन वैज्ञानिक नजरिए से देखें तो केले को खाने का कोई एक समय नहीं है। केला एक आम फल है, जो कार्बोहाइड्रेट, फाइबर, पोटैशियम और विटामिन बी6 जैसे पोषक तत्वों से भरपूर है। इसे आप अपनी सहूलियत और शरीर की जरूरत के हिसाब से खा सकते हैं।

अमेरिकी नेशनल इंस्टीट्यूट्स ऑफ हेल्थ के अनुसार , एक केले में करीब 422 मिलीग्राम पोटैशियम और 0.4 मिलीग्राम विटामिन बी6 होता है। पोटैशियम नसों और मांसपेशियों के काम और शरीर में पानी के संतुलन के लिए जरूरी है, जबकि विटामिन बी6 प्रोटीन के इस्तेमाल और कई एंजाइम संबंधी प्रक्रियाओं में मदद करता है। केले में कार्बोहाइड्रेट भी अच्छी मात्रा में होता है। इसी वजह से जिम जाने वाले और खिलाड़ी इसे स्नैक के तौर पर खाना पसंद करते हैं। इससे तुरंत ऊर्जा मिलती है, लेकिन सिर्फ केला खाने से शरीर की सभी पोषक जरूरतें पूरी नहीं होंगी। इसे संतुलित भोजन का एक हिस्सा मानना बेहतर है।

अगर खाली पेट केला खाना सही है या गलत, तो अगर किसी को सुबह केला खाने से कोई परेशानी नहीं होती, तो इसे नाश्ते में शामिल किया जा सकता है। वहीं जिन लोगों को खाली पेट फल खाने के बाद पेट फूलने या भारीपन जैसी समस्या महसूस होती है, वे ब्रेड, ओट्स या दही के साथ ले सकते हैं।

# सिर्फ स्वाद नहीं, सेहत का आधार है आयुर्वेद आहार, आयुष मंत्रालय ने बताया महत्व

आज के समय में लोग अपने खान-पान को लेकर पहले से ज्यादा जागरूक हो रहे हैं। क्या खाना चाहिए, किस तरह का भोजन हमारी दिनचर्या का हिस्सा होना चाहिए और पारंपरिक खान-पान को किस नजरिए से देखा जाए, इन सवालों पर लोगों की दिलचस्पी बढ़ रही है। ऐसे में आयुर्वेद आहार की अवधारणा को समझना जरूरी हो जाता है।

आयुष मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि आयुर्वेद आहार यानी ऐसा आहार, जिसकी अवधारणा आयुर्वेद के सिद्धांतों और पारंपरिक ज्ञान से जुड़ी है। इसे समझने के लिए केवल भोजन पर ध्यान देना काफी नहीं है। इसके साथ हमारी परंपरा और भोजन से जुड़े तय मानकों को भी समझना जरूरी है।

आयुर्वेद आहार के लिए एक निर्धारित नियामक व्यवस्था भी मौजूद है। खाद्य सुरक्षा और मानक (आयुर्वेद आहार) विनियम, 2022 के तहत आयुर्वेद आहार के लिए एक नियामक ढांचा तैयार किया गया है। इसमें श्रेणी ए की व्यवस्था भी शामिल है। इसका उद्देश्य आयुर्वेद आहार के उत्पादन और उससे जुड़ी जानकारी को एक व्यवस्थित और जिम्मेदार ढांचे में लाना है।

आयुर्वेद आहार को आसान भाषा में समझने के लिए तीन बातें सबसे महत्वपूर्ण हैं- आहार, परंपरा और मानक।

पहला है आहार। इसका सीधा मतलब है कि हम क्या खाते और पीते हैं। हमारे रोजमर्रा के भोजन में शामिल सभी चीजें हमारी आहार व्यवस्था का हिस्सा हैं। आयुर्वेद में भोजन को केवल भूख मिटाने का साधन नहीं माना जाता, बल्कि खान-पान और जीवनशैली को भी महत्वपूर्ण माना गया है।

दूसरा है परंपरा। भारत में भोजन से जुड़ा ज्ञान और तरीके सदियों से एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुंचते रहे हैं। अलग-अलग इलाकों में मौसम, स्थानीय उपलब्धता और पारंपरिक ज्ञान के आधार पर भोजन तैयार करने और खाने के अलग-अलग तरीके देखने को मिलते हैं।

यही पीढ़ियों से चला आ रहा ज्ञान आयुर्वेद आहार को समझने में अहम भूमिका निभाता है। तीसरा है मानक।

किसी भी खाद्य पदार्थ के उत्पादन और उसके बारे में लोगों तक सही जानकारी पहुंचाने के लिए स्पष्ट नियम और जिम्मेदार व्यवस्था जरूरी होती है। मानक इसी व्यवस्था का आधार हैं। ये भोजन के उत्पादन और उससे जुड़ी जानकारी को एक तय ढांचे के भीतर रखने में मदद करते हैं।

# सांस की सेहत का रखें ख्याल, धूल-धुएं से बचाव के साथ अपनाएं ये आसान उपाय

हवा में बढ़ता धुआं, धूल और पार्टिकुलेट प्रदूषण सिर्फ बाहर निकलने में परेशानी नहीं पैदा करता, बल्कि सांस से जुड़ी दिक्कतों को भी बढ़ा सकता है। खासकर बच्चों, बुजुर्गों और पहले से अस्थमा या किसी दूसरी सांस की बीमारी से जूझ रहे लोगों को प्रदूषित हवा में ज्यादा सावधानी बरतने की जरूरत होती है। ऐसे में थोड़ी सी सतर्कता और रोजमर्रा की कुछ आसान आदतें सांस की सेहत को बेहतर रखने में मदद कर सकती हैं।

आयुष मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि हवा में मौजूद धूल, धुआं और बारीक कण सांस के साथ शरीर के अंदर पहुंच सकते हैं। इससे कुछ लोगों में खांसी, गले में खराश, नाक बंद होना, सांस लेने में परेशानी या घरघराहट जैसी दिक्कतें बढ़ सकती हैं।

इसके अलावा, ईएनएसओ से जुड़ी सूखे की परिस्थितियां कुछ क्षेत्रों में जंगलों में आग और धूल भरी आंधियों का खतरा बढ़ा सकती हैं। इससे हवा में धुआं और पार्टिकुलेट प्रदूषण बढ़ने पर सांस की समस्याएं और परेशान कर सकती हैं। इसलिए बच्चों और बुजुर्गों के साथ-साथ पहले से सांस की बीमारी वाले लोगों को खास सावधानी रखनी चाहिए।

सांस और गले को आराम देने के लिए दिनभर पर्याप्त मात्रा में पानी पीना जरूरी है। बहुत ठंडे पानी की जगह गुनगुना पानी या हर्बल इन्फ्यूजन लिया जा सकता है। इससे शरीर हाइड्रेटेड रहता है और गले में होने वाली सूखापन या खराश में कुछ राहत मिल सकती है।

हल्की सर्दी-जुकाम या खांसी में कुछ पारंपरिक घरेलू उपाय भी आजमाए जाते हैं। जैसे सूखी अदरक यानी सोंठ को गुड़ के साथ लेना, हल्दी वाला दूध या तुलसी के रस में शहद मिलाकर लेना। हालांकि, ये उपाय लक्षणों में राहत के लिए हो सकते हैं।

# गमले में उगाएं शिमला मिर्च, फिर ऐसे करें देखभाल, मिलेगी भरपूर पैदावार

ऑर्गेनिक सब्जियों को घर की छत या बालकनी में आसानी से उगाया जा सकता है. शहरों में इसका चलन तेजी से बढ़ा है. दो माह बाद ठंड का सीजन आने वाला है. यही समय है घर पर गमले में शिमला मिर्च लगाने का. पौधरोपण के बाद 50-60 दिनों में इसकी हार्वेस्टिंग की जा सकती है. अगर आप भी बाजार की केमिकल वाली शिमला मिर्च नहीं खरीदना चाहते तो इसे घर पर गमले में उगाएं. सही तकनीक और सही देखभाल करेंगे तो पौधा शिमला मिर्च से लद जाएगा. इसके लिए पौध कैसे तैयार करते हैं, मिट्टी कैसे बनाते हैं, कौन सी खाद डालनी चाहिए, आइये जानते हैं हर सवाल का जवाब...

भारत में शिमला मिर्च साल में मुख्य रूप से तीन अलग-अलग समय पर लगाई जाती है. नवंबर-दिसंबर में, फरवरी-मार्च में या फिर जून से जुलाई या अगस्त-सितंबर में इसे लगा सकते हैं. पूरे साल किचन में शिमला मिर्च की जरूरत पड़ती है. हर मौसम में सब्जियों का स्वाद दोगुना कर देती है. पिज्जा-नूडल्स और सैंडविच में असली स्वाद शिमला मिर्च ही लाती है. इसे उगाने के लिए बड़े बगीचे की जरूरत नहीं है. घर की छत या बालकनी में गमले में इसे आप आसानी से उगा सकते हैं. पोषक तत्वों से भरपूर मिट्टी, पर्याप्त धूप, पानी और समय पर जैविक खाद डालेंगे तो भरपूर पैदावार ले सकेंगे. आइये जानते हैं कि इसकी पौध कैसे तैयार करते हैं. भरपूर पैदावार के लिए कौन सी खाद चाहिए होती है.

गमले में शिमला मिर्च उगाने के लिए ना तो बहुत ज्यादा गर्मी होनी चाहिए और ना ही बहुत ज्यादा सर्दी. इंद्र, आशा और हंटिंगटन शिमला मिर्च की सबसे अच्छी वैराइटी मानी जाती हैं. बाजार से अच्छी क्वालिटी के बीज लाइये. आप इन्हें लोकल मार्केट से खरीद लें या फिर ऑनलाइन मंगवालें. बीज लाकर 3-4 इंच गहरे कंटेनर में लगाएं. सीडलिंग मिक्स की मिट्टी तैयार करने के लिए 50 परसेंट वर्मि कंपोस्ट और 50 परसेंट कोकोपीट लें. अब इस मिश्रण को सीडलिंग मिक्स या कंटेनर में डाल दें. अंगुलि से एक इंच के गड्ढे बनाएं और उनमें बीज डाल दें. बीज के ऊपर सीडलिंग मिक्स से कवर कर दें और पानी दे दीजिए. शिमला मिर्च के बीजों को उगने में 7-14 दिन का समय लगता है.

आप चाहें तो सीधे बड़े गमले में भी बीज लगा सकते हैं. 20-25 दिन में पौधे बड़े हो जाते हैं. अब इन्हें बड़े गमलों में लगा लें. इसके लिए गमले या ग्रो बैग का साइज 12-15 इंच होना चाहिए. गमले में ड्रेनेज होल होना चाहिए. गमले या ग्रो बैग के लिए मिट्टी वेल-ड्रेन होनी चाहिए यानी उसमें पानी नहीं रुकना चाहिए. इसके लिए 30 परसेंट बगीचे की मिट्टी, 30 परसेंट वर्मि कंपोस्ट और 30 परसेंट कोकोपीट/रेत होना चाहिए. इसके अलावा इसमें 200 ग्राम नीम खली और 200 ग्राम सरसों की खली मिला लें. साथ ही ऑर्केनिक रॉक फास्फेट (कैल्शियम पाउडर) मिला लें. सबको मिलाकर ग्रो बैग में भर लें और पौधों को इसमें लगा दें और भरपूर पानी दें.

पौधे को ग्रो बैग या बड़े गमले में लगाने के बाद हर 10-15 दिन में गमले की निराई-गुड़ाई करते रहें।

दिशा सालियान केस

# दिशा सालियान केस में नाम आने पर सूरज पंचोली ने तोड़ी चुप्पी

## बोले- मैं दिशा से कभी नहीं मिला, मेरे पास छुपाने के लिए कुछ नहीं

**मुंबई** | सेलिब्रिटी मैनेजर दिशा सालियान की मौत का मामला दिन-ब-दिन नया मोड़ लेता जा रहा है और धीरे-धीरे इंडस्ट्री के लोगों का नाम भी सामने आ रहा है। अब इस बीच अभिनेता सूरज पंचोली का नाम भी जोड़ा जा रहा है, जिस पर अभिनेता ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। सूरज पंचोली ने इंस्टाग्राम पर एक नोट शेयर करते हुए साफ किया कि दिशा से न उनकी पहले मुलाकात हुई और न ही उनके पास कुछ भी छुपाने के लिए है।

### सोशल मीडिया पर शेयर किया नोट

सूरज पंचोली ने अपने नोट में लिखा, "मैंने यह बात सामने रखने का फैसला इसलिए किया क्योंकि मुझे लगता है कि कुछ फैक्ट्स को पब्लिक डोमेन में साफ-साफ रखना जरूरी है। पिछले कुछ सालों से, मेरा नाम अलग-अलग मीडिया रिपोर्ट्स और बयानों के जरिए दिशा सालियान की दुर्भाग्यपूर्ण मौत से जुड़े कॉन्ट्रोवर्सी में घसीटा जा रहा है। मैं साफ-साफ कहना चाहता हूं कि मैं अपनी जिंदगी में कभी भी लेट दिशा सालियान से नहीं मिला हूं और न ही आदित्य ठाकरे से मिला हूं।'

> "मेरे पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है! अगर किसी जांच एजेंसी को लगता है कि उन्हें मुझसे फिर से पूछताछ करने या मुझसे कोई और जानकारी चाहिए, तो मैं पूरी तरह से सहयोग करने और किसी भी जांच के लिए खुद को उपलब्ध कराने के लिए तैयार हूं।"
> – सूरज पंचोली, अभिनेता

### सीबीआई जांच का समर्थन

अभिनेता ने आगे लिखा, "मैं दिशा सालियान की दुर्भाग्यपूर्ण मौत के आसपास के हालात की निष्पक्ष और पूरी सीबीआई जांच का पुरजोर समर्थन करता हूं। आदित्य पंचोली ने भी इस मामले की सही से जांच करने की बात कही है और सभी से इस तरह की अफवाहों से बचने की सलाह दी है।"

### अफवाहों पर न करें भरोसा

उन्होंने कहा, "एक हेडलाइन सबूत नहीं है, एक बहस सबूत नहीं है, कोई टेलीविजन पर कुछ कहता है तो वह तथ्य नहीं बन जाता। कृपया किसी के जीवन और चरित्र के बारे में राय बनाने से पहले चीजों को सत्यापित करें। मुझे कानून और जांच एजेंसियों पर भरोसा है और मुझे विश्वास है कि सच्चाई सामने आएगी। तथ्यों, जांच और सच को बोलने दो। जय हिंद।'

**कौन-कौन हैं विवाद में?**
दिशा सालियान विवाद के सिलसिले में जिन नामों पर चर्चा हो रही है, उनमें सूरज पंचोली, आदित्य ठाकरे, डिनो मोरिया और रिया चक्रवर्ती जैसे नाम शामिल हैं।

# गणेश चतुर्थी पर डेजी शाह ने किया बप्पा का स्वागत, कहा-आध्यात्मिक होना बहुत जरूरी है

विश्व केसरी

**मुंबई।** अभिनेत्री डेजी शाह ने गणेश चतुर्थी के अवसर पर अपने घर में गणपति बप्पा का स्वागत किया। अभिनेत्री का मानना है कि यह त्योहार उनके घर में सकारात्मकता लाता है। साथ ही भगवान गणेश के आगमन से उनके घर का माहौल अच्छा बन जाता है।

अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में गजानन महाराज की पूजा के बारे में बताते हुए कहा, 'बप्पा वहीं हैं, हम भी वहीं हैं। बस भावनाएं और खुशियां नई हैं। जब भी बप्पा घर आते हैं तो हमें लगता है कि घर में एक अलग ही वाइब है, सब कुछ अच्छा लगने लगता है।

अभिनेत्री डेजी शाह ने बताया कि गणपति की मूर्ति उनके घर में सिर्फ डेढ़ दिन के लिए रहती है। वह बप्पा के लिए काफी खास पकवान बनवाती हैं। उन्होंने कहा, 'गुजराती में हम एक लड्डू बनाते हैं, जो गेहूं के आटे और गुड़ से बनता है। हर साल हम इसे बप्पा के लिए बनाते हैं और क्योंकि बप्पा सिर्फ डेढ़ दिन के लिए आते हैं, हम यह ध्यान रखते हैं कि जो भी भक्त हमारे घर आते हैं, उन्हें वही घर का बना प्रसाद मिले जो हम बाबा के लिए बनाते हैं।'

डेजी शाह ने कहा, 'आध्यात्मिक होना बहुत जरूरी है। अगर और कुछ नहीं, तो आपकी सोच, नजरिया मायने रखता है। अगर कोई आपको ट्रोल करता है, तो आप उसे इग्नोर करके चुप करा सकते हैं और अगर आप जवाब देना चाहते हैं तो आप अपना पक्ष रख सकते हैं और बता सकते हैं कि आप सही हैं या गलत।'

अभिनेत्री डेजी शाह की बात करें तो वह हाल ही में रियलिटी शो 'अलायंस' में नजर आई थीं। वह शो की एक दमदार प्रतियोगी थीं, जो काफी हद तक विवादों से दूर रहीं थीं। उन्होंने खेल में खुद को बचाए रखने के लिए दोनों पक्षों के साथ रणनीति के तहत तालमेल बैठाया और इस बात का बचाव करते हुए कहा कि इससे उनके गेम को फायदा हुआ।

# सुनीता आहूजा ने गणपति स्थापना पर किया खुलासा, बताया बेटे के साथ फिल्म में आएंगी नजर

विश्व केसरी

**मुंबई।** अभिनेता गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा ने गणेश चतुर्थी के अवसर पर अपने घर में गणपति महाराज का स्वागत किया। उनका कहना है कि इस प्रथा की शुरुआत गोविंदा की मां ने की थी, जिसे वे आगे बढ़ा रही हैं। साथ ही, सुनीता ने यह भी खुलासा किया कि वे अपने बेटे के साथ एक फिल्म में नजर आएंगी।

सुनीता आहूजा ने मीडिया संग बातचीत में गणेश चतुर्थी मनाने के पीछे की वजह बताई। उन्होंने कहा, 'गणेश चतुर्थी पर्व मनाना मेरी सास ने हमारे पुराने ऑफिस से शुरू किया था। तब से यह प्रथा चली आ रही है, तो मैंने सोचा कि जब तक जीवित हूं, तब तक तो गजानन को घर पर लेकर आऊंगी। अब ये प्रथा चलती रहेगी क्योंकि गणेश भगवान हमारे प्रथम देवता हैं, उनसे बढ़कर कोई नहीं है। सुनीता आहूजा ने बताया कि पिछले एक साल से लेकर अब तक बप्पा उन पर काफी मेहरबान रहे। उन्होंने कहा, 'आखिरी साल मैंने यूट्यूब शुरू किया था और इस बार मैंने दो शोज किए हैं, जिनमें 'मां है ना' और 'लॉकअप-2' शामिल है।

# 'डेविड रेड्डी' में राम्या कृष्णन का खूंखार अवतार, कमला रेड्डी के किरदार में आएंगी नजर

विश्व केसरी

**मुंबई।** साउथ सिनेमा की दिग्गज एक्ट्रेस राम्या कृष्णन एक बार फिर अपने दमदार अंदाज से स्क्रीन पर छाने की तैयारी में हैं। मांचू मनोज की अपकमिंग पीरियड एक्शन ड्रामा फिल्म 'डेविड रेड्डी' से उनका फर्स्ट लुक सामने आया है और इस लुक में वह काफी इंटेंस और खतरनाक अंदाज में नजर आ रही हैं। मेकर्स ने राम्या का यह लुक उनके जन्मदिन के मौके पर जारी किया है।

फिल्म में राम्या कमला रेड्डी नाम का किरदार निभा रही हैं। उनके फर्स्ट लुक ने फिल्म की कहानी और उनके रोल को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा दी है।

फिल्म के लीड एक्टर मांचू मनोज ने इंस्टाग्राम पर राम्या कृष्णन का फर्स्ट लुक पोस्टर शेयर करते हुए उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने लिखा, ''ये लुक और पूरा फ्रेम उन्हीं का है, शानदार... राम्या कृष्णन को जन्मदिन की शुभकामनाएं। आपकी मौजूदगी, आपकी एनर्जी और किसी सीन पर आपकी पकड़... आपके साथ स्क्रीन शेयर करना मेरे लिए सम्मान की बात है।''

मांचू मनोज ने अपने पोस्ट में आगे कमला रेड्डी के किरदार को इंट्रोड्यूस करते हुए लिखा, ''आज राम्या के जन्मदिन के मौके पर हमारी खूंखार कमला रेड्डी को दुनिया के सामने पेश कर रहे हैं। बस तब तक इंतजार कीजिए, जब तक आप उन्हें एक्शन में नहीं देखते।''

'डेविड रेड्डी' में राम्या कृष्णन के अलावा यूक्रेनी मॉडल और एक्ट्रेस मारिया रियाभोशपका भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। मेकर्स पहले ही उनका किरदार क्लारा व्हिटमोर रिवील कर चुके हैं। मांचू मनोज ने मारिया का फिल्म में स्वागत किया था। उन्होंने लिखा था, ''फिल्म 'डेविड रेड्डी' की इंटेंस दुनिया में क्लारा व्हिटमोर के रूप में फिल्म की लीडिंग लेडी की एंट्री हो गई है। क्लारा का प्यार ही उसका युद्ध है। इस किरदार को मारिया के जरिए स्क्रीन पर देखने के लिए एक्साइटेड हूं।''

फिल्म को एक बड़े पैन-इंडिया हिस्टोरिकल एक्शन ड्रामा के तौर पर बनाया जा रहा है। 'डेविड रेड्डी' की कहानी 1897 से 1922 के बीच की पृष्ठभूमि पर सेट है।

# 'मां के बिना जिंदगी', सांवी के किरदार को समझने के लिए जान्हवी सोनी ने दोस्त की कहानी से ली मदद

विश्व केसरी

**मुंबई।** टीवी एक्ट्रेस जान्हवी सोनी इन दिनों अपने नए शो 'सयोनी' को लेकर चर्चा में हैं। शो में वह सांवी नाम की एक ऐसी लड़की का किरदार निभा रही हैं, जिसकी जिंदगी मां के प्यार के बिना गुजरी है।

सांवी का किरदार उनके लिए आसान नहीं था, क्योंकि इसमें एक ऐसी लड़की की भावनाओं को समझना था, जिसने बचपन से ही मां के साथ का अनुभव नहीं किया। हालांकि, इस किरदार को समझने के लिए जान्हवी को अपने आसपास ही एक ऐसी कहानी मिल गई, जिससे वह काफी हद तक जुड़ पाईं।

अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए जान्हवी ने कहा, ''मैंने खुद सांवी जैसी स्थिति का सामना नहीं किया है, लेकिन मेरी एक करीबी दोस्त बचपन से अपनी मां के बिना बड़ी हुई है। वह अपनी मौसी को ही मां की तरह मानती हैं और दोनों के बीच के रिश्ते को मैंने बहुत करीब से देखा है। ऐसे में मेरे मन में अक्सर यह सवाल आता था कि बचपन में स्कूल जाने, एग्जाम देने या जिंदगी के खास पलों को मां के बिना जीना मेरी दोस्त के लिए कैसा रहता होगा। 'सयोनी' में सांवी की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। वह एक अनाथालय में पली-बढ़ी है और बचपन से मां के प्यार और परिवार के उस अपनापन से दूर रही है, जिसकी जरूरत हर बच्चे को होती है। हालांकि, उसकी जिंदगी में उसकी मौसी एक अहम जगह रखती हैं। समय के साथ मौसी ही उसके लिए मां जैसी बन जाती हैं और उसकी सबसे बड़ी इमोशनल सपोर्ट बनती हैं।

जान्हवी ने कहा, ''अनाथालय में रहने वाले बच्चों के लिए भी कभी-कभी कोई एक ऐसा व्यक्ति बेहद खास बन जाता है, जिससे वे दिल से जुड़ जाते हैं। वह इंसान उनके लिए परिवार जैसा बन जाता है और उन्हें सुरक्षा, अपनापन और भावनात्मक सहारा देता है। सांवी के किरदार को समझते समय मैंने इसी भावना को पकड़ने की कोशिश की। किरदार की तैयारी के बारे में जान्हवी ने कहा, ''मैंने अपनी दोस्त की जिंदगी में जो कुछ देखा और समझा, उसे सांवी के किरदार से जोड़ने की कोशिश की। दोस्त के अनुभव को करीब से देखने की वजह से मैं सांवी के इमोशंस तक पहुंच पाईं और समझ सकीं कि उसके लिए मां जैसी शख्सियत को ढूंढना इतना जरूरी क्यों है।

# जैकलीन फर्नांडिस को मकोका केस में आरोपी बनाया जाएगा या नहीं, राउज एवेन्यू कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

विश्व केसरी

**नई दिल्ली।** अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस की मुश्किलों से जुड़ा 200 करोड़ रुपए का मामला एक बार फिर चर्चा में है। सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े मकोका केस में जैकलीन को आरोपी बनाए जाने की मांग वाली अर्जी पर राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई पूरी हो गई है और अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है।

इससे पहले अदालत ने इस मांग पर दिल्ली पुलिस से जवाब मांगा था। मौजूदा मामले में जैकलीन अभी मकोका केस की आरोपी नहीं हैं।

दरअसल, 200 करोड़ रुपए के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जैकलीन पहले से आरोपी हैं और मई 2026 में दिल्ली की अदालत ने उनके खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया था। वहीं, इसी से जुड़े जबरन वसूली और मकोका मामले में सुकेश और अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोप तय किए गए थे। उस समय उपलब्ध अदालत संबंधी रिपोर्टों में जैकलीन को मामले में आरोपी नहीं बताया गया था।

नई अर्जी में मांग की गई कि जैकलीन को भी मकोका मामले में आरोपी बनाया जाए। 7 सितंबर को राउज एवेन्यू कोर्ट ने इस मांग पर दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा से जवाब मांगा था।

यह पूरा मामला सुकेश चंद्रशेखर पर लगे 200 करोड़ रुपए की कथित जबरन वसूली के आरोप से शुरू हुआ था। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, रैनबैक्सी के पूर्व प्रमोटर शिविंदर सिंह की पत्नी अदिति सिंह से जेल में बंद सुकेश ने कथित तौर पर खुद को एक बड़े सरकारी अधिकारी के रूप में पेश किया था।

# इशिता दत्ता ने बच्चों के साथ किया गणपति सेलिब्रेशन, बोलीं- 'उनकी खुशी इन पलों को और खास बना देती है'

विश्व केसरी

**मुंबई।** 'दृश्यम' एक्ट्रेस इशिता दत्ता अपने पति वत्सल सेठ और बच्चों वायु और वेदा के साथ गणपति उत्सव मना रही हैं। बच्चों के साथ त्योहार सेलिब्रेट करने को लेकर वह काफी एक्साइटेड हैं। उनका कहना है कि जब घर में बच्चे होते हैं तो त्योहार का मजा ही अलग हो जाता है। उनकी खुशी, उत्साह और मासूमियत पूरे सेलिब्रेशन को और खास बना देती है।

इशिता ने पति वत्सल सेठ और बच्चों के साथ गणेश चतुर्थी मनाने के अनुभव को शेयर करते हुए कहा, ''बच्चों के साथ त्योहार मनाने से हर चीज ज्यादा एक्साइटिंग लगती है। उनका उत्साह देखकर खुद भी त्योहार को लेकर खुशी और बढ़ जाती है। मुझे अच्छा लगता है कि मैं वायु और वेदा के साथ इन त्योहारों को सेलिब्रेट कर पाती हूं और उनके लिए इन मौकों को खास बना पाती हूं।''

इशिता ने कहा, ''आजकल हर कोई अपनी जिंदगी में काफी बिजी है। ऐसे में

त्योहार एक ऐसा मौका बनकर आते हैं, जब परिवार के लोग अपनी रोजमर्रा की भागदौड़ से थोड़ा ब्रेक ले सकते हैं और साथ में क्वालिटी टाइम बिता सकते हैं। मेरे लिए यही छोटे-छोटे फैमिली मोमेंट्स सबसे ज्यादा मायने रखते हैं।''

गणेश चतुर्थी को लेकर अपनी फीलिंग्स बताते हुए इशिता ने कहा, ''बप्पा का घर में आना मेरे लिए हमेशा से बहुत खास रहा है। गणपति बप्पा के आगमन के साथ घर का माहौल पॉजिटिव हो जाता है। चारों तरफ एक अलग तरह की एनर्जी महसूस होती है और मन में शांति आती है। यह त्योहार मुझे अपनी जिंदगी में मौजूद अच्छी चीजों के लिए शुक्रगुजार होने का भी मौका देता है।''

एक्ट्रेस ने कहा, ''मैं हर साल बप्पा के आशीर्वाद का इंतजार करती हूं। इस दौरान मैं अपने परिवार और सभी लोगों के लिए खुशी, अच्छी सेहत, शांति और पॉजिटिविटी की कामना करती हूं। गणेश चतुर्थी जैसे त्योहार हमें जिंदगी की भागदौड़ के बीच उन लोगों और रिश्तों की अहमियत समझाते हैं, जो हमारे लिए सबसे ज्यादा खास हैं।''

वर्कफ्रंट की बात करें तो इशिता दत्ता के लिए यह साल काफी बिजी रहा है। वह फिल्म 'घमासान' में नजर आ चुकी हैं और अब चर्चित फ्रेंचाइजी 'दृश्यम' के तीसरे पार्ट यानी 'दृश्यम 3' में अपने किरदार के साथ वापसी करने वाली हैं। फिल्म का निर्देशन अभिषेक पाठक कर रहे हैं।

# मॉस्को के साथ 'संयुक्त सहयोग' बढ़ाएगा उत्तर कोरिया

विश्व केसरी■

**सोल।** उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को भेजे एक संदेश में कहा है कि उनका देश मॉस्को के साथ 'संयुक्त सहयोग' को और बढ़ाएगा तथा उसे और गहरा करेगा। यह बयान ऐसे समय आया है जब दोनों देशों के बीच सैन्य और आर्थिक संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं।

उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी केसीएनए के अनुसार, किम जोंग-उन ने 9 सितंबर को उत्तर कोरिया की स्थापना की 78वीं वर्षगांठ के मौके पर पुतिन की ओर से भेजे गए बधाई संदेश के जवाब में उन्हें धन्यवाद दिया।

पत्र में कहा गया कि उत्तर कोरिया की इच्छा पूरी तरह स्पष्ट और मजबूत है कि वह रूस के साथ अपने संयुक्त सहयोग को हर क्षेत्र में और आगे बढ़ाए। यह सहयोग दोनों देशों के बीच लंबे समय से चली आ रही दोस्ती, पड़ोसी संबंधों, आपसी मदद और मजबूत गठबंधन पर आधारित है। हालांकि किम ने यह साफ नहीं किया कि 'संयुक्त सहयोग' से उनका क्या मतलब है, लेकिन माना जा रहा है कि यह उत्तर कोरिया और रूस के बीच बढ़ते सैन्य और आर्थिक सहयोग की ओर इशारा करता है।

केसीएनए के अनुसार, किम ने कहा कि दोनों देश कठिन अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के बीच भी अपने गठबंधन के इतिहास का एक नया अध्याय लिख रहे हैं। उन्होंने यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस को अपना अटल समर्थन जारी रखने का भी भरोसा दिया।

जून 2024 में राष्ट्रपति पुतिन की प्योंगयांग यात्रा के दौरान उत्तर कोरिया और रूस ने एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी संधि पर हस्ताक्षर किए थे। इस समझौते के तहत अगर किसी एक देश पर हमला होता है, तो दूसरा देश बिना देरी के सैन्य सहायता प्रदान करेगा। यूक्रेन युद्ध में रूस की मदद के लिए उत्तर कोरिया पहले ही हजारों सैनिक और पारंपरिक हथियार भेज चुका है। इसी बीच, इस महीने की शुरुआत में उत्तर कोरिया और रूस ने तुमेन नदी पर बने एक नए सड़क पुल को भी खोल दिया। उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया ने इसे दोनों देशों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को 'नई ऊर्जा' देने वाला महत्वपूर्ण ढांचा बताया। पुल के उद्घाटन समारोह का आयोजन उत्तर कोरिया के रासोन और रूस के खासन में किया गया। इस कार्यक्रम में उत्तर कोरिया के प्रधानमंत्री पाकथे-सोंग और रूस के प्रधानमंत्री मिखाइल मिशुस्टिन ने वर्चुअल माध्यम से हिस्सा लिया। इस पुल का निर्माण अप्रैल 2025 में शुरू हुआ था। इसकी योजना जून 2024 में प्योंगयांग में हुई किम जोंग-उन और व्लादिमीर पुतिन की शिखर बैठक के बाद बनाई गई थी।

केसीएनए के मुताबिक, यह पुल विभिन्न प्रकार के वाहनों और लोगों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करेगा। साथ ही यह दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग को मजबूत करने, लोगों के आदान-प्रदान, पर्यटन और व्यापार को बढ़ावा देने में मदद करेगा। प्रधानमंत्री पाकथे-सोंग ने इस पुल को दोनों देशों की दोस्ती का 'नया प्रतीक' बताया। उन्होंने कहा कि इससे द्विपक्षीय सहयोग को नई गति मिलेगी।

# अमेरिका टैरिफ को लेकर ब्राजील और यूएस के साथ बातचीत के लिए तैयार

विश्व केसरी■

**रियो डी जेनेरो।** अमेरिकी टैरिफ को लेकर ब्राजील और अमेरिका के बीच जल्द ही बातचीत होने की संभावना है। ब्राजील के अधिकारियों के अनुसार, यह बैठक सितंबर के आखिर में हो सकती है।

ब्राजील के विकास, उद्योग, व्यापार और सेवाएं मंत्री मार्सियो एलियास रोजा ने सोमवार (स्थानीय समय के अनुसार) कहा कि वह 30 सितंबर से एक अक्टूबर तक अमेरिका में होने वाली जी20 मंत्रिस्तरीय बैठक के दौरान अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर से मुलाकात कर सकते हैं।

रोजा ने पत्रकारों से कहा, 'बातचीत के रास्ते खुले हैं और ब्राजील बातचीत के लिए तैयार है।' उन्होंने कहा कि ब्राजील अपने उद्योगों, कंपनियों और कर्मचारियों के हितों की रक्षा करेगा, लेकिन साथ-साथ संवाद भी जारी रखेगा। यह नई बातचीत अगस्त में ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुई फोन बातचीत के बाद शुरू हुई चर्चाओं का अगला चरण है। मार्सियो एलियास रोजा ने कहा कि ब्राजील उन एकतरफा टैरिफों का विरोध करता है जिन्हें वह अनुचित मानता है। हालांकि, उसका इरादा अपनी अर्थव्यवस्था को बंद करने या व्यापार युद्ध शुरू करने का नहीं है। उन्होंने कहा, 'ब्राजील बहुपक्षीय सहयोग, बातचीत और वार्ता में विश्वास रखता है। हम इन सिद्धांतों को नहीं छोड़ेंगे।'

फिलहाल अमेरिका ने कुछ ब्राजीली उत्पादों पर अतिरिक्त टैरिफ लगा रखा है। अलग-अलग व्यापारिक जांचों के तहत लागू इन उपायों के कारण कुछ उत्पादों पर कुल टैरिफ दर 37.5 प्रतिशत तक पहुंच गई है। ब्राजील के विकास, उद्योग, व्यापार और सेवाएं मंत्रालय के अनुसार, अमेरिका के इन नए कदमों का असर ब्राजील से अमेरिका जाने वाले करीब 23.1 प्रतिशत निर्यात पर पड़ रहा है।

## संक्षिप्त खबर

### लीबिया से 171 सोमाली प्रवासियों की सुरक्षित घर वापसी

विश्व केसरी■

**मोगादिशु।** अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) द्वारा आयोजित एक विशेष चार्टर उड़ान के जरिए लीबिया में फंसे 171 सोमाली प्रवासी सोमवार को सुरक्षित रूप से अपने देश लौट आए। लौटने वालों में तीन नाबालिग बच्चे भी शामिल हैं। अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन के अनुसार, ये प्रवासी बेहतर जीवन की तलाश में कई देशों से होकर गुजरते हुए लीबिया पहुंचे थे, लेकिन वहां उन्हें मानव तस्करों के हाथों शोषण, दुर्व्यवहार और कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। इसके बाद उनकी सुरक्षित वापसी की व्यवस्था की गई। अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन सोमालिया के प्रमुख मैनुएल मार्केस परेरा ने कहा कि प्रवासन कभी भी किसी व्यक्ति की सुरक्षा, सम्मान और भविष्य के लिए खतरा नहीं बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वैच्छिक वापसी और पुनर्वास कार्यक्रम के माध्यम से सोमाली प्रवासियों को अपने देश में सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन दोबारा शुरू करने का अवसर मिल रहा है। यूरोपीय संघ (ईयू) के सहयोग से संचालित माइग्रेंट प्रोटेक्शन, रिटर्न एंड रीइंटीग्रेशन इन सब-सहारा अफ्रीका कार्यक्रम के तहत यह चार्टर उड़ान संचालित की गई। उड़ान सबसे पहले उत्तरी सोमालिया के हरगेइसा में उतरी, जहां 42 प्रवासी उतरे।

### यमन में लोग घर छोड़ने को मजबूर : संयुक्त राष्ट्र

विश्व केसरी■

**यूनाइटेड नेशंस।** संयुक्त राष्ट्र (यूएन) से जुड़े मानवीय सहायता संगठनों ने चेतावनी दी है कि यमन में जारी लड़ाई लोगों को अपने घर छोड़ने के लिए मजबूर कर रही है। इससे आम नागरिकों की मौत और घायल होने की घटनाएं बढ़ रही हैं। वहीं, पहले से दबाव में चल रहे राहत कार्यों पर भी अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय (ओसीएचए) ने सोमवार (स्थानीय समयानुसार) बताया कि सितंबर की शुरुआत से अब तक यमन में फिर से भड़की हिंसा के कारण कम से कम 1.25 लाख लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ा है। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने इस महीने के पहले दो हफ्तों में 40 आम नागरिकों के हताहत होने की पुष्टि की है। इनमें 8 लोगों की मौत हुई है और 32 लोग घायल हुए हैं। मरने वालों में आधे और घायल होने वालों में आधे से अधिक महिलाएं और बच्चे हैं। ओसीएचए ने कहा कि बेहद मुश्किल हालात के बावजूद संयुक्त राष्ट्र और उसके सहयोगी संगठन राहत कार्य जारी रखे हुए हैं। शनिवार तक हजारों परिवारों को सहायता पहुंचाई जा चुकी थी। हालांकि, राहत सामग्री की भारी कमी हो रही है और उपलब्ध फंडिंग जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है। ओसीएचए ने कहा, 'सुरक्षा संबंधी जोखिमों के कारण राहत एजेंसियों की आवाजाही और सहायता पहुंचाने का काम गंभीर रूप से प्रभावित हो रहा है। संस्था ने बताया कि यमन के पश्चिमी तट के कई इलाकों में मानवीय सहायता पहुंचाने और राहत कर्मियों की आवाजाही फिलहाल रुकी हुई है।

# मेक्सिको के आंतरिक मामलों में विदेशी दखल मंजूर नहीं : राष्ट्रपति क्लाउडिया शेनबौम

विश्व केसरी■

**मेक्सिको सिटी।** मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शेनबौम ने एक बार फिर कहा है कि उनकी सरकार देश के आंतरिक मामलों में किसी भी विदेशी दखल या हस्तक्षेप को मंजूर नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ संबंध सहयोग और तालमेल पर आधारित होने चाहिए।

सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में शेनबौम ने उन लोगों की आलोचना की जो, उनके मुताबिक, विदेशी हस्तक्षेप का समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग अमेरिका के कुछ वर्गों और मेक्सिको के विपक्षी दलों में भी मौजूद हैं।

उन्होंने कहा, 'हम हमेशा इस सिद्धांत का बचाव करेंगे कि किसी तरह का हस्तक्षेप या दखल नहीं होना चाहिए। सिर्फ सहयोग और समन्वय होना चाहिए और वह भी बिना किसी अधीनता के। यही हमारा रुख रहेगा, क्योंकि यह हमारे सिद्धांतों, हमारे इतिहास, हमारी सोच और हमारे संविधान के अनुरूप है।' सिन्हुआ न्यूज के अनुसार, शेनबौम ने एक जनमत सर्वेक्षण का हवाला देते हुए कहा कि 91 प्रतिशत लोगों ने किसी विदेशी हस्तक्षेप का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि यह सवाल उठाना जरूरी है कि आखिर किसे फायदा होता है जब यह धारणा फैलाने की कोशिश की जाती है कि मेक्सिको के लोग कुछ और सोचते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका के कुछ समूह और दक्षिणपंथी मीडिया हस्तक्षेप को बढ़ावा देना चाहते हैं। इस बीच, निजी क्षेत्र के आर्थिक अध्ययन केंद्र (सीईईएसपी) ने सोमवार को कहा कि मेक्सिको सरकार का 2027 के लिए प्रस्तावित आर्थिक पैकेज पहले की तुलना में ज्यादा यथार्थवादी आर्थिक तस्वीर पेश करता है, क्योंकि सरकार ने आर्थिक विकास (ग्रोथ) के अनुमान कम कर दिए हैं। हालांकि, इससे सार्वजनिक कर्ज को लेकर चिंताएं भी बढ़ी हैं।

अपने साप्ताहिक आर्थिक विश्लेषण में सीईईएसपी ने कहा कि पिछले सप्ताह संसद (कांग्रेस) में पेश किए गए बजट प्रस्ताव में 2026 और 2027 के विकास अनुमान घटाए गए हैं। इससे ये अनुमान अब वित्तीय विश्लेषकों और राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के आकलनों के ज्यादा करीब आ गए हैं। सीईईएसपी ने कहा, 'मैक्रोइकोनॉमिक फ्रेमवर्क के आंकड़ों में किया गया यह बदलाव ज्यादा वास्तविक स्थिति को दर्शाता है।' हालांकि, संगठन ने चेतावनी दी कि बजट में अभी भी कुछ ऐसे अनुमान शामिल हैं जो जरूरत से ज्यादा आशावादी हो सकते हैं। मेक्सिको सरकार कई वर्षों से वित्तीय अनुशासन (फिस्कल कंसॉलिडेशन) की नीति पर काम कर रही है।

# ऑस्ट्रेलिया में एआई से जुड़े खतरों के लिए शुरुआती चेतावनी प्रणाली की कमी: इंटेलिजेंस प्रमुख

विश्व केसरी■

**कैनबरा।** ऑस्ट्रेलिया की साइबर खुफिया एजेंसी के प्रमुख की ओर से चेतावनी दी गई है कि देश को एआई से उत्पन्न खतरों के लिए एक प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली की आवश्यकता है।

ऑस्ट्रेलियाई सिग्नल्स डायरेक्टरेट (एएसडी) की डायरेक्टर-जनरल एबिगेल ब्रैडशॉ ने सोमवार को कैनबरा में एक समिट में कहा कि एआई हमले सरकारों और व्यवसायों की ओर से इस्तेमाल की जा रही पुरानी टेक्नोलॉजी का फायदा उठा सकते हैं। सिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, उन्होंने संगठनों से एआई को एक सुरक्षात्मक टूल के तौर पर अपनाने का आग्रह किया और कहा कि खुफिया और सुरक्षा एजेंसियों को शुरुआती जोखिमों की पहचान करने के लिए एआई कंपनियों के साथ मिलकर काम करना चाहिए।

यह बात ऐसे समय में सामने आई है जब ऑस्ट्रेलियाई राजनेता और एआई कंपनियों के अधिकारी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती चेतावनियों पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं कि एआई विकसित करने की दौड़ मानवता की उसे नियंत्रित करने की क्षमता से आगे निकल सकती है। ब्रैडशॉ ने कहा, 'अभी हमारे पास जिस चीज की कमी है (जो साइबर संदर्भ में तो है लेकिन एआई संदर्भ में अभी तक औपचारिक रूप से नहीं है) वह है एक शुरुआती चेतावनी प्रणाली। कैनबरा में यह समिट एंथ्रोपिक के सीईओ डारियो अमोदेई की ओर से शनिवार को उद्योग से गति धीमी करने और तीसरे पक्ष के मूल्यांकनकर्ताओं से सुरक्षा उपायों के प्रति मॉडलों के अनुपालन को सत्यापित करने का आग्रह करने के कुछ दिनों बाद आयोजित की गई थी। ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन और एक्सएआई के एलन मस्क की ओर से अमोदेई की बातों से सहमति जताई गई।

# क्रिटिकल इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमले रोकने के अमेरिकी प्रस्ताव पर रूस राजी हुआ तो यूक्रेन भी करेगा समर्थन : जेलेंस्की

विश्व केसरी■

**कीव।** यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि अमेरिका ने एक मजबूत प्रस्ताव दिया कि दोनों पक्ष क्रिटिकल इंफ्रास्ट्रक्चर हमले रोक दें। उन्होंने कहा कि अगर रूस अमेरिकी प्रस्ताव पर अमल करता है तो यूक्रेन इस तनाव कम करने की प्रक्रिया का समर्थन करने के लिए तैयार है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, ''यह अमेरिका की तरफ से एक मजबूत प्रस्ताव है कि दोनों पक्ष महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे (क्रिटिकल इंफ्रास्ट्रक्चर) पर होने वाले हमलों को रोक दें। अगर यह तनाव कम करने की दिशा में पहला कदम बन सकता है, यानी रूस हमारे महत्वपूर्ण ढांचे पर हमले बंद करे और हम जवाबी हमले रोके, तो यूक्रेन इस तनाव को कम करने की प्रक्रिया का समर्थन करने के लिए तैयार है।''

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को दावा किया कि रूस और यूक्रेन ने एक-दूसरे के ऊर्जा ढांचे (एनर्जी इन्फ्रास्ट्रक्चर) पर हमले नहीं करने पर सहमति जताई है। ट्रंप ने यह बात अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पोस्ट पर साझा की। हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि इस व्यवस्था के पीछे किसने बातचीत कराई या इससे पहले दोनों पक्षों के बीच किस स्तर पर वार्ता हुई। ट्रंप ने एक अन्य पोस्ट में रूस-यूक्रेन युद्ध को दुनिया में डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी की सबसे बड़ी वजह बताया। उन्होंने लिखा, 'दुनिया में डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी का सबसे बड़ा कारण रूस-यूक्रेन युद्ध है, ईरान नहीं।'

जेलेंस्की ने अपने पोस्ट में कहा, ''हम देख रहे हैं कि रूस हमारी सटीक कार्रवाइयों की वजह से अपनी युद्ध अर्थव्यवस्था पर दबाव महसूस कर रहा है।

# ईरान के दक्षिणी तट पर मछली पकड़ने वाली दो नौकाओं पर ड्रोन हमला

विश्व केसरी■

**तेहरान।** ईरान के दक्षिणी तट के पास सोमवार रात दो मछली पकड़ने वाली नौकाओं पर ड्रोन हमला हुआ। ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी मेहर के अनुसार, इस घटना के बाद से कई मछुआरे लापता हो गए हैं। यह हमला दक्षिणी बंदरगाह शहर कारगन के तट के पास और लारक द्वीप के आसपास हुआ।

होर्मोजगान प्रांत के राजनीतिक और सुरक्षा मामलों के उप-गवर्नर अहमद नफीसी ने बताया कि लापता मछुआरों की तलाश के लिए खोज और बचाव अभियान शुरू कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि घटना की जांच चल रही है और जांच पूरी होने के बाद अधिक जानकारी साझा की जाएगी।

इसी बीच, इससे पहले ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की नौसेना ने बताया था कि होर्मुज स्ट्रेट को पार करने की कोशिश कर रहा एक विशाल तेल टैंकर समुद्री बारूदी सुरंगों (नौसैनिक माइंस) से टकरा गया, जिसके बाद उसमें विस्फोट हो गया और आग लग गई।

आईआरजीसी के आधिकारिक समाचार मंच सेपाह न्यूज में जारी बयान के अनुसार, 'एल गैया नाम के इस सुपर ऑयल टैंकर में लगी आग को बुझाने की कोशिश की गई, लेकिन प्रयास सफल नहीं हुए और पूरा जहाज आग की लपटों में घिर गया। नौसेना ने कहा कि इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग के दक्षिणी हिस्से में मौजूद 'प्रतिबंधित' या 'गैरकानूनी' रास्ते का इस्तेमाल करने के खतरों को लेकर पहले ही चेतावनी दी गई थी। बयान में दोहराया गया कि होर्मुज स्ट्रेट अभी भी बंद है और उस पर ईरानी नौसेना का नियंत्रण बना हुआ है। होर्मुज स्ट्रेट में समुद्री यातायात की निगरानी करने वाली ईरान की पर्शियन गल्फ स्ट्रेट अथॉरिटी (पीजीएसए) ने बीमा कंपनियों और जहाजों का पंजीकरण व प्रमाणन करने वाली संस्थाओं को चेतावनी जारी की है।

# प्रधानमंत्री मोदी की उरुग्वे के विदेश मंत्री ने की नेतृत्व की सराहना

विश्व केसरी■

**नई दिल्ली।** उरुग्वे के विदेश मंत्री मारियो लुबेटकिन ने ब्रिक्स समिट और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना की। आईएएनएस से बातचीत करते हुए उन्होंने भारत की अध्यक्षता में आयोजित शिखर सम्मेलन की सफलता को भारत और यह प्रधानमंत्री मोदी की सफलता बताया।

उन्होंने पीएम मोदी के इतने साल तक लगातार सफल नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि यह वास्तव में बहुत प्रभावशाली है। बहुत कम नेता ऐसे होते हैं जिन्होंने इतने लंबे समय तक लगातार इतनी मजबूती, स्थिरता और निरंतरता दिखाई हो। मेरे विचार से यह भारतीय समाज के लिए और भारत के भविष्य के लिए एक बहुत बड़ी ताकत और महत्वपूर्ण संपत्ति है।

लुबेटकिन ने कहा, 'मैं उन द्विपक्षीय बैठकों का हिस्सा नहीं था, लेकिन अंदरूनी बैठकों में यह माहौल स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा था। बैठक के अंत में प्रधानमंत्री मोदी ने घोषणा की कि 'सभी मुद्दों पर सहमति' बन गई है। मेरे हिसाब से यह बात बताती है कि इस समय वैश्विक स्तर पर प्रधानमंत्री मोदी की क्या भूमिका और महत्व है।''

उन्होंने कहा कि शनिवार और रविवार के दौरान आपने देखा होगा कि प्रधानमंत्री मोदी दुनिया के कई महत्वपूर्ण नेताओं के साथ किस तरह बातचीत कर रहे थे, और सभी उनकी बात ध्यान से सुन रहे थे और उन्हें एक अहम और भरोसेमंद नेता के रूप में देख रहे थे।

उन्होंने कहा कि आज भारत पहले की तुलना में कहीं ज्यादा मजबूत है। 20 या 10 साल पहले भी शायद हमने इसकी कल्पना नहीं की थी। इस वजह से आज एक बिल्कुल नई स्थिति पैदा हुई है।

# आईआरजीसी का दावा: प्रतिबंधित रास्ते का इस्तेमाल कर रहा था 'एल गैया' तेल टैंकर

विश्व केसरी■

**तेहरान।** ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की नौसेना ने कहा है कि 'एल गैया' नाम का एक विशाल तेल टैंकर, जो होर्मुज स्ट्रेट को पार करने के लिए दक्षिणी हिस्से के एक 'प्रतिबंधित' रास्ते का इस्तेमाल कर रहा था, नौसैनिक बारूदी सुरंगों से टकरा गया। टक्कर के बाद उसमें विस्फोट हुआ और आग लग गई।

आईआरजीसी के आधिकारिक समाचार आउटलेट 'सेपाह न्यूज' में जारी बयान के अनुसार, टैंकर में लगी आग को बुझाने की कोशिश की गई, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। आखिरकार पूरा जहाज आग की लपटों में घिर गया। बयान में कहा गया कि इस रणनीतिक जलमार्ग में 'गैरकानूनी' रास्ते का इस्तेमाल करने के खतरों को लेकर पहले ही चेतावनी दी गई थी। साथ ही यह दोहराया गया कि होर्मुज स्ट्रेट बंद है और उस पर ईरानी नौसेना का नियंत्रण है। इससे पहले दिन में, पर्शियन गल्फ स्ट्रेट अथॉरिटी (पीजीएसए), जो होर्मुज स्ट्रेट में समुद्री यातायात की निगरानी करती है, ने बीमा कंपनियों और जहाजों के वर्गीकरण संगठनों को चेतावनी दी थी कि वे उन जहाजों को सेवाएं न दें जिन्हें उसकी नई सूची में 'नियमों का उल्लंघन करने वाले जहाज' बताया गया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, पीजीएसए ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि बीमा कंपनियां, प्रोटेक्शन एंड इंडेम्निटी (पी एंड आई) क्लब और क्लासिफिकेशन सोसायटीज इन जहाजों को सेवाएं देने से बचें। ऐसा न करने पर उन्हें इसके परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। इसी महीने की शुरुआत में आईआरजीसी ने कहा था कि उसकी नौसेना ने होर्मुज स्ट्रेट में एक अमेरिकी मानव रहित सतही नौका (यूएसवी) को निशाना बनाया था।

# 'वह ऐसे ही कामयाबी हासिल करते रहें': धीरज के पिता ने जताई खुशी

विश्व केसरी ■

**विजयवाड़ा।** धीरज बोम्मादेवरा की ऐतिहासिक तीरंदाजी विश्व कप फाइनल की जीत से उनके पिता श्रवण कुमार बेहद गर्व महसूस कर रहे हैं। पिता अपने बेटे का स्वर्ण पदक भारतीय तीरंदाजी के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि मानते हैं।

25 वर्षीय तीरंदाज ने पिछले 12 महीनों में शानदार प्रदर्शन करते हुए साल्टिलो 2026 आर्चरी वर्ल्ड कप फाइनल में रिकर्व पुरुष वर्ग का खिताब जीता था। इसके साथ ही वह डोला बनर्जी के बाद इस सर्किट पर भारत के दूसरे चैंपियन बन गए। साथ ही, वह वर्ल्ड कप फाइनल जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष आर्चर भी बने।

श्रवण ने 'आईएएनएस' से कहा, 'बहुत अच्छा लग रहा है। मुझे बहुत खुशी और गर्व है कि मेरा बेटा वर्ल्ड चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीतने वाला पहला भारतीय तीरंदाज बन गया है।'

श्रवण ने कहा कि धीरज की यह कामयाबी बरसों की कड़ी मेहनत और लगन का नतीजा है। उन्होंने याद किया कि कैसे उनके बेटे ने कम उम्र में ही अपना स्पोर्ट्स करियर शुरू किया था।

उन्होंने कहा, 'एक माता-पिता के तौर पर मुझे बहुत खुशी और गर्व है कि एक भारतीय एथलीट, जिसने 2006 में अपना करियर शुरू किया था, उसने 2026 में इतना बड़ा लक्ष्य हासिल कर लिया है।'

धीरज साल 2023 और 2024 में मेडल जीते बगैर लौटे थे। यह उनका तीसरा वर्ल्ड कप फाइनल था। मेक्सिको में मिली इस कामयाबी ने उन्हें उनका सबसे बड़ा व्यक्तिगत खिताब दिलाया।

धीरज पिछले कुछ वर्षों से आठवें, नौवें या 10वें स्थान के आसपास थे, अब वर्ल्ड नंबर 4 पर पहुंच गए हैं। श्रवण ने वर्ल्ड रैंकिंग में अपने बेटे की तरक्की का जिक्र करते हुए कहा, 'उनकी बायोग्राफी में भी लिखा है, 'मैं वर्ल्ड नंबर वन बनना चाहता हूं।' पिछले तीन-चार वर्षों से वह लगातार वर्ल्ड नंबर 8, 9 या 10 के आसपास रहे हैं। यह मेडल जीतने के बाद, वह अब वर्ल्ड नंबर 4 पर पहुंच गए हैं। वह वर्ल्ड रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंचने वाले पहले भारतीय तीरंदाज हैं, जो भारत के लिए एक रिकॉर्ड है। हमें उम्मीद है कि वह भविष्य में और भी कई उपलब्धियां हासिल करेंगे।'

धीरज की यह कामयाबी ऐसे परिवार से आई है, जिसका अनुशासित सेवाओं से गहरा नाता रहा है। उनके पिता भारतीय नौसेना से जुड़े रहे हैं और उनके दादा बॉर्डर रोड्स ऑर्गनाइजेशन में कार्यरत थे, जबकि उनके भाई एक शिक्षक हैं।

धीरज की मां रेवती ने भी इस उपलब्धि को परिवार के लिए बेहद खुशी का पल बताया। उन्होंने कहा कि धीरज का वर्ल्ड कप फाइनल गोल्ड मेडल न केवल उनके लिए, बल्कि आंध्र प्रदेश और देश के लिए भी एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। धीरज के पिता खुद लगभग दो दशकों से तीरंदाजी से जुड़े रहे हैं। वह नेशनल टेक्निकल ऑफिशियल के तौर पर सेवाएं दे रहे हैं और आंध्र प्रदेश में तीरंदाजी प्रशासन से

# एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान का भारत दौरा सरकार की मंजूरी पर निर्भरः पीएचएफ

विश्व केसरी ■

**नई दिल्ली।** पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन (पीएचएफ) के प्रमुख मोहिउद्दीन अहमद वानी ने कहा है कि अगले महीने होने वाली हॉकी एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान का भारत दौरा सरकार की मंजूरी पर निर्भर है।

मेन्स एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक जालंधर और मोहाली में होनी है। इसमें भारत, चीन, जापान, मलेशिया और कोरिया के साथ ही पाकिस्तान को भी हिस्सा लेना है। पाकिस्तान के नहीं आने की स्थिति में ओमान या बांग्लादेश को मौका दिया जा सकता है। दोनों टीमों को फिलहाल रिजर्व टीम के रूप में रखा गया है।

पाकिस्तान के दैनिक अंग्रेजी समाचार पत्र 'डॉन' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, वानी ने कहा, 'पाकिस्तान टीम का दौरा सरकारी मंजूरी पर निर्भर करेगा। सरकार हमसे जो भी करने को कहेगी, हम वही करेंगे।'

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सोमवार को कहा कि पाकिस्तान अगले महीने टूर्नामेंट के लिए भारत आएगा। मल्टी-नेशनल टूर्नामेंट में कोई दिक्कत नहीं है। भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय सीरीज नहीं हो सकती।

उन्होंने केंद्र सरकार की नीति का जिक्र करते हुए बताया कि भारत और पाकिस्तान मल्टीनेशनल इवेंट्स में हिस्सा ले सकते हैं।

5 मई को जारी एक ऑफिस मेमोरेंडम में, खेल मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तानी खिलाड़ी और टीमें भारत द्वारा आयोजित बहुराष्ट्रीय इवेंट्स में हिस्सा ले सकेंगी, साथ ही एथलीट्स, अधिकारी और इंटरनेशनल फेडरेशन के प्रतिनिधियों के लिए ज्यादा सपोर्टिव वीजा सिस्टम का भी संकेत दिया।

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी का लीग स्टेज 27 अक्टूबर से 2 नवंबर तक जालंधर में खेला जाएगा, जबकि सेमीफाइनल 4 नवंबर को और फाइनल 5 नवंबर को खेला जाएगा। भारत-पाकिस्तान का मैच 1 नवंबर को पंजाब डे पर जालंधर में प्रस्तावित है।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा, '1 नवंबर को जालंधर में होने वाला भारत-पाकिस्तान का मैच टूर्नामेंट का सबसे बड़ा आकर्षण होगा। यह मैच पंजाब डे के साथ होगा, जिससे यह मौका पंजाब के लोगों के लिए और भी खास हो जाएगा। हॉकी के मैदान पर इंडिया और पाकिस्तान के बीच भले ही मुकाबला हो, लेकिन खेल की अपनी भाषा होती है।

पिछले साल भारत में आयोजित जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप और सीनियर पुरुष हॉकी एशिया कप में पाकिस्तान ने हिस्सा नहीं लिया था।

# ब्रेंडन टेलर लंबे समय तक वनडे क्रिकेट खेलने वाले बने खिलाड़ी

विश्व केसरी ■

**हरारे।** जिम्बाब्वे और ऑस्ट्रेलिया के बीच हरारे स्पोर्ट्स क्लब के मैदान पर पहला वनडे मुकाबला खेला जा रहा है। पहले वनडे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने जिम्बाब्वे के खिलाफ टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला किया है। इस मैच में मैदान पर उतरने के साथ ही जिम्बाब्वे के विकेटकीपर बल्लेबाज ब्रेंडन टेलर ने सचिन तेंदुलकर का सबसे लंबे वनडे करियर का रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

टेलर ने रिटायरमेंट और आईसीसी के साढ़े तीन साल के निलंबन के बाद 2025 में इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी की थी। अब वह 2004 में अपने डेब्यू के बाद से 22 साल और 146 दिन तक वनडे क्रिकेट खेलने वाले खिलाड़ी बन गए हैं, जो एक नया रिकॉर्ड है।

उन्होंने भारत के दिग्गज सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा, जिनका 1989 से 2012 तक 22 साल और 91 दिनों का शानदार वनडे करियर रहा। अब टेलर सबसे लंबे समय तक वनडे क्रिकेट खेलने वाले खिलाड़ी बन गए हैं।

टेलर जिम्बाब्वे के सबसे सफल बल्लेबाजों में गिने जाते हैं। अपने वनडे करियर में टेलर अब तक 205 पारियों में 6,704 रन बना चुके हैं। वह जिम्बाब्वे की ओर से दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं।

# गीता रानी के करियर पर लगा ब्रेक कॉमनवेल्थ गेम्स विवाद बना कारण

विश्व केसरी ■

**नई दिल्ली।** भारतीय एथलेटिक्स की दुनिया में गीता रानी का नाम बेहद जाना-पहचाना है। गीता देश की एक सफल वेटलिफ्टर रही हैं और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पदक जीतकर उन्होंने देश का नाम रोशन किया है। उन्होंने भारतीय वेटलिफ्टिंग को एक नई पहचान दिलाई है।

गीता रानी का जन्म 16 सितंबर 1981 को संगरूर, पंजाब में हुआ था। उनके मन में वेटलिफ्टिंग के प्रति गहरी रुचि बहुत कम उम्र से थी। यही वजह रही उन्होंने खेल की इस विधा में कुछ बड़ा करने का फैसला किया था। गीता ने महज 13 वर्ष की उम्र में सुरिंदर सिंह से कोचिंग लेनी शुरू की।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गीता ने अपनी क्षमता और ताकत का एहसास पहली बार 2003 में एफ्रो-एशियन गेम्स में कराया था। हैदराबाद में आयोजित इस खेल में उन्होंने कांस्य पदक जीता था। इसके बाद उन्होंने 2004 में एशियन चैंपियनशिप में तीन रजत पदक अपने नाम किए।

गीता ने मेलबर्न में 2006 में आयोजित कॉमनवेल्थ गेम्स में 75+ भारवर्ग में हिस्सा लिया था और स्वर्ण पदक जीता था। खेल के इतने बड़े मंच पर गीता की स्वर्णिम सफलता ने उन्हें देश-विदेश में बड़ी लोकप्रियता दिलाई। दिल्ली में 2010 में आयोजित कॉमनमवेल्थ गेम्स में गीता पदक जीतने से चूक गई थीं और

चौथे स्थान पर रही थीं।

भारत की इस दिग्गज वेटलिफ्टर का करियर विवादों से भी प्रभावित रहा है। वर्ष 2015 में राष्ट्रीय खेलों के दौरान वह एक प्रतिबंधित पदार्थ के लिए डोप टेस्ट में पॉजिटिव पाई गई थीं। इसके बाद उन पर दो साल का प्रतिबंध लगाया गया था। हालांकि, 2017 में उन्हें प्रतिबंधों से मुक्त कर दिया गया, लेकिन उसके बाद से वह कभी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में नजर नहीं आई हैं। दिग्गज वेटलिफ्टर ने फिलहाल आधिकारिक रूप से खेल को अलविदा नहीं कहा है।

वेटलिफ्टिंग में शानदार योगदान के लिए भारत सरकार ने 2006 में गीता रानी को 'अर्जुन पुरस्कार' से सम्मानित किया था।

# नैरोबी 2029 और म्यूनिख 2031 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप की करेंगे मेजबानी

विश्व केसरी■

**नई दिल्ली।** वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप पहली बार अफ्रीका में आयोजित होगी। नैरोबी (केन्या) को 2029 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी मिली है। वहीं, जर्मनी के म्यूनिख शहर को 2031 संस्करण की मेजबानी सौंपी गई है।

यह फैसला बुडापेस्ट में हुई 242वीं वर्ल्ड एथलेटिक्स काउंसिल की बैठक में लिया गया। वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2029 की मेजबानी के लिए लंदन भी दावेदार था, लेकिन उसे सफलता नहीं मिली। केन्या की राजधानी नैरोबी ने रोम, म्यूनिख और लंदन जैसी मजबूत दावेदारियों को पीछे छोड़ते हुए मेजबानी हासिल की।

वर्ल्ड एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन कोए ने कहा कि 2029 और 2031 चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए चार बेहतरीन शहरों ने बोली लगाई थी, इसलिए फैसला करना आसान नहीं था। उन्होंने कहा कि सभी उम्मीदवारों ने शानदार तैयारी, बड़े लक्ष्य और मजबूत प्रतिबद्धता दिखाई, जो इस टूर्नामेंट की बढ़ती लोकप्रियता और वैश्विक पहचान को दर्शाता है।

उन्होंने आगे कहा, 'आज काउंसिल के इस फैसले के साथ, हम अगले तीन एडिशन में एशिया, अफ्रीका और यूरोप में अपनी वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप की होस्टिंग के साथ दुनिया भर में एथलेटिक्स को बढ़ाने के अपने मिशन को पूरा करना जारी रखेंगे। नैरोबी और म्यूनिख ने आखिरकार दो शानदार प्रपोजल पेश किए। वे हमारे खेल के लिए बहुत अलग लेकिन उतने ही रोमांचक मौके देते हैं, और मुझे खुशी है कि अब हम दोनों शहरों के साथ मिलकर दो वर्ल्ड-क्लास चैंपियनशिप आयोजित कर सकते हैं।

अफ्रीकी देश पहले भी कई मल्टीनेशनल इवेंट्स होस्ट करते रहे हैं। युगांडा के कंपाला ने 2017 में वर्ल्ड क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप होस्ट की थी, इससे पहले नैरोबी ने उसी साल वर्ल्ड अंडर 18 चैंपियनशिप की मेजबानी भी की थी।

बोत्सवाना के गैबोरोन ने इस साल की शुरुआत में वर्ल्ड एथलेटिक्स रिलेज होस्ट की थी, जो अफ्रीका में होने वाला उस इवेंट का पहला एडिशन था। हालांकि,, यह पहली बार होगा जब ओलंपिक के बाद एथलेटिक्स का सबसे बड़ा इवेंट, वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप किसी अफ्रीकी देश में होगा।

# सीरी एः दो गोल से पिछड़ने से बावजूद इंटर मिलान ने उडीनीज को 5-3 से हराया

विश्व केसरी ■

**मिलान।** इंटर मिलान ने उडीनीज के खिलाफ 2-0 से पीछे होने के बावजूद जोरदार वापसी करते हुए 5-3 से जीत हासिल की। मिलान के लिए कार्लोस ऑगस्टो, बरेला, थुरम, एस्पोसिटो और बोनी ने गोल किए।

उडीनीज ने तेज शुरूआत करते हुए पहले 16 मिनट में दो गोल की बढ़त बना ली, लेकिन कार्लोस ऑगस्टो के बाएं पैर से किए गए शानदार गोल और बरेला के दाएं पैर से किए गए गोल ने इंटर को हाफ-टाइम से पहले बराबरी दिला दी।

दूसरे हाफ में, नेराजुरी ने थुरम के जरिए कमबैक किया और फिर पियो एस्पोसिटो, जिन्होंने एक शानदार मूव बनाया, और बोनी के साथ आगे निकल गए। उडीनीज ने देर से गुये के जरिए एक और गोल किया, लेकिन इंटर ने सैन सिरो में 5-3 से जीत हासिल की।

मैच से पहले, एक खास बात यह रही कि इंटर के इतिहास के दो यादगार चैंपियन, ग्यूसेप बर्गोमी और लोथर मैथॉस को प्रेसिडेंट और सीईओ ग्यूसेप मारोटा ने मेजा के मैदान पर नेराजुरी के

रंगों में उनके शानदार करियर के लिए सम्मानित किया।

जीत के साथ, इटैलियन चैंपियन ने सीरी ए सीजन में अपनी शानदार शुरुआत जारी रखी और स्टेडियो ओलंपिको में अपने अगले विरोधी रोमा के साथ सबसे ज्यादा पॉइंट्स के साथ टेबल में टॉप पर बने हुए हैं।

जीत के बाद इंटर मिलान के कोच क्रिस्टियन चिवु ने कहा, 'ये हमारी ताकत हैं।

हमारे पास एक ऐसी टीम है जो हमें एक खास तरीके से खेलने, हाई लेवल बनाए रखने और टीम की पहचान और डीएनए के प्रति सच्चे रहने की इजाजत देती है। शुरुआती 25 मिनट में हममें ऊर्जा की कमी थी, जबकि उडिनीज ने हमारी लापरवाही को सजा देने के लिए अच्छा किया, लेकिन हमने जवाब दिया। हमने जो सोच और गर्व दिखाया, उससे मैं खुश था, हालांकि मुझे यह भी देखना होगा कि इस सप्ताह क्या काम नहीं किया और मैं क्या नहीं समझा पाया।

उन्होंने कहा, 'हमें इसी तरह खेलना होगा क्योंकि यही हमारी पहचान है। हम परफेक्ट नहीं हैं और न ही ऐसा होने का दावा करते हैं।

हम जानते हैं कि हमें काम करते रहना होगा क्योंकि सीजन लंबा है और अभी भी कई ऐसे एरिया हैं जिनमें हम सुधार कर सकते हैं।

# चैंपियंस लीग जीतने के सबसे बड़े दावेदार नहीं: रोड्री

विश्व केसरी ■

**नई दिल्ली।** बार्सिलोना फुटबॉल क्लब के मिडफील्डर रोड्री का मानना है कि टीम ने सीजन की अच्छी शुरुआत की है, लेकिन अभी उन्हें यूईएफए चैंपियंस लीग जीतने का सबसे बड़ा दावेदार नहीं माना जा सकता। उन्होंने कहा कि ला लीगा चैंपियन बार्सिलोना को यूरोप में बड़ी सफलता हासिल करने के लिए अपने खेल के कुछ पहलुओं में और सुधार करने की जरूरत है।

हंसी फ्लिक की कोचिंग में बार्सिलोना ने सीजन की शानदार शुरुआत की है। टीम ने अपने पिछले पांच मैचों में सभी प्रतियोगिताओं को मिलाकर 21 गोल किए हैं और सिर्फ चार गोल खाए हैं। इसके अलावा बार्सिलोना ने चैंपियंस लीग में भी अच्छा प्रदर्शन किया है। फिलहाल बार्सिलोना लीग चरण की अंक तालिका में मौजूदा चैंपियन पीएसजी और बायर्न म्यूनिख के बाद तीसरे स्थान पर है।

हालांकि रोड्री का मानना है कि बार्सिलोना ने अच्छी शुरुआत की है, लेकिन टीम को अभी कई क्षेत्रों में सुधार करने की जरूरत है।

उनका कहना है कि अगर बार्सिलोना को चैंपियंस लीग जीतने का सबसे बड़ा दावेदार बनना है, तो उसे अपने प्रदर्शन में और निरंतरता तथा मजबूती दिखानी होगी। उन्होंने 'मुंडो डेपोर्टिवो' से कहा, 'चैंपियंस लीग जीतना संभव है, लेकिन मुझे नहीं लगता कि हम इस समय सबसे बड़े दावेदार हैं।' हाल ही में मैनचेस्टर सिटी से बार्सिलोना पहुंचे स्पेनिश मिडफील्डर रोड्री का मानना है कि टीम में काफी क्षमता है।

लेकिन अभी सुधार की गुंजाइश मौजूद है। रोड्री ने कहा कि चैंपियंस लीग का खिताब जीतना बार्सिलोना के लिए बहुत अहम होगा, क्योंकि क्लब फिर से यूरोपीय फुटबॉल के शीर्ष पर पहुंचना चाहता है।

# देश में तेजी से विकसित हो रहा सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम; डिजाइनिंग, पैकेजिंग, टेस्टिंग के साथ सप्लाई चेन के विकास पर भी फोकस

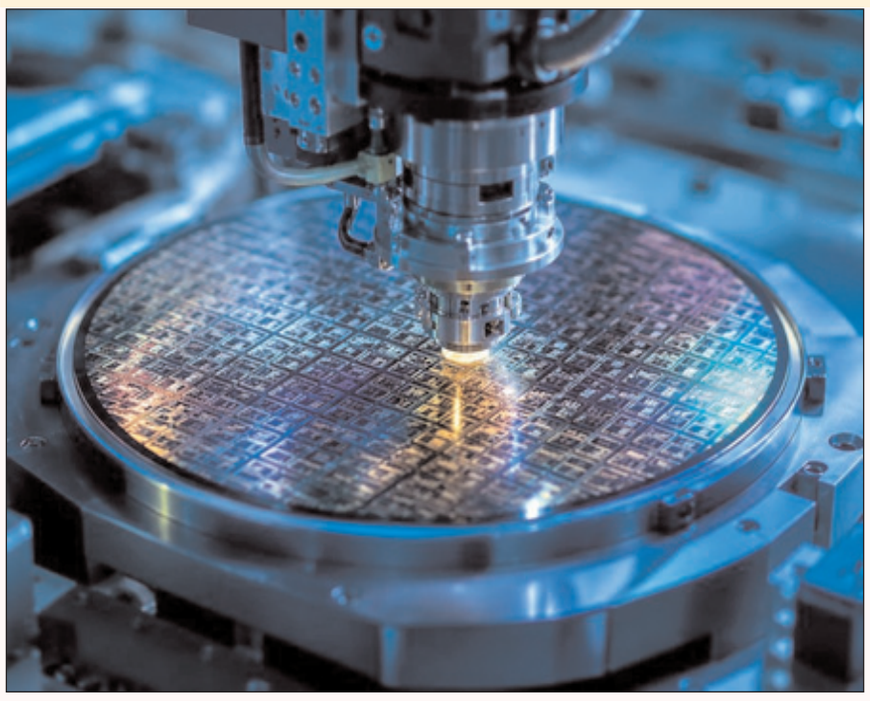

विश्व केसरी

**नई दिल्ली।** देश में तेजी से सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम विकसित हो रहा है। इसमें चिप बनाने वाली फैक्ट्रियों के साथ-साथ उनकी डिजाइनिंग, पैकेजिंग, टेस्टिंग, उपकरण, सप्लाई चेन और उनसे जुड़े दूसरे उद्योगों पर भी फोकस किया जा रहा है। यह जानकारी सेमीकॉन इंडिया 2026 के शुरू होने से पहले जारी की गई सरकारी फैक्टशीट में दी गई, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से 17 सितंबर को किया जाएगा।

इस साल इस साल सेमीकॉन इंडिया की थीम 'सिलिकॉन से सिस्टम तक: पूरा इकोसिस्टम बनाना है।'

द्वारका स्थित यशोभूमि में आयोजित होने वाले इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में दुनिया की बड़ी चिप कंपनियों के प्रतिनिधि, नीति-निर्माता और निवेशक भी वहां मौजूद होंगे।

देश ने बीते कुछ वर्षों में सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम बनाने में तेजी से प्रगति की है। इसके लिए 2021 में सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम लाया गया था। इसकी रणनीति सिर्फ दिखावे के लिए कोई एक चिप फैक्ट्री खड़ी करना नहीं, बल्कि पूरा सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम तैयार करना है।

सेमीकॉन 1.0 के लिए 76,000 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया। इसमें चिप डिजाइन और निर्माण से लेकर पैकेजिंग, टेस्टिंग, मशीनरी, कच्चे माल और कुशल कर्मचारियों तक पूरी वैल्यू चेन को शामिल किया गया।

जुलाई 2026 में सरकार ने सेमीकॉन 2.0 को मंजूरी दी। इसके तहत 1.27 लाख करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। इसका आधार छह प्रमुख क्षेत्रों पर है, चिप डिजाइन, सेमीकंडक्टर बनाने वाली मशीनरी और सामग्री, चिप बनाने की फैक्ट्रियां, आधुनिक पैकेजिंग, रिसर्च और डेवलपमेंट, कुशल प्रतिभाओं का विकास है।

जमीन पर हो रहा काम भी सेमीकॉन की सफलता की पुष्टि करता है। अब तक छह राज्यों में 12 सेमीकंडक्टर परियोजनाओं को मंजूरी मिल चुकी है। इनमें 1.64 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश की प्रतिबद्धता है।

इन परियोजनाओं में सिलिकॉन और कंपाउंड सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन प्लांट, डिस्प्ले निर्माण और आधुनिक पैकेजिंग जैसी परियोजनाएं शामिल हैं। इनमें से तीन संयंत्रों में व्यावसायिक उत्पादन भी शुरू हो चुका है।

यह एक महत्वपूर्ण बदलाव है। इसका मतलब है कि भारत की सेमीकंडक्टर नीति अब सिर्फ कागज पर नहीं है, बल्कि चिप निर्माण वास्तव में जमीन पर शुरू हो चुका है।

इसके अलावा, सरकार ने 'चिप्स टू स्टार्टअप' कार्यक्रम के तहत इलेक्ट्रॉनिक डिजाइन ऑटोमेशन (ईडीए) के सॉफ्टवेयर और उपकरण अब तक 320 शैक्षणिक संस्थानों में उपलब्ध कराए हैं। अभी तक 68,000 से अधिक छात्रों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

वहीं, 24 सेमीकंडक्टर डिजाइन परियोजनाओं को आर्थिक सहायता के लिए मंजूरी मिली है। डीएलआई योजना के तहत 105 स्टार्टअप और छोटे-मझोले उद्यमों को भी ईडीए टूल्स के लिए सहायता दी गई है।

फैक्टशीट में बताया गया कि अप्रैल 2026 तक 75 संस्थानों ने 211 चिप डिजाइन तैयार करके उत्पादन के अगले चरण यानी 'टेप-आउट' तक पहुंचाए थे। यह इस बात का संकेत है कि भारत में चिप डिजाइन की क्षमता अब कुछ चुनिंदा बड़े संस्थानों तक सीमित नहीं रही है।

देश के हर हिस्से में चिप डिजाइन की सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए डी-डीएसी में 'चिप्स टू स्टार्टअप' (सी2एस) कार्यक्रम और 'डिजाइन लिंक्ड इंसेंटिव' (डीएलआई) योजना के तहत चिपइन सेंटर बनाया गया है।

यह एक राष्ट्रीय स्तर की साझा सुविधा है। यहां इंजीनियरों और संस्थानों को आधुनिक चिप डिजाइन टूल्स, चिप निर्माण की सेवाओं और विशेष प्रशिक्षण की सुविधा मिलती है।

चिपइन सेंटर की इन सुविधाओं का लाभ 500 से अधिक संस्थानों के 1 लाख से ज्यादा इंजीनियर उठा चुके हैं। इनमें 400 शैक्षणिक संस्थान और 100 स्टार्टअप शामिल हैं।

# 504 रोवर से बदल रहा जमीन की पैमाइश का तरीका, सरकार ने राजस्व सर्वेक्षण को बनाया हाईटेक

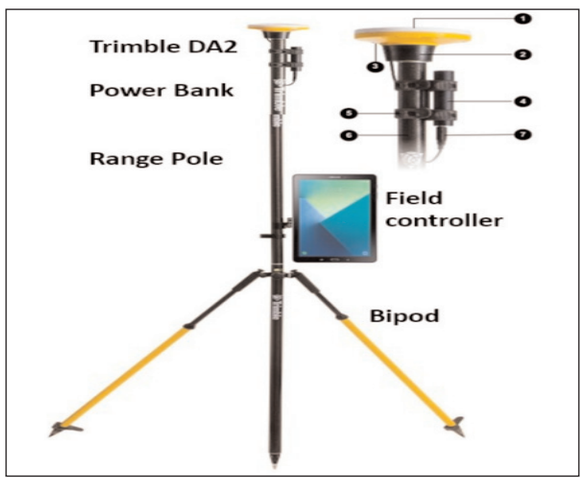


विश्व केसरी

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश में जमीन की पैमाइश और सीमांकन की प्रक्रिया अब तकनीक की नई रफ्तार पकड़ रही है। योगी सरकार राजस्व विभाग के कामकाज को आधुनिक बनाने के लिए के कोजीएनएसएस रोवर तकनीक को बड़े स्तर पर जमीन पर उतार रही है। प्रदेश में उपलब्ध 504 जीएनएसएस रोवर में से 350 रोवर तहसीलों तक पहुंचाए जा चुके हैं और इनसे काम भी शुरू हो गया है। वहीं 143 रोवर 10 यूएलबी की नक्शा परियोजनाओं में इस्तेमाल किए जा रहे हैं।

हरदोई के केटीएस (चकबंदी प्रशिक्षण केंद्र) में दो रोवर लगाए गए हैं, जबकि लेखपाल प्रशिक्षण संस्थानों के लिए खरीदे गए 9 रोवर से सभी प्रशिक्षण पूरे हो चुके हैं। यह बदलाव जमीन की पैमाइश को पारंपरिक तरीकों से निकालकर अधिक तेज, सटीक और डिजिटल व्यवस्था की ओर ले जा रहा है। राजस्व परिषद आयुक्त एवं सचिव कंचन वर्मा ने बताया कि जीएनएसएस रोवर की तैनाती केवल तहसीलों तक सीमित नहीं है। 350 रोवर सीधे तहसीलों में पहुंचने के बाद फील्ड सर्वेक्षण में इस्तेमाल हो रहे हैं। इसके साथ 143 रोवर 10 यूएलबी (शहरी स्थानीय निकाय) की नक्शा परियोजनाओं के लिए लगाए गए हैं।

हरदोई के केटीएस को भी दो रोवर उपलब्ध कराए गए हैं। दूसरी ओर, लेखपाल प्रशिक्षण संस्थानों के लिए खरीदे गए 9 रोवर का इस्तेमाल प्रशिक्षण में किया गया और सभी प्रशिक्षण पूरे हो चुके हैं। यानी राजस्व विभाग में तकनीक के इस्तेमाल के साथ कर्मचारियों को इसके संचालन के लिए तैयार करने पर भी जोर दिया गया है। कंचन वर्मा ने कहा कि भूमि की सीमाओं और पैमाइश से जुड़े मामलों के त्वरित निस्तारण के लिए धारा-24 का विशेष महाअभियान 1 जुलाई से 15 अगस्त तक चलाया गया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 1 जुलाई को सहारनपुर से इस अभियान की शुरुआत की थी। अभियान को प्रभावी और एक समान तरीके से संचालित करने के लिए राजस्व विभाग ने एसओपी (मानक संचालन प्रक्रिया) भी जारी की। अब इसी व्यवस्था को आधुनिक सर्वे तकनीक का सहारा मिलने से जमीन से जुड़े कामों में तकनीकी क्षमता बढ़ी है। जीएनएसएस रोवर आधुनिक सर्वेक्षण उपकरण है, जो विभिन्न उपग्रह प्रणालियों से मिलने वाले सिग्नल के आधार पर जमीन पर किसी बिंदु की सटीक स्थिति निर्धारित करता है।

उत्तर प्रदेश के नेटवर्क से जुड़ने पर यह लगभग 1 से 5 सेंटीमीटर तक सटीक जानकारी दे सकता है। सर्वेक्षक खेत या भूमि की सीमा के प्रमुख बिंदुओं के डिजिटल निर्देशांक (कोऑर्डिनेट्स) दर्ज करते हैं। इसके बाद सॉफ्टवेयर की मदद से दूरी और क्षेत्रफल की गणना की जाती है व डिजिटल नक्शा तैयार किया जाता है। जमीन की पैमाइश के पारंपरिक तरीकों में जंजीर और फीते के इस्तेमाल की तुलना में रोवर तकनीक सर्वेक्षण को अधिक वैज्ञानिक और डिजिटल बना रही है।

# स्तन कैंसर से बचाव की पहली सीढ़ी है जागरूकता, इन बदलावों पर दें ध्यान

विश्व केसरी

**नई दिल्ली।** स्तन कैंसर महिलाओं में होने वाले प्रमुख कैंसर में से एक है। इसकी शुरुआती पहचान और समय पर चिकित्सीय मूल्यांकन से आगे की देखभाल और उपचार की दिशा तय करने में मदद मिल सकती है। इसलिए अपने शरीर में होने वाले बदलावों को समझना और उन्हें लेकर सजग रहना बेहद जरूरी है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि स्तन में नई गांठ या कोई कठोर हिस्सा महसूस होना ऐसा बदलाव है, जिस पर ध्यान देना चाहिए। हर गांठ कैंसर नहीं होती। कई बार गांठ के पीछे सामान्य कारण भी हो सकते हैं। फिर भी अगर स्तन में कोई नई गांठ महसूस हो, खासकर जो बनी रहे या समय के साथ बदलती महसूस हो, तो डॉक्टर से सलाह लेना बेहतर है।

अगर स्तन के आकार, स्वरूप या बनावट में अचानक कोई बदलाव दिखाई दे, तो उसे नजरअंदाज न करें। दोनों स्तनों के

आकार में थोड़ा अंतर सामान्य हो सकता है, लेकिन किसी एक स्तन में नया और असामान्य बदलाव नजर आए तो चिकित्सकीय सलाह लेना जरूरी है।

स्तन की त्वचा पर लालिमा, मोटापन, सूजन, गड्ढे जैसा दिखना या बनावट में अचानक बदलाव भी ध्यान देने योग्य संकेत हो सकते हैं। ऐसे बदलावों का कारण संक्रमण या कोई दूसरी समस्या भी हो सकती है, इसलिए केवल लक्षण देखकर निष्कर्ष निकालने के बजाय विशेषज्ञ से जांच कराना सही कदम है।

निप्पल या उसके आसपास की त्वचा में अचानक परिवर्तन, जैसे निप्पल का अंदर की ओर खिंचना, त्वचा में बदलाव या लगातार किसी तरह की परेशानी महसूस होना, डॉक्टर को बताना चाहिए।

यदि निप्पल से बिना दबाए अपने आप कोई असामान्य स्राव निकलता है, खासकर अगर उसमें खून दिखाई दे, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। इसके कई कारण हो सकते हैं, लेकिन सही कारण जानने के लिए चिकित्सकीय जांच जरूरी है।

सबसे जरूरी बात यह है कि इनमें से कोई भी एक लक्षण दिखने का मतलब यह नहीं है कि व्यक्ति को स्तन कैंसर ही है। लेकिन शरीर में नया या असामान्य बदलाव लगातार बना रहे, तो डॉक्टर से संपर्क करने में देरी नहीं करनी चाहिए।

# तमिलनाडु के परिवार कल्याण कार्यक्रम में जुड़ा बांझपन का इलाज, जन्म दर में भारी गिरावट के बाद लिया फैसला

विश्व केसरी

**चेन्नई।** रजिस्टर्ड जन्मों में लगातार कमी और तेजी से बूढ़ी होती आबादी को देखते हुए, तमिलनाडु सरकार ने अपने परिवार कल्याण कार्यक्रम में बांझपन के इलाज को शामिल करने के लिए कदम उठाए हैं। ऐसा करने वाला वह देश का पहला राज्य बन गया है।

परिवार कल्याण कार्यक्रम, जो पारंपरिक रूप से जन्म नियंत्रण, गर्भनिरोधक सेवाओं और बच्चों के जन्म के बीच अंतर रखने पर केंद्रित रहा है, अब उन जोड़ों की मदद करेगा जो 'अपना परिवार पूरा करना' चाहते हैं।

बांझपन का इलाज और गर्भधारण से पहले की काउंसलिंग सरकारी जिला मुख्यालय अस्पतालों में उपलब्ध कराई जाएगी, जिसमें वे जिले भी शामिल हैं जहां सरकारी मेडिकल कॉलेज नहीं हैं।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 2020 में तमिलनाडु में 9.39 लाख जन्म दर्ज किए गए थे, जबकि 2025 में यह संख्या 8.02 लाख थी। राज्य की कुल प्रजनन दर (टीएफआर) गिरकर 1.3 हो गई है, जो जनसंख्या प्रतिस्थापन स्तर के पारंपरिक 2.1 के स्तर से काफी कम है।

साथ ही, राज्य में बुजुर्गों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। वर्तमान में, 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोग तमिलनाडु की आबादी का लगभग 16 प्रतिशत हैं।

अनुमान है कि 2036 तक यह आंकड़ा 20 प्रतिशत के करीब पहुंच जाएगा, जिसका अर्थ है कि हर पांच निवासियों में से लगभग एक वरिष्ठ नागरिक होगा।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग के नीतिगत नोट में, जिसे हाल ही में विधानसभा में पेश किया गया था, चेतावनी दी गई है कि प्रजनन दर में लंबे समय तक गिरावट और आबादी के बूढ़े होने के कारण अंतत: कार्यबल में कमी आ सकती है और राज्य की आबादी में पूर्ण गिरावट हो सकती है। हालांकि, अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह नीति जोड़ों को बच्चे पैदा करने के लिए मजबूर नहीं करेगी या बड़े परिवारों को प्रोत्साहित नहीं करेगी। सरकार गर्भनिरोधक विकल्प, बच्चों के जन्म के बीच अंतर रखने की सेवाएं और सुरक्षित गर्भपात की सुविधा देना जारी रखेगी।

हाल ही में विभाग के एक ऑडिट में पाया गया कि लगभग 25 से 30 प्रतिशत मातृ मृत्यु अधिक क्रम वाले जन्मों के दौरान हुईं। इसलिए, सरकार उन जोड़ों को और बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित करने का इरादा नहीं रखती है जिनके पहले से ही बच्चे हैं। इसके बजाय, विस्तारित कार्यक्रम उन जोड़ों पर ध्यान केंद्रित करेगा जिन्हें गर्भधारण करने में कठिनाई हो रही है।

प्रस्तावित पहल के तहत, सरकारी अस्पतालों में इंट्रा-यूटेरिन इनसेमिनेशन (आईयूआई) उपचार उपलब्ध कराया जाएगा, जिसमें वे ज़िले भी शामिल हैं ।

# स्टालिन के अचानक बीमार पड़ने के बाद डीएमके ने 'मुप्पेरुम विझा' कार्यक्रम किया स्थगित

विश्व केसरी

**चेन्नई।** डीएमके ने पार्टी अध्यक्ष एम.के. स्टालिन के अचानक बीमार पड़ने के कारण अपना सालाना 'मुप्पेरम विझा' कार्यक्रम टाल दिया है। यह कार्यक्रम मंगलवार शाम को यहां अन्ना अरिवलयम के कलैगनार अरंगम में आयोजित होने वाला था।

डीएमके के जनरल सेक्रेटरी दुरईमुरुगन ने कार्यक्रम को टालने की घोषणा की और कहा कि कार्यक्रम की नई तारीख बाद में बताई जाएगी।

मंगलवार शाम को होने वाले जश्न से जुड़े सभी कार्यक्रम भी टाल दिए गए हैं। इससे पहले दिन में चेन्नई में डीएमके के संस्थापक और तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री सी.एन. अन्नादुरई की जयंती के जश्न में स्टालिन के शामिल न होने से पार्टी के पदाधिकारियों में चिंता पैदा हो गई थी।

हालांकि, पार्टी ने तुरंत यह नहीं बताया कि उन्हें क्या बीमारी है या क्या उन्हें आराम करने की सलाह दी गई है।

'मुप्पेरुम विझा' या 'ट्रिपल सेलिब्रेशन' (तीन कार्यक्रमों का जश्न) डीएमके के राजनीतिक कैलेंडर के सबसे अहम सालाना कार्यक्रमों में से एक है। यह सामाजिक सुधारक ई.वी. रामासामी (थंथई पेरियार) और अन्नादुरई (पेरारिग्नार अन्ना) की जयंती और साथ ही डीएमके की स्थापना की याद में मनाया जाता है।

अन्नादुरई का जन्म 15 सितंबर, 1909 को कांचीपुरम में हुआ था। वे एक बेहतरीन वक्ता, लेखक और सामाजिक न्याय व राज्य की स्वायत्तता के समर्थक थे। उन्होंने पेरियार की द्रविड़ कड़गम से अलग होकर 1949 में डीएमके की स्थापना की। वे 1967 में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बने और मद्रास राज्य का नाम बदलकर तमिलनाडु करने में उनकी अहम भूमिका थी। फरवरी 1969 में उनका निधन हो गया।

पेरियार का जन्म 17 सितंबर, 1879 को इरोड में हुआ था।

# शरीर में बहती हैं 5 प्राण ऊर्जाएं, जानिए इनके रंग और काम

विश्व केसरी

**नई दिल्ली।** योग और आयुर्वेद की परंपरा में शरीर को सिर्फ हड्डियों, मांसपेशियों और अंगों का ढांचा नहीं माना गया, बल्कि इसे एक ऐसी सूक्ष्म ऊर्जा प्रणाली के रूप में भी देखा गया है, जिसमें प्राण यानी जीवन ऊर्जा का लगातार प्रवाह होता रहता है। इसी प्राण ऊर्जा को पांच मुख्य भागों में बांटा गया है, जिन्हें पंच प्राण या पंच वायु भी कहा जाता है। माना जाता है कि शरीर की अलग-अलग गतिविधियों को संचालित करने में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

प्राण वायु रक्तवर्ण और मणि के समान चमकीला होता है। इसका संबंध मुख्य रूप से छाती और हृदय क्षेत्र से माना जाता है। इसकी गति भीतर की ओर होती है। सांस लेना,

ऊर्जा ग्रहण करना और इंद्रियों व मन को सक्रिय बनाए रखना इसके प्रमुख कार्य बताए गए हैं।

अपान वायु इंद्रगोप कीट के समान प्रभायुक्त होती है। अपान वायु की गति नीचे की ओर मानी जाती है। इसका स्थान निचले पेट और श्रोणि क्षेत्र में बताया गया है। शरीर से मल-मूत्र और अन्य अपशिष्ट पदार्थों को बाहर निकालना, प्रजनन जैसी शारीरिक प्रक्रियाओं से इसका संबंध माना जाता है। समान वायु - गौ-दुग्ध के समान श्वेत होती है। यह शरीर के मध्य भाग, खासकर नाभि और पेट के आसपास सक्रिय मानी जाती है। इसका मुख्य संबंध पाचन और भोजन से मिलने वाले पोषक तत्वों के अवशोषण से है। इसे शरीर में संतुलन बनाए रखने वाली ऊर्जा भी माना जाता है। भोजन को पचाने और उससे ऊर्जा प्राप्त करने की प्रक्रिया को इससे जोड़ा जाता है।

उदान वायु पाण्डुर यानी फीका श्वेताभ होती है। इसकी गति ऊपर की ओर मानी जाती है। इसका संबंध मुख्य रूप से कंठ और सिर के क्षेत्र से बताया गया है। बोलने, अपनी बात व्यक्त करने, उत्साह, विकास और विचारों को ऊंचे स्तर तक ले जाने जैसी गतिविधियों से इसे जोड़ा जाता है। इसलिए इसे ऊपर उठाने वाली ऊर्जा के रूप में समझा जा सकता है।

# मन अशांत और नींद से हैं परेशान; भ्रामरी प्राणायाम है रामबाण, जानें करने का सही तरीका

विश्व केसरी

**नई दिल्ली।** आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लगातार तनाव के बीच मन की शांति सबसे बड़ी चुनौती बन गई है। ऐसे में कई योगासन और प्राणायम हैं जो मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करते हैं, उन्हीं में से एक है 'भ्रामरी प्राणायम'। इसको करने से मन शांत, तनाव दूर और एकाग्रता बढ़ती है।

'भ्रामरी' का अर्थ है 'भौंरा', और इस प्राणायाम को करते समय निकलने वाली ध्वनि ठीक-भौंरे की

गुंजन जैसी होती है, इसलिए इसे यह नाम दिया गया है। अगर किसी भी व्यक्ति को नींद की कमी, मन शांत या छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा आता है, उनके लिए भ्रामरी प्राणायम किसी भी रामबाण से कम नहीं है। सिर्फ 2 मिनट का यह अभ्यास आपके दिमाग को कैसे शांत करने में मदद करता है।

आयुष मंत्रालय के मुताबिक, भ्रामरी प्राणायाम दिमाग शांत करने में मदद करता है। तनाव कम होता है, गुस्सा कंट्रोल में रहता है, और मन की बेचैनी भी धीरे-धीरे दूर होने लगती है। इसके नियमित अभ्यास से दिमाग और नसों को आराम मिलता है, जिससे सोचने-समझने की ताकत भी बढ़ती है।

प्राणायाम योग शास्त्र में श्वास-प्रश्वास (भ्रामरी) को नियंत्रित और विस्तारित करने की एक प्राचीन प्रक्रिया बताया गया है। यह शब्द दो हिस्सों से मिलकर बना है, 'प्राण' (जीवन शक्ति या ऊर्जा) और 'आयाम' (विस्तार या नियंत्रण)। इसका अर्थ है शरीर में प्राण-शक्ति का प्रसार करना। महर्षि पतंजलि के योग दर्शन में इसे अष्टांग योग का चौथा चरण बताया गया है। इसे करने से ध्यान केंद्रित करने की ताकत बढ़ती है। खासतौर पर बच्चों और छात्रों के लिए यह बहुत फायदेमंद है। इससे याद रखने की शक्ति भी बेहतर होती है।

भ्रामरी प्राणायाम एक सरल और प्रभावी तकनीक है, जो आधुनिक जीवन की भागदौड़ में मन को शांति और शरीर को राहत देती है। हालांकि, एक्सपर्ट भ्रामरी प्राणायाम करते समय कुछ सावधानियां बरतने की भी सलाह देते हैं।

RAIPUR SMART BUSINESS
GST ITR
फाइल बनवाएं मात्र 500/-
25 वर्ष का अनुभव
• CMA Data • Balance Sheet • प्रोजेक्ट रिपोर्ट
• फूड लाइसेंस • Income Tax Audit • TDS रिफंड
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार हैं।
संपर्क: शेखर गुप्ता RIFCO Tax Consultants
C-74, सेक्टर- 1, जुबेस्ता हॉस्पिटल के पास, देवेन्द्र नगर, रायपुर
Whatsaap पर बनवाएं 9300755544, 8878655544

# नीशू आजाद मामला: स्वतंत्र भारद्वाज को पटियाला कोर्ट से मिली अंतरिम राहत

विश्व केसरी■

**नई दिल्ली।** पटियाला हाउस कोर्ट ने मंगलवार को नीशू आजाद मामले में गिरफ्तार स्वतंत्र भारद्वाज को तीन सप्ताह के लिए अंतरिम जमानत दे दी है। कोर्ट ने कहा है कि इस बात को ध्यान में रखा गया है कि आरोपी दस दिन से अधिक समय से कस्टडी में है और यह ऐसा समय था जिसमें उसे सोचने-समझने का पर्याप्त मौका मिला है। उसकी कस्टडी में पूछताछ पूरी हो चुकी है और इन अपराधों में ज्यादा से ज्यादा सात साल की सजा हो सकती है।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि उसकी मुख्य चिंता शिकायत करने वाले और उसकी नाबालिग बेटी की सुरक्षा को लेकर है। इसलिए आरोपी को कड़ी शर्तों पर तीन सप्ताह के लिए अंतरिम जमानत पर रिहा किया जा रहा है।

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अंतरिम जमानत के दौरान आरोपी के व्यवहार को देखा जाएगा और उसके बाद ही उसकी रेगुलर जमानत की अर्जी पर विचार किया जाएगा। कोर्ट ने यह भी कहा कि 23 जून की घटना के बारे में जो भी फैसला होना है, वह कोर्ट में सबूतों के आधार पर होना चाहिए, न कि पब्लिक में या सोशल मीडिया के आधार पर। पटियाला हाउस कोर्ट ने आरोपी स्वतंत्र भारद्वाज को 50 हजार रुपए के पर्सनल बॉन्ड और उतनी ही रकम की एक श्योरिटी के साथ तीन सप्ताह के लिए अंतरिम जमानत दी है।

अंतरिम जमानत देते हुए कोर्ट ने पांच कड़ी शर्तें लगाई हैं। पहली है कि आरोपी शिकायतकर्ता और उसके परिवार के बारे में कोई भी बयान, कमेंट, वीडियो, पॉडकास्ट, इंटरव्यू, रील या पोस्ट सोशल मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक या प्रिंट मीडिया या किसी दूसरे पब्लिक प्लेटफॉर्म पर नहीं बनाएगा, पब्लिश, पोस्ट, अपलोड या शेयर नहीं करेगा। दूसरी शर्त है कि आरोपी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शिकायतकर्ता, उसकी नाबालिग बेटी, उसके परिवार के किसी सदस्य या अभियोजन पक्ष के किसी भी गवाह से टेलीफोन या इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से संपर्क नहीं करेगा। तीसरी शर्त है कि आरोपी इस मामले से जुड़े किसी भी इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड या सोशल मीडिया सामग्री सहित किसी भी सबूत के साथ छेड़छाड़ नहीं करेगा।

चौथी शर्त है कि आरोपी को जब भी जांच अधिकारी द्वारा पूर्व सूचना पर बुलाया जाएगा, उसे जांच में शामिल होना होगा।

वहीं, पांचवी शर्त है कि आरोपी को अपना दिल्ली का पता, अपना स्थायी पता और अपना मोबाइल नंबर जांच अधिकारी और कोर्ट को देना होगा। वह उस मोबाइल नंबर को चालू रखेगा और जांच अधिकारी को सूचित किए बिना नंबर नहीं बदलेगा। कोर्ट इस मामले पर अगली सुनवाई 6 अक्टूबर को करेगी, जिसमें उसकी रेगुलर जमानत पर विचार किया जाएगा। साथ ही कोर्ट ने जांच एजेंसी को तेजी से जांच करने का निर्देश दिया है और कहा है कि 23 जून को जंतर-मंतर पर विशेष रूप से घटनास्थल पर या उसके आसपास के सीसीटीवी फुटेज एकत्र और संरक्षित किए जाएं।

# जेनजी का गणपति सेलिब्रेशन हंगामा और हुड़दंग नहीं

विश्व केसरी■

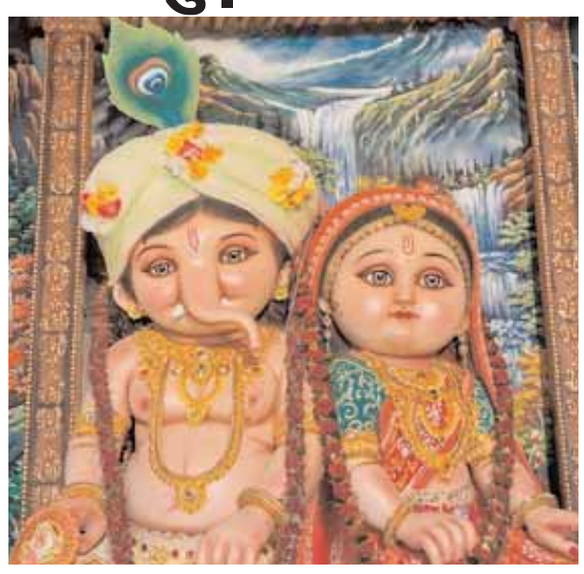

**नई दिल्ली।** सोशल मीडिया, इंटरनेट और वर्चुअल वर्ल्ड में 'जेनजी' शब्द अचानक नहीं आया। इसका एक लंबा अरसा रहा है। देश-दुनिया में पिछले कुछ महीनों में ऐसी घटनाएं हुईं, जिसने जेनजी को मेनस्ट्रीम मीडिया, चर्चा और बयानों में भी शामिल कर दिया।

चाहे नेपाल, बांग्लादेश में जेनजी का प्रोटेस्ट हो या फिर जंतर-मंतर पर आंदोलन चला। जेनजी को लेकर बहुसंख्यक लोगों ने अपने हिसाब से परिभाषाएं गढ़ीं। उनके प्रदर्शन करने के तरीके और नारों को लेकर भी कई लोग नाखुश नजर आए।

एक तरफ जेनजी को बड़ी संख्या में लोग शक की निगाह से देखते हैं तो दूसरी तरफ सोशल मीडिया पर कई वीडियोज सामने आए हैं, जिससे पता चला कि जेनजी भले ही अलग तरीके से सोचें, उनके सेलिब्रेशन का स्टाइल अछूता है। कहने का मतलब है कि उन्होंने पूजा और उत्सवों में भारत की संस्कृति को संभालकर रखा और उसी के हिसाब से न सिर्फ आयोजन कर रहे हैं, बल्कि उसमें शामिल भी हो रहे हैं।

दरअसल, जेनजी के लिए अलग दुनिया है, उनकी लैंग्वेज हो या बॉडी लैंग्वेज या खुद को एक्सप्रेस करने की काबिलियत, सब कुछ अलग दिखती है। अगर भक्ति की बात आए तो यहां भी जेनजी की ऐसी तस्वीर सामने आती है, जिसे देखकर आपको लगने लगेगा कि यह सही मायने में अलग पीढ़ी है, जो उन हंगामा करने वालों, हुड़दंगियों और खुद को असली जेनजी की तरह पेश करने वालों से बिल्कुल अलग है।

गणेश चतुर्थी पर देश के विभिन्न हिस्सों से ऐसी ही तस्वीरें सामने आईं, जहां जेनजी का विघ्नहर्ता के पूजा का अंदाज बिल्कुल अलग दिखा। भगवान को भोग में बादाम-कीवी से लेकर बटरस्कॉच फ्लेवर के मोदक और न्यूटेला व्हाइट चॉकलेट और लोटस बिसकॉप जैसे फ्लेवर्स की मिठाइयां चढ़ाई गईं। जेनजी के सेलिब्रेशन का स्टाइल भी अलग हटकर रहा, लेकिन उसमें संस्कृति और धार्मिक मान्यताएं भी शामिल रहीं। गणपति उत्सव से जुड़ी कई फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए, जिसे देखकर लोग जेनजी के सेलिब्रेशन स्टाइल की तारीफें करते नहीं रुके।

# गुरुग्राम हिट-एंड-रन मामले पर बोले कांग्रेस सांसद पवन खेड़ा, सुरक्षा कहां है?

विश्व केसरी■

**नई दिल्ली।** गुरुग्राम में हुए हिट-एंड-रन मामले को लेकर कांग्रेस सांसद पवन खेड़ा ने हरियाणा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि अगर दिल्ली के आसपास ही सुरक्षा व्यवस्था का यह हाल है तो फिर सुरक्षा कहां है।

नई दिल्ली में आईएएनएस से बातचीत में कांग्रेस सांसद पवन खेड़ा ने कहा कि जिस स्थान पर यह घटना हुई है, वह नेशनल कैपिटल रीजन (एनसीआर) का हिस्सा माना जाता है। यह घटना उस समय हुई, जब ब्रिक्स शिखर सम्मेलन चल रहा था और पूरी पुलिस फोर्स तथा सुरक्षा व्यवस्था सड़कों पर तैनात थी। राष्ट्रीय राजधानी के आसपास यह हाल है। देश में सुरक्षा की स्थिति के बारे में और क्या कहा जा सकता है। राजस्थान के निकाय चुनावों में भाजपा की जीत पर कांग्रेस सांसद पवन खेड़ा ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि अगर शहरी इलाकों में भारतीय जनता पार्टी कांग्रेस से बस कुछ प्रतिशत ही आगे है तो ग्रामीण इलाकों में क्या स्थिति होगी। आज राजस्थान में चुनाव करवाकर देख लीजिए, भाजपा की हालत खराब है। पाली, अजमेर, जोधपुर और कोटा को देखिए। अगर भरतपुर की बात करें तो वहां एक निर्दलीय उम्मीदवार जीता, भाजपा नहीं जीती। जयपुर में हमारे वोट ज्यादा हैं। उन्होंने परिसीमन किया और कांग्रेस के सभी मजबूत गढ़ों को एक साथ मिला दिया, जिससे ऐसे कई वार्ड बने, जिनमें हर एक में करीब 3,000 मतदाता थे। इन सबके बावजूद जयपुर की स्थिति देख लीजिए।

महंगाई को लेकर पवन खेड़ा ने कहा कि आम जनता पर महंगाई की मार पड़ रही है।

# दिल्ली के स्पीकर विजेंद्र गुप्ता कॉमनवेल्थ कॉन्फ्रेंस में 'समावेशी लोकतंत्र' पर रखेंगे विचार

विश्व केसरी■

**नई दिल्ली।** दिल्ली विधानसभा के स्पीकर विजेंद्र गुप्ता दक्षिण अफ्रीका के केपटाउन में होने वाली 69वीं कॉमनवेल्थ पार्लियामेंट्री कॉन्फ्रेंस में संसदीय कामकाज के तरीकों पर चर्चा करेंगे और 'समावेश' (सबको साथ लेकर चलने) के बारे में अपने विचार रखेंगे। इस संबंध में एक अधिकारी ने मंगलवार को जानकारी दी।

विजेंद्र गुप्ता ने केप टाउन में 69वीं कॉमनवेल्थ पार्लियामेंट्री कॉन्फ्रेंस में सांसदों के लिए आयोजित उद्घाटन समारोह में हिस्सा लिया और सोशल मीडिया पर अपना अनुभव साझा किया। दिल्ली विधानसभा के स्पीकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा, 'दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन में 69वीं कॉमनवेल्थ पार्लियामेंट्री कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन समारोह में शामिल हुआ। यह कॉन्फ्रेंस संसदीय कामकाज और लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करने के बारे में विचारों और अनुभवों के आदान-प्रदान के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करती है।'

नई दिल्ली में विजेंद्र गुप्ता के सचिवालय से जारी बयान में कहा गया है कि कार्यक्रम के तहत, दिल्ली विधानसभा के स्पीकर 'सीमित क्षमता वाले संसदों में समावेशिता के उपाय लागू करने' पर केंद्रित संयुक्त नेटवर्क कार्यशाला के दौरान प्रतिनिधियों को संबोधित करेंगे। अपने संबोधन में स्पीकर गुप्ता सीमित संसाधनों वाले माहौल में जेंडर सेंसिटिविटी (लैंगिक संवेदनशीलता) को बढ़ावा देने, दिव्यांगों को शामिल करने और आम तौर पर संसद तक सबकी पहुंच सुनिश्चित करने जैसे मुद्दों पर बात कर सकते हैं।

# मेघालय में शुरू हुआ भारत-म्यांमार की सेनाओं का युद्धाभ्यास

विश्व केसरी■

**नई दिल्ली।** भारत और म्यांमार की सेनाओं ने संयुक्त सैन्य अभ्यास की शुरुआत की है। मेघालय के उमरोई में मंगलवार से इस युद्धाभ्यास 'इम्बैक्स 2026' के पांचवे संस्करण की शुरुआत हुई। इस अभ्यास में भारतीय सेना की स्वदेशी सैन्य क्षमता म्यांमार के सैनिकों के सामने आएगी।

म्यांमार के सैन्य दल को भारतीय सेना में इस्तेमाल हो रहे विभिन्न स्वदेशी हथियारों और उपकरणों को देखने का मौका मिलेगा। गौरतलब है कि यह भारत की स्वदेशी रक्षा क्षमता को बढ़ावा देने की सोच के अनुरूप है। यह अभ्यास 28 सितंबर तक चलेगा। दोनों देशों के सैनिक अगले 14 दिनों तक साथ प्रशिक्षण करेंगे। इस अभ्यास में दोनों सेनाएं संयुक्त राष्ट्र के अधिदेश के तहत होने वाले अभियानों की तैयारी करेंगी। इसके लिए सैनिकों को एक साथ प्रशिक्षण दिया जाएगा।

अभ्यास का मकसद दोनों सेनाओं के बीच बेहतर तालमेल विकसित करना है। साथ ही संयुक्त अभियानों के दौरान एक-दूसरे के साथ प्रभावी ढंग से काम करने की क्षमता बढ़ाना है। इम्बैक्स के दौरान दोनों देशों के सैनिक अपने अनुभव साझा करेंगे। वे अभियानों में अपनाए जाने वाले बेहतर तौर-तरीकों को भी समझेंगे। इससे दोनों सेनाओं के बीच आपसी समझ बढ़ेगी। सैन्य सहयोग और आपसी सौहार्द को भी मजबूती मिलेगी।

# इंटरनेशनल ड्रग सिंडिकेट केस: कोर्ट ने वीरेंद्र बैसोया के बेटे ऋषभ को 7 दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा

विश्व केसरी■

**नई दिल्ली।** दिल्ली की तीस हजारी अदालत ने अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी गिरोह के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए आरोपी ऋषभ बैसोया को 7 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। उसे दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल को सौंपा गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ऋषभ बैसोया आज लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) रद्द होने के बाद संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से भारत आया था। भारत में प्रवेश करते ही दिल्ली पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया और अदालत में पेश किया। वह अक्टूबर 2024 से फरार चल रहा था। विशेष न्यायाधीश (एनडीपीएस) कुलदीप नारायण ने सुनवाई की। दिल्ली पुलिस की ओर से विशेष लोक अभियोजक अखंड प्रताप सिंह पेश हुए और आरोपी से पूछताछ के लिए 10 दिन की हिरासत मांगी थी, लेकिन अदालत ने 7 दिन की रिमांड मंजूर की। ऋषभ बैसोया इस अंतरराष्ट्रीय ड्रग रैकेट के सरगना वीरेंद्र सिंह बैसोया उर्फ वीरू का बेटा है। वीरेंद्र बैसोया दिल्ली के पिलानजी गांव का रहने वाला है और उसे भी पहले यूएई से प्रत्यर्पित किया गया था। उसे पहले एनसीबी ने गिरफ्तार किया था और फिर 1 सितंबर को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार कर 10 दिन तक पूछताछ की थी। जांच एजेंसियों के मुताबिक, इस गिरोह की जड़ें ब्रिटेन, पाकिस्तान, यूएई, थाईलैंड और अन्य देशों तक फैली हुई हैं। वीरेंद्र बैसोया इस पूरे अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क में विभिन्न कड़ियों को जोड़ने वाला सामान्य कारक है।

दरअसल, 1 अक्टूबर 2024 को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 13,000 करोड़ रुपए मूल्य की अवैध ड्रग्स जब्त की थी। इस जांच में वीरेंद्र बसोया का नाम प्राथमिक आपूर्तिकर्ता के तौर पर सामने आया था, जो विदेश में रहकर खेप भेजने का काम करता था।

# नोएडा के एलिवेटेड रोड पर 10 फीट गहरा गड्ढा, करोड़ों की लागत से बने मार्ग की सुरक्षा पर उठे सवाल

विश्व केसरी■

**नोएडा।** शहर के सबसे महत्वपूर्ण मार्गों में शामिल सेक्टर-61 से सेक्टर-18 के बीच बने एलिवेटेड रोड पर मंगलवार को अचानक सड़क धंसने से हड़कंप मच गया। करोड़ों रुपये की लागत से तैयार किए गए इस एलिवेटेड रोड के एक हिस्से में करीब 10 फीट तक सड़क धंस गई।

सड़क धंसने से मौके पर करीब 20 फीट चौड़ा और लगभग 10 फीट गहरा गड्ढा बन गया। गनीमत रही कि घटना के समय कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ और किसी वाहन के गड्ढे में गिरने की सूचना सामने नहीं आई।

घटना की जानकारी मिलते ही संबंधित अधिकारियों को इसकी सूचना दी गई। इसके बाद मौके पर पहुंची टीम ने स्थिति का जायजा लिया। नोएडा अथॉरिटी के अधिकारियों का कहना है कि सड़क धंसने की घटना की जांच कराई जा रही है। जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि सड़क धंसने के पीछे वास्तविक कारण क्या रहा।

अधिकारियों के मुताबिक तकनीकी पहलुओं की भी जांच की जाएगी, ताकि घटना के कारणों का पता लगाया जा सके और भविष्य में इस तरह की समस्या दोबारा सामने न आए। सेक्टर-61 से सेक्टर-18 के बीच बना यह एलिवेटेड रोड नोएडा की यातायात व्यवस्था के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। करीब पांच किलोमीटर लंबे इस एलिवेटेड रोड से रोजाना बड़ी संख्या में वाहन गुजरते हैं। यह मार्ग नोएडा के अलग-अलग सेक्टरों को जोड़ने के साथ ही गाजियाबाद, ग्रेटर नोएडा वेस्ट, 7एक्स सेक्टर की सोसाइटियों और दिल्ली की ओर जाने वाले डीएनडी मार्ग के बीच महत्वपूर्ण कड़ी का काम करता है। ऐसे में एलिवेटेड रोड पर अचानक सड़क धंसने की घटना ने इसकी सुरक्षा और निर्माण की गुणवत्ता को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

खासतौर पर उस समय जब इस मार्ग पर दिनभर भारी यातायात रहता है। यदि सड़क धंसने के दौरान कोई वाहन वहां से गुजर रहा होता तो बड़ा हादसा हो सकता था। घटना के बाद लोगों में भी एलिवेटेड रोड की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

एलिवेटेड रोड जैसी महत्वपूर्ण और व्यस्त सड़क पर इतनी बड़ी मात्रा में सड़क धंसने की घटना ने नोएडा अथॉरिटी की कार्यप्रणाली पर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं।

# कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने ब्रिक्स डिनर का किया बहिष्कार: संबित पात्रा

विश्व केसरी■

**नई दिल्ली।** भाजपा के सांसद संबित पात्रा ने ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान आयोजित रात्रिभोज में कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की गैरमौजूदगी को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स जैसी अंतरराष्ट्रीय बैठक किसी राजनीतिक दल का कार्यक्रम नहीं होती, बल्कि यह देश के गौरव, विकास और वैश्विक स्तर पर भारत की भूमिका से जुड़ा आयोजन है। पात्रा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के डिनर में शामिल नहीं होने से गलत संदेश गया है और इससे कांग्रेस की दलगत राजनीति की मानसिकता सामने आती है।

संबित पात्रा ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि हाल ही में ब्रिक्स की बैठक संपन्न हुई, जिसमें भारत ने मेजबानी की। इस दौरान पूरी दुनिया ने भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका और देश की छवि को देखा। ब्रिक्स देशों के राष्ट्राध्यक्षों का भारत आना देश के लिए महत्वपूर्ण अवसर था। ऐसे अंतरराष्ट्रीय आयोजनों से भारत की वैश्विक स्थिति मजबूत होती है और विभिन्न देशों के साथ संवाद तथा सहयोग के नए रास्ते खुलते हैं। इस तरह के आयोजन को किसी राजनीतिक दल की बैठक के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव ( पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा ) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415